कानपुर, बुधवार
24 जून, 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष 10
सं. 2083 वि.
वर्ष 37, अंक - 302 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
मूल्य : 3 रुपये

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

स्वतंत्र भारत

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

epaper : epaper.swatantrabharat.net

नीतीश आयरलैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर, इंग्लैंड में खेलने पर भी संशय

एसआईटी ने शासन को सौंपी रिपोर्ट

राम मंदिर चंदा चोरी मामला

- चढ़ावा चोरी से लेकर कमीशन के सुबूत
- चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव पर सवाल
- 25-30 लोगों की भूमिका पाई गई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट एसआईटी ने मंगलवार सुबह अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद को सौंप दी। रिपोर्ट में चढ़ावा चोरी से लेकर कमीशनखोरी के खेल के सुबूत हैं। मंदिर में कर्मचारियों की नियुक्ति, गणना प्रक्रिया में भी बड़े हेरफेर की आशंका एसआईटी ने जताई है। उससे संबंधित तमाम साक्ष्य जुटाए हैं। गवाहों का भी जिक्र रिपोर्ट में किया गया है।

एसआईटी में शामिल लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, लखनऊ आईजी रेंज किरन एस और विशेष सचिव वित्त नील रतन सुबह करीब 11 बजे शासन पहुंचे। तीनों अधिकारियों ने गोपनीय जांच रिपोर्ट संजय प्रसाद को दी। अब ये रिपोर्ट मुख्यमंत्री के सामने रखी जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में ट्रस्ट के पदाधिकारियों पर सबसे बड़ा सवाल उठाया गया है। कुछ की भूमिका भी उजागर की गई है। अंदेशा जताया गया है कि वह हेरफेर में शामिल रहे हैं। वहीं कुछ पदाधिकारियों को लापरवाही का दोषी पाया गया। जिनकी निगरानी में चढ़ावा चोरी हुआ। फिलहाल मामले में सबसे अधिक जो पदाधिकारी सवालों के घेरे में हैं, उनमें ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, अनिल मिश्रा व निर्माण सहायक गोपाल राव का नाम शामिल है। इसके अलावा इन पदाधिकारियों के रिश्तेदार व करीबियों का भी जांच रिपोर्ट में जिक्र है। खासकर चंपत राय के करीबी टिन्नू यादव, अनिल मिश्रा के रिश्तेदार, गोपाल राव के रिश्तेदार सोम आदि का। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी में सीधे तौर पर 25-30 लोगों की भूमिका पाई गई है। अब इन सभी पर जल्द केस दर्ज हो सकता है। वहीं अनिल मिश्रा पर 40 प्रतिशत कमीशन लेने के आरोपों का भी जिक्र एसआईटी ने किया है। रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद ट्रस्ट में बदलाव के साथ चोरी करने वालों पर कार्रवाई संभव है।

कैसे हुआ इतना बड़ा गबन?

राम मंदिर से दान राशि का इतना बड़ा गबन किसी एक व्यक्ति का काम नहीं था, बल्कि यह नियुक्तियों में भाई-भतीजावाद, सुरक्षा में भारी चूक और गिनती की प्रक्रिया में मौजूद खामियों का फायदा उठाकर किया गया एक सुनियोजित खेल था।

कब से कब तक हुआ राम मंदिर में दान राशि का गबन?

आरोप है कि राम मंदिर के दान की राशि में गबन का यह सिलसिला करीब सवा साल तक बेरोकटोक चल रहा था। दान की रकम पार करने वाले संदिग्ध नियमित रूप से दानपात्रों से इकट्ठा रकम इधर से उधर कर रहे थे। निम्नलिखित मौकों पर ये हेरफेर अपने चरम पर रही : महाकुंभ और माघ मेले के दौरान : पिछले साल हुए महाकुंभ और इस साल माघ मेले के समय जब प्रयागराज से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु अयोध्या दर्शन के लिए भी पहुंचे, तो चढ़ावे की राशि में बेशुमार बढ़ोतरी हुई। कथित गबन करने वालों के लिए यह समय बहुत सुनहरा साबित हुआ और गिनती करने वाले लोगों ने इसका फायदा उठाते हुए एक-एक दिन में 10 से 15 लाख रुपये तक चंदे की राशि से पार किए। आखिरी के महीनों में ज्यादा गबन : यह बात भी सामने आई कि पकड़े जाने से ठीक पहले, यानी आखिरी के कुछ महीनों में इन कर्मचारियों द्वारा बहुत बड़ी-बड़ी रकम पार की गई थी। इस तरह महाकुंभ से शुरू हुई यह चंदा चोरी लगातार सवा साल तक चलती रही और अधिकारियों, सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद किसी को इसकी भनक तक नहीं लग पाई। सोशल मीडिया पर गबन की गई राशि 200 करोड़ से लेकर 1400 करोड़ रुपये तक बताई जा रही है।

'लखनऊ अग्निकांड पूरे प्रदेश के लिए चेतावनी, फायर सेफ्टी से समझौता नहीं'

- हर जनपद में विशेष टीम गठित कर व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट अभियान चलाया जाए : योगी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के अलीगंज में बीते दिनों आग लगने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना को प्रदेश के लिए एक बड़ा सबक बताते हुए कहा कि इस पीड़ादायक घटना से सीख लेते हुए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इसके लिए शासन, प्रशासन और आमजन को मिलकर अग्नि सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर में मिशन मोड में व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी जनपदों में अस्पतालों, नर्सिंग होमों, मेडिकल कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों, शॉपिंग मॉल, सरकारी भवनों तथा अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच कर आवश्यक सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। मंगलवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह अभियान पूरी तरह जनहित में संचालित किया जाएगा। पहले व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अभियान के नाम पर किसी भी नागरिक का उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जनपद में विशेष टीम गठित कर फायर ऑडिट अभियान संचालित किया जाए। सभी कोचिंग संस्थानों का विधिवत पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए तथा व्यावसायिक भवनों में अग्निशमन विभाग से प्राप्त अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) भवन परिसर में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भवन अथवा भूमि का उपयोग उसी उद्देश्य के अनुरूप होना चाहिए, जिसके लिए उसे स्वीकृति प्रदान की गई है। आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन नहीं होना चाहिए तथा निर्धारित उपयोग के विपरीत किसी भी प्रकार की गतिविधि स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि किसी भी परिस्थिति में बेसमेंट में कोचिंग अथवा अन्य व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन न होने पाए। यदि बेसमेंट पार्किंग के लिए स्वीकृत है तो उसका उपयोग केवल पार्किंग के लिए ही किया जाए। मुख्यमंत्री ने व्यावसायिक भवनों के विद्युत भार (लोड) का आकलन कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां विद्युत भार निर्धारित मानकों के विपरीत पाया जाए अथवा अन्य नियमों का उल्लंघन हो रहा हो, वहां तत्काल नियमानुसार कठोरतम कार्रवाई की जाए।

एक हफ्ते बाद लौटा टेलीग्राम

- बैन हटते ही प्लेस्टोर पर हुई वापसी
- कई पाबंदियां अभी भी बरकरार

नई दिल्ली। सरकार की ओर से निर्धारित समयसीमा पूरी होने के बाद 22 जून की आधी रात को गूगल ने टेलीग्राम को बहाल कर दिया। कुछ मौजूदा यूजर्स के लिए प्लेटफॉर्म पहले से ही सीमित रूप से उपलब्ध था, लेकिन आधिकारिक तौर पर इसे मंगलवार सुबह फिर से एक्सेस किया जा सका। हालांकि एपल एप स्टोर पर सुबह लगभग 10 बजे तक डीलिस्ट रहा। इस संबंध में एपल की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। सरकार ने 16 जून 2026 को टेलीग्राम पर अस्थायी रूप से बैन लगा दिया था। यह फैसला नीट परीक्षा से जुड़े फर्जी प्रश्नपत्रों, भ्रामक सूचनाओं और परीक्षा प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली कथित धोखाधड़ी गतिविधियों को रोकने में विफल रहने के बाद लिया था। हालांकि टेलीग्राम को अभी तक पूरी तरह राहत नहीं मिली है। इसके मैसेज एडिटिंग फीचर पर अभी भी रोक जारी है। सरकार ने टेलीग्राम को निर्देश दिया है कि वह 30 जून तक इस फीचर को बंद रखे। कहा जा रहा है कि जांच पूरी होने तक इस सुविधा पर निगरानी रखी जाएगी।

देश में आईएसआई से जुड़े बड़े नेटवर्क का खुलासा

- टीटीएच बना नया खतरा कई राज्यों में कार्रवाई

नई दिल्ली। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने हाल ही में देश के कई राज्यों में कार्रवाई करते हुए एक ऐसे नेटवर्क का पर्दाफाश किया है, जिसके तार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और उसके कथित सहयोगी शहजाद भट्टी से जुड़े बताए जा रहे हैं। जांच एजेंसियों का कहना है कि इस नेटवर्क के जरिए तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान (टीटीएच) नामक संगठन खड़ा करने की कोशिश की जा रही थी। सुरक्षा एजेंसियों ने मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में कार्रवाई कर कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि इन मॉड्यूल्स को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई थीं। कुछ लोगों को संवेदनशील सैन्य और सरकारी प्रतिष्ठानों के बारे में जानकारी जुटाने का काम सौंपा गया था, जबकि कुछ सदस्य पेट्रोल बम हमले, गोलीबारी और अन्य हिंसक गतिविधियों की तैयारी में लगे थे। अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआत में टीटीएच को केवल प्रचार के लिए बनाया गया एक काल्पनिक संगठन माना जा रहा था। लेकिन हालिया जांच में संकेत मिले हैं कि यह संगठन वास्तव में तैयार किया जा रहा है और इसकी जिम्मेदारी शहजाद भट्टी को दी गई है, जो दुबई और पाकिस्तान से सक्रिय बताया जाता है। खुफिया अधिकारियों का मानना है कि टीटीएच को पाकिस्तान के तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जोड़ने की कोशिश की जा रही है। साथ ही इसे भारत के भीतर पैदा हुआ एक स्थानीय संगठन दिखाने की रणनीति पर भी काम हो रहा है। जांच एजेंसियों के अनुसार, शहजाद भट्टी सोशल मीडिया, वैचारिक प्रचार और आर्थिक लालच का इस्तेमाल कर युवाओं की भर्ती कर रहा था। चौंकाने वाली बात यह है कि नेटवर्क कथित रूप से हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के युवाओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रहा था।

ईरान बोला- होर्मुज अब पहले जैसा नहीं रहेगा

- इसकी देखरेख हम अपने तरीके से करेंगे, अमेरिका पर भरोसा नहीं

तेहरान। ईरान के संसद अध्यक्ष और अमेरिका-ईरान बातचीत में अहम वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट अब युद्ध से पहले जैसी स्थिति में नहीं लौटेगा। उन्होंने कहा कि इस अहम समुद्री मार्ग की देखरेख आगे ईरान अपने तरीके से करेगा, हालांकि अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन जारी रहेगा। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी प्रेस टीवी के मुताबिक, स्विट्जरलैंड में अमेरिका के साथ तकनीकी बातचीत के पहले दौर के बाद गालिबाफ ने दोहराया कि ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहीं है। गालीबाफ ने कहा, हमने कभी अमेरिकियों पर भरोसा नहीं किया, आज भी नहीं करते और भविष्य में भी सावधान रहने में ही समझदारी होगी। दूसरी ओर, ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान अपने परमाणु ठिकानों की अंतरराष्ट्रीय जांच के लिए तैयार हो गया है। हालांकि, ईरान ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि परमाणु मुद्दे पर कोई नई सहमति नहीं बनी है।

अमेरिका-ईरान समझौता सकारात्मक कदम : डोभाल

- ब्रिक्स का मतलब विकासशील देशों के हितों की रक्षा

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने विशेष रूप से अमेरिका और ईरान के बीच हुए हालिया समझौते (एमओयू) का स्वागत किया और इसे दुनिया के लिए एक सकारात्मक कदम बताया। अजीत डोभाल ने कहा कि भारत अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति को लेकर सावधानी के साथ सकारात्मक उम्मीद रखता है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि यह समझौता सही तरीके से काम करेगा। इससे ऊर्जा सुरक्षा को बहुत मदद मिलेगी। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने को एक बड़ी राहत बताया। डोभाल के अनुसार, इस समुद्री रास्ते के खुलने से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में आने वाली रुकावटें दूर होंगी। इससे खाद और रसायनों जैसी जरूरी चीजों की कमी को पूरा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि समुद्री आवाजाही की आजादी से क्षेत्र के देशों की आर्थिक समृद्धि में सुधार होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पहले इस शांति वार्ता का समर्थन किया था।

ट्रंप को खुश करना बंद करें पीएम : कांग्रेस

- देश हित के खिलाफ व्यापार समझौते पर न करें हस्ताक्षर

नई दिल्ली। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर भारत के दौरे पर आए हैं। इस मौके पर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री को अपने अच्छे दोस्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करना बंद करना चाहिए। पार्टी के मुताबिक, भारत को किसी ऐसे व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की कोई जरूरत नहीं है जो देश के हितों के खिलाफ हो। इसको लेकर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को मलेशिया से प्रेरणा लेनी चाहिए। मलेशिया ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अमेरिका के साथ अपना व्यापार समझौता रद्द कर दिया था। रमेश ने बताया कि छह फरवरी 2026 को भारत और अमेरिका ने व्यापार पर एक साझा बयान जारी किया था। उस समय राहुल गांधी ने संसद में चीन के मुद्दे पर सरकार को घेरा था। रमेश का आरोप है कि उसी दबाव में यह बयान आया था।

'फाइलों में अनगिनत नागरिकों की आकांक्षा-जिंदगियां'

- युवा आईएएस अफसरों से पीएम मोदी का संवाद, दिया गुरुमंत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के सेवा तीर्थ में 2024 बैच के 183 आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात की। ये सभी अधिकारी केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में तैनात हैं। इस दौरान युवा अधिकारियों ने अपने फील्ड प्रशिक्षण और मंत्रालयों के कामकाज के अनुभव साझा किए। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि दो साल के जमीनी अनुभव के बाद वे अब एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, जहां उनके फैसले करोड़ों नागरिकों का भविष्य तय करेंगे। उन्होंने जोर दिया कि लोक सेवा की असली परीक्षा ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ वास्तविक स्थितियों को संभालने में है। प्रधानमंत्री ने युवा सिविल सेवकों से राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित रहने का आग्रह किया। उन्होंने नागरिक देवो भव का मंत्र देते हुए कहा कि हर प्रशासनिक फाइल के पीछे एक इंसान की उम्मीदें, चिंताएं और जीवन छिपा होता है। अधिकारियों को हर फैसला लेते समय नागरिकों को केंद्र में रखना चाहिए। उन्होंने शासन को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और समावेशी बनाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने होल-ऑफ-गवर्नमेंट यानी पूरे सरकारी तंत्र के एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत बताई।

'बेनकाब हुआ पाकिस्तान का घिनौना चेहरा'

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान पर बहुत बड़ा हमला बोला है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत को युद्ध की धमकी दी थी। भारत ने इस धमकी का मुंहतोड़ जवाब दिया है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान की हालत बहुत खराब है। वह अपनी घरेलू नाकामियों को छिपाना चाहता है। वहां मानवाधिकारों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। पाकिस्तान बस दुनिया का ध्यान भटकाने के लिए ऐसी गीदड़ भभकी दे रहा है। उसका घिनौना चेहरा अब बेनकाब हो चुका है। भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का मुद्दा भी उठाया है। पीओके में इस समय सरकार के खिलाफ बड़े प्रदर्शन हो रहे हैं। पाकिस्तानी सरकार इन प्रदर्शनों को बेरहमी से कुचल रही है।

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन का कैबिनेट से इस्तीफा

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता जॉर्ज कुरियन ने मंगलवार को केंद्रीय राज्य मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वह अल्पसंख्यक कार्य, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। राज्यसभा सदस्य के रूप में उनका छह साल का कार्यकाल समाप्त हो गया है, जिसकी वजह से उन्हें यह पद छोड़ना पड़ा। राष्ट्रपति भवन से जारी एक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। जॉर्ज कुरियन मूल रूप से केरल के कोट्टायम जिले के रहने वाले हैं। वे मध्य प्रदेश से अगस्त 2024 में राज्यसभा के सदस्य के रूप में चुने गए थे। 65 वर्षीय जॉर्ज कुरियन जून 2024 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल वाले मंत्रिमंडल का हिस्सा थे।

'उद्धव के 7वें सांसद भी शिंदे-गुट में आना चाहते थे'

मुंबई। शिवसेना नेता रामदास कदम ने दावा किया है कि उद्धव गुट के छह सांसदों के अलावा एक और सांसद एकनाथ शिंदे के साथ शामिल होना चाहते थे। कदम ने मुंबई में मीडिया से बातचीत में कहा कि सातवें सांसद ने भी कागज पर साइन कर दिए थे, लेकिन उन्होंने कैबिनेट मंत्री पद की मांग रखी। एकनाथ शिंदे ने इनकार कर दिया, जिसके बाद वह वापस चले गए। हालांकि, कदम ने उस सांसद का नाम बताने से इनकार करते हुए कहा, मैं उनका नाम नहीं लूंगा, लेकिन वे उद्धव ठाकरे के बगल में बैठते हैं। सोमवार को उद्धव ठाकरे गुट यानी शिवसेना (यूबीटी) के 9 में से 6 लोकसभा सांसद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए।

ममता चुनावी हार के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट के चुनाव नतीजे को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने कोर्ट से चुनाव परिणाम की वैधता की जांच करने की मांग की है। ममता मंगलवार को खुद याचिका दाखिल करने हाईकोर्ट पहुंचीं। उन्होंने याचिका में कहा कि चुनाव गलत तरीके से हुआ है। 12 राउंड की काउंटिंग के बाद इलेक्शन एजेंट और मुझे पीटा गया और बाहर कर दिया गया। भवानीपुर सीट पर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को 15,105 वोटों से हराया था। ममता इस सीट से पहले तीन बार विधायक रह चुकी हैं। चुनाव के दौरान उन्होंने मतगणना में गड़बड़ी और अपने साथ मारपीट के आरोप भी लगाए थे।

अजजी

पश्चिमी तट पर आज पहुंचेगा मानसून

पद्म अवॉर्ड

राष्ट्रपति मुर्मू ने किया सम्मानित

रोहित शर्मा को पद्मश्री व अलका याग्निक समेत 65 हस्तियों को मिला पद्म पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में पद्म अवॉर्ड के दूसरे फेज में 65 हस्तियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में 2 पद्म विभूषण, 7 पद्म भूषण और 56 पद्मश्री दिए गए। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस केटी थॉमस को जनसेवा, सीनियर मलयालम जर्नलिस्ट पी नारायणन को साहित्य के लिए पद्म विभूषण दिया गया। झारखंड के पहले मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण दिया गया। अवॉर्ड लेने उनकी पत्नी रूपी सोरेन पहुंची। सिंगर अलका याग्निक ने अवॉर्ड लेने से पहले पीएम नरेंद्र मोदी के पैर छुए। क्रिकेटर रोहित शर्मा, एक्टर आर माधवन को पद्मश्री से नवाजा गया। पुरस्कार पाने वालों में एक्टर ममूटी और पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज भी शामिल रहे। भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता पुनिया को भी पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्होंने लंबे समय तक भारतीय महिला हॉकी टीम की रक्षा पंक्ति को मज़बूती दी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से देश का गौरव बढ़ाया। वहीं, विजय इस साल पद्म भूषण पाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। 2026 के पद्म पुस्कारों के लिए कुल 131 लोगों को चुना गया था। इससे पहले 25 मई को पहले चरण में भारतीय वुमन क्रिकेट टीम कैप्टन हरमनप्रीत कौर, एक्टर धर्मेंद्र समेत 66 हस्तियों पद्म अवॉर्ड दिए गए थे।

अवैध रूप से बने बेसमेंटों में संचालित होती है कोचिंग, शोरूम, ऑफिस तथा अन्य गतिविधियां

-बेसमेंट में ही अस्पतालों के साथ ओपीडी का भी हो रहा संचालन
-मुस्लिम क्षेत्रों में बेसमेंट में चल रहे बड़े.बड़े कारखाने

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, कानपुर। पहले दिल्ली और फिर लखनऊ में हुए अग्निकाण्ड के बाद एक बार कानपुर का प्रशासन जाग उठा हैए लेकिन प्रश्न यह उठता है कि इन अवैध बेसमेंटो का निर्माण हुआ कैसे या बेसमेंट को व्यापारिक गतिविधियों में कैसे उपयोग किया जा रहा है। यकीनन इसमें विभागीय अधिकारियों की सांठ.गांठ है। जब कोई बड़ा हादसा होता है तब महज दिखावे के लिए कुछ दिनों जांचए नोटिस का परपंच रचा जाता हैए बाद इसके होना कुछ नही। हालांकि भाजपा प्रदेश सरकार के योगी शासन में अधिकारियों पर कुछ भय तो है ही ए लेकिन फिर भी कार्यवाई कितनी होती है यह आने वाला समय ही तय होगा। वर्तमान में हजारों की संख्या में या तो अवैध बेसमेंट बने है या फिर बेसमेंटों में अवैध तरीके से व्यापारिक गतिविधियों को किया जा रहा है।

यह भारत है यहां हर किसी को आजादी मिली हुई है और कोई भी अपनी मनमानी कर सकता है और करे भी क्यों न विभागीय अधिकारिया व कर्मचारियों की मेहरबानी हो बनी रहती है। शहर में हजारों की संख्या में अवैध बेसमेंट हैए जहां कारखानेए कोचिंगए मैरिज हॉल यहां तक की अस्पताल व ओपीडी का संचालन किया जा रहा है। लखनऊ में हुए अग्निकांड में 15 लोगों की मौत के बाद केडीए अधिकारियों की नींद टूटी है और कार्यवाही के दौरान जहां कई अवैध बेसमेंट तथा उनमें होने वाली व्यापारिक गतिविधियों पर संचालकों को नोटिस जारी की गयी तो कई प्रतिष्ठानों को सील किया गया है।

. अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल

ऐसा क्यों होता है कि सब कुछ सामान्य स चल रहा होता हैए फिर कोई हादसा होता है और अचानक अधिकारी जाग जाते है। झटपट छापेमारीए जांच और कार्यवाई का दौर चलने लगता है और कुछ ही समय में फिर से सब सामान्य हो जाता है। बेसमेंट का व्यापारिक उपयोग कोई कल से नही शुरू हुआ। वर्षो से बेसमेंट में यह चल रहा है। सवाल यह उठता है कि अभी तक विभाग क्या कर रहा है। यह अवैध बेसमेंट तैयार कैसे हो गये और इन्हे व्यापार के लिए उपयोग में क्यो लाया जा रहा है।

.पूरे शहर में बने अवैध बेसमेंटो का अवैध तरीके से व्यापारी उपयोग

कानपुर नगर में एक.दो नही हजारों की संख्या में अवैध बेसमेंट बने है और उन्हे व्यापार के लिए उपयोग किया जा रहा है। कानपुर कोचिंग हब कहे जाने वाले काकादेवए गीता नगरए विनायकपुरए रोशन नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में जहां एक ओर बेसमेंट में कोचिंग का संचालन बडे पैमाने पर किया जा रहा है तो वहीं बाहर से शहर आकर पढने वाले हजारो छात्रों को रहने कल लिए चोरी छिपे घरों को हास्टल के रूप में परिवर्तित कर दिया गया और इतना नही नही घरों में बेसमेंट बनवाकर छोटे छोटे कमरे बनवा दिये गयेएजिसमें एक या दो बेड डालकर मोटी कमाई की जा रही है। पता यह भी लगा है छात्रों खाने.पीने की व्यवस्था के लिए इन्ही बेसमेंटों में रसोई का भी संचालन किया जाता है। हादसे के बाद अधिकारी मौन हैए जवाब नही दे पा रहे है लेकिन साफ समझ आता है कि बिना विभागयी सहायता के अवैध बेसमेंट न तो बन सकते है और न ही इनमें किसी प्रकार का व्यापार संचालित किया जा सकता है।

. दकानदानों ने बिना विभागीय सूचना के बनवा लिए बेसमेंटए चल रहे शो रूम

कानपुर में बड़ी बाजारों और थोक बाजारों में व्यापारियों ने अपनी सुविधा के हिसाब से काफी गहरे बेसमेंट बना लिए है। कुछ रिहाईशी क्षेत्रो और व्यापारिक क्षेत्रों में तीन.तीन मंदिर नीचे तक बेसमेंट बनाकर ऑफिस संचालित किए जा रहे है। नया गंज में जितनी बिल्डिंग ऊपर दिखाई देती है उससे कहीं ज्यादा अण्डर ग्राउण्ड बनी है।। इससे भी बडी बात कि यदि कोई हादसा होता है तो ऐसे बेसमेंट से निकलने का कोई दूसरा रास्ता नही है। शहर के गोविन्द नगर की चावला मार्केटए साकेत नगरए गुमटी नं0.5ए नवीन मर्केटए पीपीएन मार्केटए शिवालाए मेस्टनरोडए नई सडकरए बेगम गंजए चमनगंजए कलक्टर गंजए घसियारी मण्डीए भूसा टोलीए आर्य नगरए स्वरूप नगरए नया गंजए शक्कर पटटीए हूलागंजए बिराहना रोगए माल रोड सहित लगभग पूर शहर में ही अवैध बेसमेंट तथा उनमें व्यापारिक गतिविधियां की जा रही है।

. ज्यादा खतरनाक अस्पताल तथा बेसमेंट में चल रही ओपीडी

कानपुर में हजारो प्राइवेट अस्पताल है जो एक तरफ मानको के विपरीत बने तो वहीं इनमें गहरे.गहरे बने बेसमेंटो में ओपीडी तथा वार्ड का संचालन किया जा रहा है जिनमें हजारो मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इतना ही नही मरीजो के साथ रहने वाले तीमारदारो की भी इन हादसो के दैत्यो के बीच जिंदगी खतरे मे बनी रहती है। यहां इन अस्पतालों की संख्या को गिनाया नही जा सकता लेकिन कोई ऐसा अस्पताल नही जहां एक.दो खंड जमीन के नीचे न बने हो। इसके अलावा लापरवाही इतनी कि इन अस्पतालों में बाहर निकलने का रास्ता भी एक वह भी सीढियांए कुछ अस्पतालों में लिफ्ट लगी भी है तो भी यदि कोई दुघर्टना होती है जो जान हानि बडी होने से कोई नही रोक सकता।

कई होटलो में भी अवैध बेसमेंट बने है। होटलों में बेसमेंट पार्किग के लिए होता है लेकिन यहां व्यापार के लिए इनका उपयोग किया जा रहा है। जरनल गंजए काहूकोईए कर्नलगंजए गम्मू खां का हाताए नई सडकए हालसी रोड जैसी भीड.भाड ऐरिया में बेसमेंट में व्यापार किया जा रहा है। कहीं कहीं तो बडे.बडे गोदामो के रूप में बेसमेंट का उपयोग हो रहा है। कुछ भी हो लेकिन विभागीय अधिकारी आंख बंद किए रहते है। कोई मोटी रकम देकर कितना भी गलत काम कर सकता है। अब देखना यह है कि योगी सरकार में अधिकारियों के कितने पेंच कसे जाते है और शहर के इन अवैध बेसमेटों पर कितनी कार्यवाई की जाती है।

कचरा चार श्रेणियों में अलग करना होगा, बल्क वेस्ट जेनरेटरों की जिम्मेदारियां तय-जिलाधिकारी

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम.2026 लागू करने की तैयारी तेज

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
कानपुर । सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम.2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के क्रम में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषयक एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी श्री जितेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण तथा नियमों का शत.प्रतिशत अनुपालन आवश्यक है। उन्होंने नगर निगम सहित संबंधित विभागोंए संस्थानों एवं बल्क वेस्ट जेनरेटरों को निर्धारित दायित्वों का प्रभावी निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ।

जिलाधिकारी ने कहा कि अब कचरे का निस्तारण केवल नगर निकायों की जिम्मेदारी नहीं रहेगा। बड़े संस्थानोंए होटलए अस्पतालए औद्योगिक इकाइयों तथा आवासीय परिसरों को भी अपने यहां उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन की जिम्मेदारी निभानी होगी। उक्त व्यवस्था को लागू करने के संबंध में जिलाधिकारी ने नगर निगम को निर्देशित किया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम.2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कूड़ा संग्रहण एवं निस्तारण की वर्तमान व्यवस्था का विस्तृत परीक्षण कर कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि गीलेए सूखेए स्वच्छता संबंधी तथा घरेलू खतरनाक अपशिष्ट के पृथक.पृथक संग्रहण के लिए आवश्यक संसाधनोंए वाहनों एवं डस्टबिनों की व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए चरणबद्ध रूप से नई प्रणाली लागू की जाएए ताकि स्रोत स्तर पर कचरे के पृथक्करण को बढ़ावा मिले तथा वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

स्रोत पर पृथक्करण से ही सफल होगा अपशिष्ट प्रबंधन

डीएम ने कहा कि वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन की शुरुआत घरोंए संस्थानों और प्रतिष्ठानों में कचरे के पृथक्करण से होती है। यदि कचरे को स्रोत स्तर पर अलग.अलग नहीं किया जाएगा तो उसका प्रभावी निस्तारण और पुनर्चक्रण संभव नहीं होगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागोंए संस्थानों और नागरिकों से नियमों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की।

चार रंग के डस्टबिन, चार प्रकार के अपशिष्ट

कार्यशाला में बताया गया कि अब कचरे को चार श्रेणियों में अलग करना होगा। हरे डस्टबिन में गीला कचरा जैसे रसोई का अपशिष्टए फल.सब्जियों के छिलकेए बचा हुआ भोजनए फूल एवं मांस संबंधी अपशिष्ट रखे जाएंगे। नीले डस्टबिन में प्लास्टिकए कागजए धातुए कांचए लकड़ी और रबर जैसे पुनर्चक्रण योग्य सूखे कचरे को रखा जाएगा। लाल डस्टबिन स्वच्छता संबंधी अपशिष्ट जैसे प्रयुक्त डायपरए सैनिटरी पैड और अन्य स्वच्छता उत्पादों के लिए निर्धारित किया गया है। काले डस्टबिन में बैटरीए बल्बए पेंट के डिब्बेए मरकरी युक्त उपकरण और एक्सपायर दवाइयों जैसे घरेलू खतरनाक अपशिष्ट रखे जाएंगे।

किन्हें माना जाएगा बल्क वेस्ट जेनरेटर

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी अजीत कुमार सुमन ने बताया कि जिन परिसरों का क्षेत्रफल 20 हजार वर्गमीटर या उससे अधिक हैए जहां प्रतिदिन 40 केएलडी या उससे अधिक पानी की खपत होती है अथवा प्रतिदिन 100 किलोग्राम या उससे अधिक ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता हैए उन्हें बल्क वेस्ट जेनरेटर माना जाएगा।

पंजीकरण और वार्षिक रिपोर्ट अनिवार्य

उन्होंने बताया कि ऐसे सभी संस्थानों के लिए पोर्टल पर पंजीकरण कराना और प्रत्येक वर्ष 30 जून तक वार्षिक विवरणी देना अनिवार्य होगा। गीले कचरे का निस्तारण परिसर में ही कम्पोस्टिंग अथवा बायोमीथनेशन के माध्यम से करना होगा। साथ ही सूखे और स्वच्छता संबंधी अपशिष्ट को अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से ही निस्तारित किया जा सकेगा। नियमों के उल्लंघन पर पर्यावरणीय प्रतिकर की कार्रवाई का भी प्रावधान है।

ऑनलाइन मॉनिटरिंग और संसाधन पुनर्प्राप्ति पर भी चर्चा

कार्यशाला में ऑनलाइन ट्रैकिंग एवं मॉनिटरिंगए आरडीएफ ;रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूलद्धए संसाधन पुनर्प्राप्तिए पर्यावरणीय प्रतिकर तथा सतत अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े प्रावधानों की भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी अजीत कुमार सुमनए जल निगम ;ग्रामीणद्ध के वैभव श्रीवास्तवए नगर निगम के जोनल अधिकारीगणए जटेटा के रिजवान नदरीए इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के मनोज बांकाए रूमा एसोसिएशन के प्रवीण सुरानाए लैंडमार्क होटल के प्रबंधक अभिनव शुक्लाए ब्लू वर्ल्ड के प्रदीप मिश्रा सहित विभिन्न संस्थानोंए औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केडीए का एक्शनए बेसमेंट में संचालित 32 कोचिंग सील सचिव बोलेण् अभियान जारी रहेगा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
कानपुर । लखनऊ में हुए भीषण अग्निकांड के बाद कानपुर विकास प्राधिकरण पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। मंगलवार को दूसरे दिन भी केडीए के प्रवर्तन दस्ते ने काकादेव की कोचिंग मंडी में मानकों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

केडीए सचिव अभय कुमार पांडे के नेतृत्व में टीम ने उन सभी कोचिंग संस्थानों को सील कर दियाए जो बिना सुरक्षा मानकों के बेसमेंट में संचालित हो रहे थे। जैसे ही केडीए की टीम काकादेव पहुंचीए पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। टीम ने मानकों को ताक पर रखकर बेसमेंट में चलाई जा रही कोचिंग संस्थाओं को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। कार्रवाई की आहट मिलते ही कई कोचिंग संचालक अपने संस्थान बंद करके मौके से भाग खड़े हुए। केडीए सचिव अभय कुमार पांडे ने बताया कि यह अभियान अभी थमेगा नहीं। उन्होंने जानकारी दी कि अब तक शहर के अलग.अलग इलाकों में कुल 32 अवैध निर्माण और बेसमेंट में चल रहे कोचिंग संस्थानों को सील किया जा चुका है। शहर के अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह का सघन अभियान जारी रहेगा। कार्यवाही में विशेष कार्याधिकारी बृजेन्द्र उपाध्यायए सत शुक्लाए रवि प्रताप सिंहए सहायक अभियन्ता अतुल कुमार रायए संदीप मोदनवालए सीबी पाण्डेयए अवर अभियन्ता अमर नाथ यादवए रमाकान्तए हिमांशु बर्नवालए अर्पण सिंहए अटल चतुर्वेदी शामिल रहें।

लखनऊ कोचिंग अग्निकांड में मृतक विद्यार्थियों को श्रद्धा सुमन किए गए अर्पित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
कानपुर । महानगर कांग्रेस के तत्वाधान में स्वर्गीय संजय गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके योगदान को स्मरण किया।साथ ही सभी कांग्रेसजनों ने लखनऊ कोचिंग अग्निकांड के जान गंवाने वाले विद्यार्थियों के लिए भी शोक प्रार्थना करी।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि संजय गांधी ने युवाओं को राजनीति और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का कार्य किया। उनके विचार और जनसेवा के प्रति समर्पण आज भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रेरणा प्रदान करते हैं।उनके पांच सूत्रीय कार्यक्रम आज भी प्रासंगिक हैं।सब ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।पूर्व अध्यक्ष हरिप्रकाश अग्निहोत्री ने कहा कि संजय गांधी के लिए विरोधियों ने भ्रामक कहानियां फैलाई। इस दौरान अध्यक्ष पवन गुप्ताएहरप्रकाश अग्निहोत्रीएसंजय शाहए शंकर दत्त मिश्राबृजभान रायएआनंद शुक्लाएविनय पांडेएमनोज दुबेएरवि बाजपईएधर्मेंद्र सिंहएविनोद अवस्थीएशिव शंकर चौरसियाएचंद्र मणि मिश्राएमहपारा बेगमएरमणीक चतुर्वेदीएजीतेंद्र ब्रह्मएराजेश सविता उपस्थित रहे।

किसानों को किण्वित जैविक खाद के प्रयोग हेतु किया जागरूक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ;एफओएमद्ध किण्वित जैविक खाद योजना अंतर्गत किण्वित जैविक खाद के प्रयोग हेतु किसानों को मिट्टी की उर्वरता और फसल की गुणवत्ता सुधारने के लिए विकासखंड मैथा के गांव गणेशपुर में जागरूक किया। मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि यह खाद बायोगैस संयंत्रों से प्राप्त उपोत्पाद है। जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा बढ़ाता है। उन्होंने बताया कि इस जैविक खाद के प्रयोग से मिट्टी का स्वास्थ्य सुधरता है और उसकी जल धारण क्षमता बढ़ती है।कृषकों को अंधाधुंध यूरिया और डीएपी के उपयोग को कम करने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है। डॉ खलील खान ने बताया कि इसके नियमित उपयोग से फसल उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ती है।जिससे किसानों को बाज़ार में उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होता है। यह खाद रसायनों से मुक्त होती हैए जिससे भूमि का प्रदूषण रुकता है और उपभोक्ताओं का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसान भाइयों को पशु प्रबंधन तथा दुग्ध उत्पादन विषय पर भी जानकारी दीएउन्होंने किसानों को खेतों में गोबर की सड़ी हुई खाद प्रयोग पर बल दिया।इस कार्यक्रम में गांव के अमर सिंहए रमेश चंद्रए पुष्पेंद्र कुमारए अमरेश कुमार एवं राम स्वरूप सहित साठ से अधिक किसान उपस्थित रहे ।

आरपीएफ दरोगा के साहस और चेतना ने बचाई युवक की जान

-चलती ट्रेन से उतरने वाले युवक का पैर फिसलाए आने ही वाला था ट्रेन के नीचे
-पांच सेकेंड में दरोगा ने युवक का हाथ पकड़ कर खींचाए अन्यथा मौत थी तय

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
कानपुर । एक आरपीएफ दरोगा के साहस और उसकी बुद्धि चेतना के चलने एक युवक की उस समय जान बच सकीए जब युवक चलती ट्रेन से नीचे उतरने के प्रयास से लडखडा गया और गिर गया। ट्रेन गेट के ग्रील को पकडे युवक पहले तो घसिटा फिर ट्रेन के नीचे फंसने ही वला था कि वहां खडे आरपीएफ दरोगा ने एक झटके में युवक को पकड कर खींच लिया जिससे उसकी जान बच गयी। मारने वाले से बचाने वाला महान होता है यह कहावत तो अपने ने सुनी ही होगीए लेकिन कानपुर सेंट्रल में एक युवक की जान बचाने वाला एक आरपीएफ दरोगा था। चलती ट्रेन से उतरते युवक के गिरने और ट्रेन की चपेट में आने से पहले महज पांच सेकेण्ड में एक दरोगा ने युवक को पकड कर खींच लिया जिससे उसकी जान बच गयी। उसकी इस जांबाजी से उपस्थित लोगों ने ताली बजार उनकी तारीफ की। गाडी संख्या 12382 के प्लेटफार्म पर आते ही युवक ने चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास किया था। यह तो अच्छा था कि रेलवे सुरक्षा बल के उपनिरीक्षक अनिल कुमार गौतम की तत्काल प्रयास से युवक की जान बचीए अन्यथा बडा हादसा हो सकता था। घटना की रिकार्डिंग प्लेटफार्म पर लगे सीसी टीवी कैमरे में रिकार्ड हो गयी। रेलवे अधिकारियों ने दरोगा की तारीफ करते हुए कहा कि यह सारी घटना महज पांच सेकेण्ड मं हुईए लेकिन अनिल कुमार की बुद्धिमतता के चलते युवक की जान बच सकी। वहीं यात्रियों से अपील भी की गयीए कि इस प्रकार से ट्रेन में चढने तथा उतरने का प्रयास जान को जोखिम में डालना हो सकता है। ट्रेन के प्लेटफार्म पर पूरी तरह रूकने के बाद ही यात्री चढने व उतरने का काम करे और सावधानी बरतें ताकि कोई अप्रीय घटना न घट सके।

जर्जर इमारत गिराने की स्थानीय लोगों ने प्रशासन से लगाई गुहार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
कानपुर। लखनऊ अग्निकांड में 15 की मौत से पूरै प्रदेश में शोक की लहर है। शहर.शहर सर्वे छ्ल रहे कि बेसमेंटों की जांच में प्रशासन के सभी विभाग तत्परता दिखाई रहे हैं। केडीए घटना के बाद सै सक्रिय हैं। कोचिंग मण्डी में सीलिंग की कार्रवाई जारी है। नगर निगम अभी तक कार्रवाई के नाम पर योजना में ही बना रहा है हालिया मामला मेस्टन रोड़ में जर्जर भवन संख्या 43घ्222 का प्रकाश में आया है।

नगर निगम ने वर्ष 2018 में ही इमारत को खतरनाक घोषित करते हुए इसे गिराने का आदेश दिया था। उच्च अधिकारियों के आदेश के अनुपालन में म0नंब.43घ्222 मेस्टन रोड का स्थलीय निरीक्षण किया गया। भवन में वर्तमान में अध्यासी ध् किरायेदार निवास कर रहे हैं। भवन प्रथम एवं ग्राउण्ड फ्लोर में निर्मित है। भवन को सुरक्षित कराये जाने हेतु नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 331 ;1द्ध के अन्तर्गत भवन स्वामी एवं अध्यासी को नोटिस निर्गत की। अब वर्ष 2026 मेंए यह इमारत फिर से चर्चा में है। स्थानीय लोगों ने इसे अत्यंत जर्जर और गिरहर बताया है। स्थानीय निवासियों ने जिला मजिस्ट्रेट और नगर निगम से अपील की है कि वे जल्द से जल्द इस खतरनाक इमारत को सुरक्षित तरीके से गिरवाएंए ताकि जान.माल के किसी भी बड़े नुकसान को टाला जा सके।

जानकारी के अनुसारए नगर निगम के अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया है और इसके गिराये जाने की स्थिति के रास्ते को सुरक्षित बनाने और इसे गिराने के लिए कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। फिलहालए इस इमारत को श्चेतावनीश् बोर्ड लगाकर खतरनाक घोषित किया गया हैए और प्रशासन द्वारा कार्रवाई की प्रतीक्षा की जा रही है।

आरटीओ कार्यालय में नहीं है फायर सेफ्टी सिस्टमए बड़ी अनहोनी को आमंत्रण

-सारथी लाइसेंस भवन में वर्ष 2023 में लगे थे सिर्फ दो उपकरणए जो नाकाफी
-लखनऊ अग्निकांड के बाद जागे परिवहन आयुक्तए मण्डल से मांगी विस्तृत रिपोर्ट

कानपुर। लखनऊ के एक संस्थान में हुए भयानक अग्निकांड में 15 छात्रों की दर्दनाक मौत के बाद परिवहन विभाग की नींद टूटी है। परिवहन विभाग के मुखियाए परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन के सख्त निर्देश के बाद अब प्रदेश भर के परिवहन कार्यालयों में अग्नि सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा की जा रही है। आदेश मिलते ही कानपुर के संभागीय परिवहन अधिकारी ;आरटीओद्ध प्रशासनए राकेंद्र कुमार सिंह ने तत्काल मण्डल के 6 जिलों के अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक कर अग्निशमन यंत्रों की स्थिति की जानकारी तलब की है।

कानपुर आरटीओ सुरक्षा के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति

कानपुर संभागीय परिवहन कार्यालय ;आरटीओद्ध परिसर की जमीनी हकीकत बेहद चौंकाने वाली है। यहाँ न तो कोई आधुनिक फायर फाइटिंग सिस्टम लगा है और न ही आपातकाल के लिए कोई फायर अलार्म। कई अधिकारी आए और गएए लेकिन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किसी ने नहीं किए। कागजों में सुरक्षा वर्ष 2023 में सारथी लाइसेंस भवन में महज दो अग्निशमन उपकरण टांगे गए थेए जो इस विशाल परिसर और यहाँ आने वाली भीड़ के लिहाज से ऊंट के मुंह में जीरे के समान हैं। अगर यहाँ कोई बड़ी दुर्घटना होती हैए तो इसकी जिम्मेदारी किस पर होगी घ्

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे समीक्षा बैठक

अग्नि सुरक्षा के इस बेहद संवेदनशील मामले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं गंभीर हैं। वे 5 कालिदास मार्ग स्थित सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक में सभी सरकारी विभागों से अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धताए उनके रख.रखाव और वर्किंग कंडीशन की विस्तृत रिपोर्ट तलब की जाएगी।

क्या कहता है नेशनल बिल्डिंग कोड ;एनबीसीद्ध का नियम

एनबीसी के नियमानुसारए किसी भी सार्वजनिक या सरकारी कार्यालय में आग से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए। आरटीओ कार्यालय में रोजाना सैकड़ों लोग अपने काम के लिए आते हैंए साथ ही यहाँ भारी मात्रा में गाड़ियों और लाइसेंस से जुड़े कागजी रिकॉर्ड ;फाइलेंद्ध मौजूद रहते हैं। नियमों के मुताबिकए यहाँ निम्नलिखित व्यवस्थाएं होना अनिवार्य है जिसमें फायर एनओसीए अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्रए फायर अलार्म व हाइड्रेंट पूरे परिसर में चालू हालत में अलार्म और पानी की बौछार वाले हाइड्रेंट सिस्टमए प्रशिक्षित स्टाफ आपात स्थिति में उपकरणों को चलाने के लिए कार्यालय के कर्मियों का प्रशिक्षित होना। वैधता लगे हुए सिलेंडरों की नियमित रीफिलिंग और उनकी एक्सपायरी डेट दुरुस्त होना।

उप परिवहन आयुक्तों से मांगा गया डेटा

परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन ने प्रदेश भर के सभी उप परिवहन आयुक्तों को निर्देश जारी कर उनके क्षेत्रों के अधीन संचालित सभी विभागीय परियोजनाओं की रिपोर्ट मांगी है। इनमें आईडीटीआरए डीटीटीआईए एटीएमए एडीटीसी शामिल हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि इन केंद्रों पर लगे फायर उपकरणों की वर्तमान स्थिति क्या हैए इसकी विस्तृत रिपोर्ट तुरंत प्रस्तुत की जाए।

केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में अग्रणी

उत्तर प्रदेश

केंद्र सरकार के 12 वर्षों की विकास यात्रा का सबसे सशक्त उत्तर प्रदेश है, कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कागजों में सीमित नहीं रहा, बल्कि धरातल पर करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लेकर आया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने समाज के वंचित, गरीब और हाशिये पर खड़े लोगों के उत्थान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। चाहे गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराना हो, हर परिवार को पक्का आवास देना हो, घर-घर नल से जल पहुंचाना हो, शौचालय निर्माण के जरिए गरिमा और स्वच्छता सुनिश्चित करनी हो या फिर बैंकिंग सुविधाओं से अंतिम व्यक्ति को जोड़ना हो, यूपी ने हर क्षेत्र में देश के लिए मिसाल कायम की है।

प्रगति पथ@ 12 वर्ष

विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना

देश भर में
81.35 करोड़ +
लोगों को हर माह नि:शुल्क राशन वितरित

उत्तर प्रदेश में
3.63 करोड़ +
राशनकार्ड धारक लाभार्थी परिवार
लगभग 15 करोड़ लाभार्थियों को नि:शुल्क राशन वितरण का सीधा लाभ

यह योजना दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य सुरक्षा योजना है, जिसमें 80 करोड़ से अधिक जरूरतमंद नागरिकों (अंत्योदय अन्न योजना और प्राथमिकता प्राप्त परिवार) को प्रतिमाह प्रति व्यक्ति 5 किलोग्राम मुफ्त अनाज (चावल/गेहूं) दिया जाता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना

देश भर में
5.37 करोड़
से अधिक आवास आवंटित

उत्तर प्रदेश में
62 लाख +
परिवारों का आवास आवंटित
62 लाख से अधिक आवासों में अधिकांश महिलाओं के नाम पर

हर परिवार को अपना खुद का घर उपलब्ध कराने के लिए यह योजना चल रही है। आवास योजना का लाभ बेघर लोगों के साथ ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों के लाभार्थियों को मिल रहा है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

देश भर में
11 करोड़ + किसान लाभान्वित
चिह्नित किसानों को प्रति वर्ष 3 किस्तों में 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता

उत्तर प्रदेश में
3.12 करोड़
से अधिक किसान लाभान्वित
योजना में अब 99 हजार करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित

किसानों को योजना के तहत खाद, बीज व अन्य कृषि कार्यों के लिए सालाना 6 हजार रुपये उनके खातों में भेजी जाती है। इस राशि को 2 हजार की तीन किस्तों में 4 महिनों के अंतराल पर दी जाती है।

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना

देश भर में
45 करोड़ + लाभान्वित,
चिह्नित गरीब परिवारों को सालाना 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क इलाज

उत्तर प्रदेश में
5.59 करोड़ +
लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड जारी
प्रदेश में 9 करोड़ से अधिक लोगों 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क चिकित्सा कवच

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यह योजना है। पूरे देश में आयुष्मान कार्ड बनाने में यूपी अग्रणी राज्य है। प्रदेश के पात्र लाभार्थियों को लाभ देने के लिए अधिकतम अस्पतालों को जोड़ा गया है।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना

देश भर में
70 लाख +
स्ट्रीट वेंडर्स लाभान्वित

उत्तर प्रदेश में
15.31 लाख +
स्ट्रीट वेंडर्स लाभान्वित
स्वनिधि योजना से प्रदेश के रेहड़ी और पटरी वालों को मिला आर्थिक बल

इस योजना का उद्देश्य स्ट्रीट वेंडरों को बिना किसी गारंटी के पूंजी ऋण की सुविधा प्रदान करता है। इस योजना में जो लोन मिलता है, उसे समय से पहले चुकाने पर 7 फीसदी सब्सिडी मिलती है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

देश भर में
26 लाख + परिवार लाभान्वित
योजना में अब तक 14,771 करोड़ रुपये अधिक की केंद्रीय वित्तीय सहायता

उत्तर प्रदेश में
9.95 लाख + परिवारों का मुफ्त सूर्य घर योजना में आवेदन
योजना के तहत अब तक 5.60 लाख से अधिक घरों में सोलर पैनल इंस्टॉलेशन

यह योजना केंद्र सरकार की प्रमुख योजना है, जो रूफटॉप सोलर लगाने पर सब्सिडी देती है। इसका उद्देश्य 1 करोड़ घरों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना है।

1 उत्तर प्रदेश

समृद्ध भारत का नंबर वन प्रदेश

विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार

ADVERTORIAL

खबर एक नजर

क्रैक हुए ओवरब्रिज की स्लैब की मरम्मत का काम हुआ शुरू

मशीन गर्म होने से केवल रात में होगी कटिंग इसके बाद ढाली जाएगी स्लैब

घाटमपुर। कस्बे में ओवरब्रिज की धंसी छत काटने का काम सोमवार की रात से शुरू कर दिया गया है। कार्यदाई संस्था की माने तो बीमों की बीच की पूरी छत काटने में करीब चार दिन का समय लगेगा। इसके बाद शटरिंग लगाकर स्लैब ढाली जाएगी। स्लैब डालने के बाद इसके पकने में 10 दिन का समय लगेगा। इस सब में कम से कम 20 दिन का समय लग सकता है तब तक ओवरब्रिज से आवागमन बंद रहेगा। कानपुर सागर हाइवे पर चार साल पहले 46 करोड़ से बने ओवरब्रिज की छत का स्लैब रविवार को धंस कर गड्ढा होने के साथ नीचे छत का स्लैब उखड़ने से सरियों का जाल खुल गया है। समय से लोगों द्वारा देख लिए जाने से कोई बड़ा हादसा होने से बच गया था। इसके बाद सूचना एनएचएआई के अधिकारियों को दी गई थी। जिसकी सूचना मिलने पर एनएचएआई के परियोजना निदेशक ने टेक्निकल टीम के साथ निरीक्षण करने के बाद पुल से आवागमन बंद करा दिया था। सोमवार की रात पहुंची पीएनसी की टीम ने स्लैब काटना शुरू किया। टीम के लखनऊ से आए स्ट्रकर फोर मैन अशरफ व राजस्थान के करौली से आए दिनेश चंद मीणा ने बताया कि चारों ओर की बीमों के बीच की स्लैब काटी जाएगी। गर्मी में तोड़ने वाली मशीन हीट होने से केवल रात में ही कटिंग की जाएगी। बताया कि कटिंग में चार दिन का समय लगेगा। इसके बाद एक दिन शटरिंग में लगेगा

फतेपुर में राशन दुकान चयन पर गहराया विवाद

ग्रामीणों ने सीएम से लगाई गुहार

ककवन बिल्हौर तहसील के ककवन विकास खंड की ग्राम पंचायत फत्तेपुर में उचित दर विक्रेता राशन दुकान के चयन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर मामले की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि खुली बैठक में बहुमत से चयनित स्वयं सहायता समूह को अब तक राशन दुकान आवंटित नहीं की गई। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत की राशन दुकान रिक्त होने के बाद इसे अस्थायी रूप से ककवन के कोटेदार प्रदीप कुमार मिश्रा की दुकान से संबद्ध कर दिया गया। यह दुकान गांव से लगभग आठ किलोमीटर दूर स्थित है जिससे कार्डधारकों को राशन लेने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि खंड विकास अधिकारी ककवन द्वारा 18 मई 2026 को विज्ञप्ति जारी की गई थी। इसके बाद 1 जून को ग्राम सभा में खुली बैठक आयोजित की गई जिसमें एडीओ पंचायत पुलिस प्रशासन ग्राम प्रधान एवं अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में चयन प्रक्रिया पूरी हुई। चयन प्रक्रिया के दौरान भोले बाबा स्वयं सहायता समूह की राजिया और जय गुरुदेव स्वयं सहायता समूह की शशि देवी ने आवेदन किया था। कुल 757 लाभार्थियों ने मतदान में भाग लिया। मतगणना में राजिया को 413 मत मिलए जबकि शशि देवी को 344 मत प्राप्त हुए। इस तरह राजिया 69 मतों की बढ़त के साथ विजई घोषित की गई। ग्रामीणों का कहना है कि बैठक के बाद तैयार प्रस्ताव बीडीओ ककवन को सौंपा गया जिसे उपजिलाधिकारी बिल्हौर के माध्यम से पूर्ति निरीक्षक के पास भेजा गया। लेकिन कई सप्ताह बीत जाने के बावजूद प्रस्ताव पर अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर चयनित समूह को शीघ्र राशन दुकान आवंटित की जाए।

ककवन पुलिस ने लूट के आरोपी को किया गिरफ्तार

ककवन। कानपुर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना ककवन पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने लूट के मामले में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटी गई रकम में से 1700 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त पश्चिम अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिम तथा सहायक पुलिस आयुक्त बिल्हौर के निर्देशन में ककवन के थानाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह राजपूत के नेतृत्व में गठित टीम ने दबिश देकर अभियुक्त अरुण पुत्र रामपाल उर्फ मीरा निवासी दौलतपुर थाना ठठिया जनपद कन्नौज को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी को रसूलाबाद.मकनपुर रोड स्थित नीचे चौकी क्षेत्र विषधन थाना ककवन से सोमवार सुबह करीब 10 बजे गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से लूट की वारदात से संबंधित 1700 रुपये नकद बरामद हुए। ककवन पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को माननीय न्यायालय माती कानपुर देहात में पेश किया जहां से रिमांड प्राप्त होने के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

पति से विवाद होने से नाराज महिला सिपाही ने चूड़ी पीसकर पिया

घाटमपुर। थाना घाटमपुर में तैनात एक महिला सिपाही ने पति से विवाद के बाद थाने में चूड़ी पीसकर पी ली। हालत बिगड़ने पर साथी सिपाहियों ने आनन फानन इलाज केलिए सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने उनकी गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। थाने में तैनात महिला सिपाही प्रियंका चौधरी ने बताया कि उनके पति संतोष मेरठ पुलिस में सिपाही के पद पर कार्यरत हैं। सोमवार देर शाम वह घाटमपुर आए थे। इस दौरान दोनों के बीच कहासुनी के बाद विवाद हो गया। जिससे गुस्साकर पति वापस लौट गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार रोज की तरह महिला सिपाही प्रियंका थाने में ड्यूटी कर रही थी तभी फोन पर पति से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। उसके बाद सिपाही ने चूड़ियां पीसकर पी लिया। साथी सिपाहियों ने हालात बिगड़ते देखा तो आनन फानन उसे घाटमपुर सीएचसी लेकर पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उसे गंभीर हालत में कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि महिला सिपाही को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया है। पति से किसी बात को लेकर कहासुनी और विवाद होने की बात सामने आई है।

कर्बला के शहीदों की याद में निकला पलंग का जुलूस, छलके आंसू

कजियाना वार्ड से उठा पलंग का जुलूस परम्परागत मार्गो से होता हुआ तहसील परिसर में बने इमामबाड़े में पहुंचाए जहां हुआ खेल का प्रदर्शन

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो)

घाटमपुर। कर्बला में हजरत हसन व हुसैन की शहादत की याद में मंगलवार को पलंग का जुलूस दुल दुल के साथ नगर के प्रमुख व परंपरागत मार्गो से मातमी धुनों व गमगीन माहौल में निकाला गया।जुलूस के तहसील परिसर में बने इमामबाड़े में पहुंचने पर वहां पहले से मौजूद अकीदत मंदों द्वारा स्वागत के साथ फातेहा पढ़ने के बाद कर्बला में में हुई जंग के खेल का प्रदर्शन किया गया।नगर के कजियाना वार्ड से मोहर्रम के खलीफा जफरुल्लाह उर्फ मुन्ना व खलीफा वली मोहम्मदएअतू खलीफा एखलीफा जन्मेंजय गोस्वामी, खलीफा मुन्ना गोस्वामी की अगुवाई में उठा पलंग का जुलूस दुलदुल घोड़ी व भीड़ के साथ पंपरागत मार्गो व बीच में पड़ने वाले इमाम बाड़ों से होता हुआ मातमी धुनों के बीच तहसील परिसर स्थित इमामबाड़े में पहुंचा।जहां पहले से मौजूद दोनो समुदाय के लोगों ने खलीफाओं का स्वागत कर अकीदत पेश की। इस दौरान मैदान कर्बला में हुई जंग की याद में चल रहे अखाड़े में शामिल युवाओं ने जगह जगह खेल का प्रदर्शन भी किया।तहसील से पलंग का जुलूस परंपरागत मार्गो से होता हुआ वापस कजियाना वार्ड में खलीफा के आवास के पास इमाम बाड़े में पहुंच कर समाप्त हुआ।जुलूस के साथ अखाड़े के मैनेजर निसार खानएसभासद गुड्डू पठानए सभासद तकी हैदर व शफीक राइनए सगीर अंसारी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे। जुलूस के दौरान मय फोर्स ने के कस्बा चौकी प्रभारी शैलेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे।

पतारा में पुलिस ने बन्द कमरे का दरवाजा तोड़कर निकाला शव

कमरे से दुर्गन्ध निकलने पर दुकानदारों को शंका हुई तो उन्होंने खिड़की से अंदर झांक कर देखा

घाटमपुर। पतारा कस्बे में पुलिस चौकी रोड पर बनी मार्केट के ऊपर अकेले रहने वाले एक बुजुर्ग की बन्द कमरे में बेड पर पड़ी लाश देख दुकानदारों के बीच हलचल मच गई। खबर मिलने पर पहुंची पुलिस को दरवाजा तोड़कर लाश बाहर निकलनी पड़ी। बताया जाता है कि पतारा कस्बा निवासी रामकुमार जायसवाल उर्फ पापोली 60 पुत्र स्व0 मुरारी जायसवाल पुलिस चौकी रोड पतारा मे अपनी मार्केट के ऊपर एक कमरे मे अकेले रहते थे।बीते कई दिन से वह कमरे से बाहर नहीं निकले रहे थे। मंगलवार की सुबह कमरे से दुर्गन्ध निकलने पर नीचे किराये के दुकानदारों को शंका हुई तो ऊपर जाकर कमरे मे खिड़की से झांक कर देखा तो वह के कमरे के अंदर मरे पड़े थे। जिनकी लाश पूरी तरह सड़ व गल रही थी। किरायदारों ने बताया कि मृतक कि पत्नी राजरानी व एक पुत्री एलिसा अपने मायके कानपुर मे बीते कई वर्षो से रहती थी। घटना कि जानकारी होने पर पत्नी मौके पर आयी। जहां पति का शव देख उनकी हालत बिगड़ गई।मृतक के साले बाबूराम जायसवाल पुत्र स्व शायमलाल जायसवाल ने पुलिस को शव पीएम कराने कि तहरीर दी

एडीसीपी ट्रैफिक ने देखी लगने वाले जाम की समस्या

ऽएनाउंस कराकर सर्विस लेन में वाहन न खड़े करने को कहा गयाए सर्विस रोड़ से वाहनों के गुजरने पर 24 घंटे लग रहा जाम

घाटमपुर।ओवरब्रिज की स्लैब धंसने से आवागमन बंद होने के बाद से सर्विस लेन से भारी वाहनों के गुजरने के चलते दोनो ओर कई किमी तक 24 घंटे जाम का सिलसिला शुरू हो गया है। जिसे देखते हुए मंगलवार को एडीसीपी ट्रैफिक कपिल देव ने पहुंचकर जाम खत्म करने को लेकर डायवर्जन समेत अन्य विकल्पों पर विचार विमर्श किया। इसके साथ ही सर्विस लेन पर किनारे वाहन खड़े करने वालों को अनाउंस कर हिदायत भी दी गई।कस्बा पहुंचे कानपुर एडीसीपी ट्रैफिक ने पीएनसी कर्मियों से ओवरब्रिज के मरम्मत काम में लगने वाले समय के बारे में की। इसके बाद रोजा लगने वाले जाम से लोगों को बचाने के लिए एडीसीपी ने भारी वाहनों को हमीरपुर से जोहलुपुर मोड़ की ओर डायवर्जन करने का प्लान तैयार किया। इसके साथ खाली वाहनों को रामादेवी से फतेहपुर की ओर होते हुए परास मोड़ से अनूपुर मोड़ होते हुए निकालने की रूप रेखा तैयार की। जिससे ओवरब्रिज बंद होने से रोजाना लगने वाले जाम से लोगों को निजात मिल सके। इसके साथ उन्होंने पुलिस कर्मियों को हाइवे किनारे खड़े वाहनों को अनाउंस करके हटवाने को कहा है। ट्रैफिक एडीसीपी ने बताया कि हाइवे को जाम से निजात दिलाने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन का प्लान तैयार किया गया है। जिसे उच्चाधिकारियों को भेजा जाएगा।

राजकीय जिला पुस्तकालय हमीरपुर

नीलामी सूचना

पत्रांक: 75–76/2026–27/ दिनांक 23.06.2026

विषय: राजकीय जिला पुस्तकालय, हमीरपुर में अनुपयोगी कबाड़ सामग्री की खुली नीलामी के संबंध में।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय जिला पुस्तकालय, हमीरपुर के परिसर में रखी हुई पुरानी अनुपयोगी सामग्री, रद्दी समाचार पत्र, कम्प्यूटर सामग्री, टूटे हुए लोहे के फर्नीचर और अन्य कबाड़ सामान की खुली नीलामी की जानी है। इस नीलामी से संबंधित मुख्य विवरण निम्नानुसार है। नीलामी का स्थान: राजकीय जिला पुस्तकालय, हमीरपुर। नीलामी की तिथि– 25.06.2026 नीलामी का समय: पूर्वाह्न 12.00 बजे से।

जिला पुस्तकालयाध्यक्ष हमीरपुर (उ.प्र.)

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी तेलियानी, फतेहपुर

पत्रांक 844/रा०वि०/2026–27 दिनांक 23.06.2026

अति अल्पकालीन निविदा सूचना /2026–27

विकास खण्ड तेलियानी फतेहपुर के अन्तर्गत वर्ष 2026–27 में पन्द्रहवां वित्त आयोग एवं पंचम वित्त (टाइड/अनटाइड) योजना में स्वीकृत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु पंजीकृत ठेकेदारों के द्वारा कार्य कराये जाने हेतु निविदाएं विकास खण्ड तेलियानी मे दिनांक 24.06. 2026 से 02.07.2026 को दो बजे तक आमंत्रित की जाती है। उसी दिन तीन बजे अपरान्ह में गठित समिति एवं उपस्थित निविदा दाताओं/उनके प्रतिनिधियों के समक्ष विकास खण्ड कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 24.06.2026 से 02.07.2026 तक किसी भी कार्यदिवस में प्रातः 10.00 बजे से अपरान्ह 2.00 बजे तक खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय से मु० 590/– रू० मात्र नकद जमाकर प्राप्त किये जा सकते है।

प्रस्तावित कार्य का विवरण निम्नवत् है–

क्र० सं०	योजना का नाम	कार्य का नाम स्थल विवरण	प्रक्कलन में लागत लाख रू. में	एफ०डी० आर.	निविदा मूल्य	कार्यावधि
1	2	3	4	5	6	7
1	पन्द्रहवां/पंचम वित्त आयोग	ग्राम पंचायत नसीरपुर बेलवारा में गंगा सागर के घर से बीरेन्द्र पटेल के घर की पुलिया तथा नाला निर्माण कार्य।	9.93	20000	590	3 माह

नियम एवं शर्ते– 1. निर्धारित मात्रा में मानकीय श्रेष्ठ गुणवत्ता वाली की आपूर्ति कार्यस्थल पर निर्माण कराये जाने हेतु स्वीकार की जायेगी। 2. टेण्डरदाता कार्यस्थल का पूर्व में ही भली–भाँति परीक्षण कर ले बाद में कोई तथ्य मान्य नही होगा। 3.न्यूनतम दरो वाली फर्म के ही टेण्डर/निविदा स्वीकार की जायेगी, लेकिन गुणवत्ता में कोई समझौता नही होगा। 4. समाधान योजना के अन्तर्गत आने वाली फर्म टेण्डर/निविदा में भाग नही ले सकती है। 5. स्वीकृत निविदादाता को निविदा के साथ 100/– के स्टाम्प पेपर पर 1 रू. रसीदी टिकट से हस्ताक्षर युक्त अनुबन्ध प्रस्तुत करना होगा। 6. धरोहर धनराशि अनुमानित लागत का दो प्रतिशत एफ०डी०आर/टी०डी०आर/ एन०एस०सी०/ पोस्ट आफिस के द्वारा किये जा सकते है जो खण्ड विकास अधिकारी तेलियानी के नाम अनुबन्धित होगी। एवं 8 प्रतिशत जमानत की राशि की कटौती भुगतान के समय कर ली जायेगी। 7. कार्यादेश के अधिकतम 15 दिवस के अन्दर कार्य प्रारम्भ करना होगा। 8. अधोहस्ताक्षरी को अपरिहार्य कारणों में टेण्डर निरस्त करने का अधिकार होगा। 9. शासकीय नियमानुसार सभी करो आयकर एवं 2 प्रतिशत जी०एस०टी० आदि की कटौती बिलो से की जायेगी। 10.सामग्री की गुणवत्ता आपूर्ती के समय निर्देशो के विचलन पर अधोहस्ताक्षरी को तत्काल निविदा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा। 11. किसी भी प्रकार की रॉयल्टी का भुगतान स्वीकृत फर्मों द्वारा करना होगा। 12. फर्म का श्रम विभाग में रजिस्ट्रेशन व हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र एवं किसी भी संस्था में रजिस्टर्ड होना आवश्यक है रजिस्ट्रेशन की प्रति टेण्डर के समय उपलब्ध कराई जाए।

खण्ड विकास अधिकारी तेलियानी–फतेहपुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद घाटमपुर, कानपुर नगर

पत्रांक–336/सूचना/भ.दा.खा./न.पा.प.घा./2026–27 दि. 23.06.2026

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद घाटमपुर कानपुर नगर के निम्न भवनों/भूखण्डों के स्वामित्व परिवर्तन/दर्ज/अंकित करने हेतु निम्नलिखित व्यक्तियों ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। अतः स्वामित्व परिवर्तन/नया भवन/प्लाट/भूखण्ड/भवनकर पंजिका में नाम दर्ज करने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो समाचार पत्र में प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, बाद म्याद प्राप्त आपत्तियों पर विचार करना सम्भव न होगा।

क्र. स.	भूमि संख्या/भवन संख्या	पालिका अभिलेखों/राजस्व अभिलेखों में दर्ज स्वामी का नाम	कालम संख्या तीन के स्वामी के स्थान में अंकित नाम हेतु
1.	गाटा सं० 57 क्षे० 106 वर्ग मीटर	जयकरन सिंह सचान पुत्र चंदी प्रसाद सचान व नबीउल्ला खाँ पुत्र हाफिजउल्ला खाँ नि० नौबस्ता पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर।	सविता गुप्ता पत्नी राजीव गुप्ता व हर्षिता गुप्ता पुत्री राजीव गुप्ता नि० बसंत बिहार घाटमपुर कानपुर नगर।
2.	क्षे० 65 वर्गमीटर	प्रेमचन्द्र शर्मा पुत्र बाबूराम शर्मा नि० गौशगंज मूसानगर कानपुर देहात।	गुड्डी पत्नी रघुराज सिंह नि० अशोक नगर दक्षिणी घाटमपुर कानपुर नगर।
3.	गाटा सं० 452 क्षे० 79.42 वर्ग मीटर	सुखवीर सिंह पुत्र स्व० राज नरायन सिंह नि० महोली अकबरपुर कानपुर देहात।	चन्दन देवी पत्नी सुरेश नि० जवाहर नगर पश्चिमी घाटमपुर कानपुर नगर।
4.	क्षे० 78 वर्ग मीटर	गीता पाण्डेय पत्नी सूर्य नारायण पाण्डेय नि० कृष्णा नगर घाटमपुर कानपुर नगर।	केतकी शर्मा पत्नी वेद प्रकाश विश्वकर्मा नि० अशोक नगर दक्षिणी घाटमपुर कानपुर नगर।
5.	गाटा सं० 315 क्षे० 200 वर्ग मीटर	दया नरायण सचान व रमेशचन्द्र पुत्रगण बराती नि० ग्राम लल्लूपुरवा मजरा दहेली घाटमपुर कानपुर नगर।	नीलेश सचान पत्नी आनन्द कुमार नि० जवाहर नगर पश्चिमी घाटमपुर कानपुर नगर।
6.	डिमाण्ड सं0 254/126 क्षे० 36.13 वर्ग मीटर	उमेशचन्द्र पुत्र राजाराम मिश्रा नि० आढ़ीमोहाल पश्चिमी घाटमपुर कानपुर नगर।	रिहाना खातून पत्नी रियाज अहमद नि० आढ़ीमोहाल पश्चिमी घाटमपुर कानपुर नगर।
7.	गाटा सं0 783 क्षे० 104.62 वर्ग मीटर	कैलाशचन्द्र पुत्र बाबूराम नि० ग्राम गौशगंज मूसानगर भोगनीपुर कानपुर देहात।	दीपिका पत्नी हिमांशु सचान व हिमांशु सचान पुत्र संतोष सचान नि.अशोक नगर दक्षिणी घाटमपुर कानपुर नगर।
8.	गाटा सं. 455 क्षे. 103 वर्ग मीटर डिमाण्ड सं.162/337	सविता कुमारी पत्नी धर्मेन्द्र कुमार नि० ग्राम कोरिया तहसील घाटमपुर कानपुर नगर।	गीता देवी पत्नी रविकान्त नि० ग्राम दरियापुर पोस्ट गुवारा तैयबपुर कौशाम्बी।
9.	दानपत्र गाटा सं0 440 क्षे० 102.3 वर्ग मीटर	रानी देवी पत्नी स्व० राजेन्द्र सिंह भदौरिया नि० डोहरू घाटमपुर कानपुर नगर।	यादुवेन्द्र सिंह पुत्र स्व० राजेन्द्र सिंह नि० जवाहर नगर पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर।
10.	गाटा सं० 572 क्षे० 20.71 वर्ग मीटर	सैय्यादनदीन वासिफ पुत्र मो० वासिफ हुसैन नि० पचखुरा घाटमपुर कानपुर नगर।	अरुण कुमारी पत्नी रमन कुमार नि० जवाहर नगर पश्चिमी घाटमपुर कानपुर नगर।
11.	गाटा सं0 501 क्षे० 153.50 वर्ग मीटर	मंजू देवी पत्नी प्रवीण कुमार नि० ग्राम शीहूपुर तहसील घाटमपुर कानपुर नगर।	शिवदेवी पत्नी नारेन्द्र सिंह नि० जवाहर नगर पश्चिमी घाटमपुर कानपुर नगर।
12.	गाटा सं० 343 क्षे० 38 वर्ग मीटर	मो० राशिद खाँ, वासिद खाँ, शरफराज खाँ, मो० शाहिद खाँ व तारिख खाँ पुत्रगण मुंशी खाँ नि० शेखवाड़ा घाटमपुर कानपुर नगर।	शशांक पुत्र स्व० छेदालाल सचान नि० जवाहर नगर उत्तरी घाटमपुर कानपुर नगर।
13.	गाटा सं0 249 क्षे० 123 वर्ग मीटर	ध्रुवसिंह,अतरसिंह, नाहर सिंह, कप्तान सिंह, राजेशसिंह पुत्रगण राजेन्द्रसिंह नि. ग्राम सरैया घाट, कानपुर नगर।	सकीला बानो पत्नी दिलशाद खाँ नि० हाफिजपुर घाटमपुर कानपुर नगर।
14.	गाटा सं० 848 क्षे० 159 वर्ग मीटर	जगत सिंह पुत्र नैपाल सिंह नि० कोहरा घाटमपुर कानपुर नगर।	आलोक सिंह, विवेक सिंह, सौरभ सिंह, शलभ सिंह पुत्रगण स्व. सुरेश सिंह नि. अशोक नगर उत्तरी घाटमपुर कानपुर नगर।
15.	डिमाण्ड सं0 78/90बी क्षे० 83.7 वर्ग मीटर	कुसुम देवी पत्नी लक्ष्मी नारायन सोनी नि० कुष्माण्डा नगर घाटमपुर कानपुर नगर।	सुरेश कुमार ओमर पुत्र स्व० मंगली ओमर नि० शिवपुरी पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर।
16.	क्षे० 72.58 वर्ग गज डिमाण्ड सं0 134/02सी	मो० इसरार पुत्र मो० इदरीश नि० पचखुरा घाटमपुर कानपुर नगर।	शेखू पुत्र शहीद हुसैन नि० अशोक नगर उत्तरी घाटमपुर कानपुर नगर।
17.	गाटा सं0 484 क्षे० 105 वर्ग मीटर	रियाज अहमद पुत्र स्व० हाजी नियाज अहमद नि० जवाहर नगर घाटमपुर कानपुर नगर।	एकलाख अहमद पुत्र अहमद नवी नि० कृष्णा नगर घाटमपुर कानपुर नगर।
18.	दानपात्र क्षे० 180.56 वर्गमीटर	मो० रसूल पुत्र मच्छनअली नि० ग्राम सढ़ौली रार घाटमपुर कानपुर नगर।	मो० वसीम पुत्र मो० रसूल नि० आढ़ीमोहाल पश्चिमी घाटमपुर कानपुर नगर।
19.	क्षे० 162.5 वर्गगज	राजेन्द्र सिंह पुत्र रामेश्वर उर्फ छैया नि० ग्राम व पोस्ट कुआँखेड़ा घाटमपुर कानपुर नगर।	शिवरानी देवी पत्नी लाला राम सचान नि० जवाहर नगर उत्तरी घाटमपुर कानपुर नगर।
20.	दानपात्र क्षे० 67.48 वर्ग मीटर डिमाण्ड सं० 39/99	राकेश कुमार जैन पुत्र हुकुमचन्द्र जैन नि० अशोक नगर उत्तरी घाटमपुर कानपुर नगर।	अनन्त जैन पुत्र राकेश कुमार जैन नि० अशोक नगर उत्तरी घाटमपुर कानपुर नगर।
21.	नोटरी गाटा सं0 479 क्षे० 2 बिस्वा	फूलन देवी पत्नी स्व. राम गोपाल व ज्ञानेन्द्र प्रकाश पुत्र छेदालाल नि. शिवपुरी कस्बा घाटमपुर कानपुर नगर।	श्रीराम बाजपेयी पुत्र राम प्रताप बाजपेयी नि० जवाहर नगर पश्चिमी घाटमपुर कानपुर नगर।
22.	गाटा सं0 321 क्षे० 01 बिस्वा	जंगली पुत्र बसंत नि० मो० कृष्णा नगर घाटमपुर कानपुर नगर।	एकलाख अहमद पुत्र अहमद नवी नि० कृष्णा नगर घाटमपुर कानपुर नगर।
23.	नोटरी गाटा सं0 106 क्षे० 240 वर्गगज	पियारा पत्नी रमजानी व एखलाख पुत्र स्व० रमजानी नि० ग्राम कोटरा घाटमपुर कानपुर नगर।	अली हसन पुत्र दुल्हा नि० आढ़ीमोहाल पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर।
24.	नोटरी क्षे० 2188 वर्गफुट	निसार अहमद खां व इरशाद अहमद खां पुत्रगण बाबू खां नि० कटरा घाटमपुर कानपुर नगर।	नूर बीबी पत्नी सहीद खाँ नि० कटरा पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर।
25.	नोटरी गाटा सं0 479 क्षे० 01 बिस्वा	ज्ञानेन्द्र प्रकाश पुत्र छेदालाल व फूलन देवी पत्नी राम गोपाल नि० शिवपुरी पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर।	सिम्मी पत्नी राज कुमार सिंह नि० शिवपुरी घाटमपुर कानपुर नगर।
26.	नोटरी क्षे० 01 बिस्वा	धनीराम पुत्र भैरम नि० घाटमपुर कानपुर नगर।	नूर जहाँ पत्नी अब्दुल रहमान नि० आढ़ीमोहाल पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर।
27.	नोटरी गाटा सं० 1154 क्षे० 1125 वर्गफुट	राधेश्याम पुत्र किशोरीलाल गुप्ता नि० कोटद्वार घाटमपुर कानपुर नगर।	मुबारक पुत्र स्व० अल्लादीन नि० आढ़ीमोहाल पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर।
28.	नोटरी गाटा सं0 485 क्षे० 2 बिस्वा	नासिर हुसैन पुत्र हाजी अस्फाक हुसैन नि० पचखुरा घाटमपुर कानपुर नगर।	मो० हनीफ व मो० कासिम पुत्रगण अब्दुल सत्तार नि० पचखुरा घाटमपुर कानपुर नगर।
29.	नोटरी गाटा सं0 492 क्षे० 104 वर्गमीटर	मो० सफी पुत्र फकीर मोहम्मद नि० काजियाना घाटमपुर कानपुर नगर।	सलीम अहमद पुत्र नवाब शाह नि० कजियाना पचखुरा घाटमपुर कानपुर नगर।
30.	गाटा सं० 185 क्षे० 179 वर्ग मीटर	जगदीश सिंह उर्फ मुन्नू सिंह पुत्र लाल सिंह नि० शास्त्री नगर घाटमपुर कानपुर नगर।	गोपाल पुत्र टीकाराम सोनकर नि० कुष्माण्डा नगर घाटमपुर कानपुर नगर।
31.	गाटा सं0 411 क्षे० 02 बिस्वा	देवचरन पुत्र राम प्रसाद नि० ग्राम सिठौल घाटमपुर कानपुर नगर।	विद्या देवी पत्नी महावीर प्रसाद बाजपेयी व संतोष कुमार बाजपेयी पुत्र महावीर प्रसाद बाजपेयी नि० जवाहर नगर पूर्वी द्वितीय घाटमपुर कानपुर नगर।
32.	नोटरी क्षे० 01 बिस्वा	कुसमा देवी पत्नी लक्ष्मी नारायण नि० घाटमपुर कानपुर नगर।	शंकर पुत्र जगदीश नि० कुष्माण्डा नगर घाटमपुर कानपुर नगर।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद घाटमपुर,
कानपुर नगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद घाटमपुर,
कानपुर नगर

अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौके पर मौत

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के चैफेरवा के समीप सोमवार की देर शाम सड़क पार कर रहे एक 55 वर्षीय अधेड़ को अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अधेड़ की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, शहर के तुराबअली का पुरवा मोहल्ला निवासी ननऊ पुत्र भिखारी सोमवार की शाम ई-रिक्शा से अपनी पुत्री वंदना की ससुराल अचाकापुर जा रहा था। वह जैसे ही चैफेरवा के पास ई-रिक्शा से उतरकर सड़क पार करने लगा, तभी अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

– या हुसैन की सदाओं के बीच बहाया लहू

तीन पलंगों के मिलाप को देखने उमड़ा जनसैलाब

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। मोहर्रम की सात तारीख पर चारों तरफ या हुसैन और लब्बैक या हुसैन की सदाएं गूंज उठीं। शिया समुदाय के लोगों ने नोहा ख्वानी के बीच पलंग के आगे पहले हाथों से और फिर जंजीर व कमा से मातम कर अपना लहू बहाया। इस अकीदत के बीच तीन पलंगों का पहला मिलाप दोपहर दो बजे पीलू तले चैराहे पर और दूसरा मिलाप सैयदवाड़ा कुंड तालाब पर देर रात हुआ, जिसे देखने के लिए भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। इन दिनों शहर की ताजियादारी अपने उरूज पर है। सात मोहर्रम पर शहर के सैयदवाड़ा और अमरजई से पलंग का जुलूस उठा, जिसकी बिनाई का काम भोर चार बजे ही शुरू हो गया था। लोगों ने पलंगों पर फूल व प्रसाद चढ़ाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। जुलूस के दौरान ताज़िया व अलम इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष चैधरी मोईन राइन व महासचिव वारिस उद्दीन के अलावा कमेटी के अन्य लोग व्यवस्था में जुटे रहे। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के तहत जहां भारी पुलिस बल तैनात रहा, वहीं प्रशासनिक अधिकारी भी बीच-बीच में जायजा लेते रहे।

आज फाटक से बाहर आएगा सुप्रसिद्ध चांदू मियां का ताज़िया - जिले में हिंदू-मुस्लिम की आस्था का प्रतीक सुप्रसिद्ध चांदू मियां का ताज़िया आज इमामबाड़े के फाटक से बाहर आएगा। शाम लगभग सात बजे आयोजक ताज़िये को निकालकर बाहर तख्त पर जियारत के लिए रखेंगे, जहां बड़ी संख्या में अकीदतमंद पहुंचकर चढ़ावा चढ़ाएंगे। यह ताज़िया नौ मोहर्रम की रात बारह बजे के बाद इमामबाड़े से उठाया जाएगा और अपने कदीमी रास्तों से भ्रमण करेगा, जिसके बाद 11 मोहर्रम की सुबह इसे सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

विकास कार्यों और गौशालाओं की समीक्षा बैठक संपन्न, डीएम ने दिए कड़े निर्देश

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। कलेक्ट्रेट के महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में विकास कार्यों एवं गौशाला अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पर विभागों की रैंकिंग की बिंदुवार समीक्षा करते हुए कम रैंकिंग वाले विभागों को तत्काल कार्ययोजना में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की सभी विकासपरक, लाभार्थीपरक और जनकल्याणकारी योजनाओं के आवेदनों का समय से निस्तारण कर पात्रों को लाभान्वित किया जाए। इसके साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत अधिक से अधिक महिला समूहों का गठन कर उनका क्रेडिट लिंकेज कराने पर जोर दिया गया।

बैठक में आगामी माह में शुरू होने वाले संभव अभियान-2.0 को लेकर जिला कार्यक्रम अधिकारी को कुपोषित बच्चों की सेहत पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बेबी फ्रेंडली शौचालय निर्माण की सूची तैयार करने, फैमिली आईडी बनाने के कार्य में तेजी लाने और प्रधानमंत्री जननी सुरक्षा योजना के लंबित भुगतानों को जल्द से जल्द पूरा करने को कहा। वहीं, कृषि विभाग को निर्देशित किया गया कि संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विशेष कैंप लगाकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत ज्यादा से अधिक किसानों को बीमित कराया जाए, ताकि आपदा की स्थिति में उन्हें नुकसान न उठाना पड़े।

गौशालाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने आगामी वर्षा ऋतु के मद्देनजर जल निकासी और गोवंश के भरण-पोषण के स्टॉक को सुरक्षित रखने के कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे गौशालाओं के सीसीटीवी कंट्रोल रूम को अपने मोबाइल से कनेक्ट रखें और उनकी संवेदनशीलता से निगरानी करें। साथ ही नेपियर घास की बुआई जल्द पूरी करने और मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत नागरिकों को गोवंश सुपुर्द करने की गति बढ़ाने को कहा। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री पवन कुमार मीना आदि जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बारात से लौट रही पिकअप डंपर से टकराई, 10 घायल

चैडगरा। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मुरादीपुर के पास सोमवार देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। चित्रकूट से बारात कराकर लौट रही एक पिकअप गाड़ी प्रयागराज-कानपुर मार्ग पर डंपर से टकरा गई। हादसे के वक्त पिकअप में डीजे के सामान के साथ करीब 13 लोग सवार थे।

भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि पिकअप में सवार 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में 7 लोग फतेहपुर के शिवराजपुर और 3 लोग उन्नाव जिले के रहने वाले हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुँचकर सभी घायलों को तुरंत अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पेपर लीक से बर्बाद हो रहा युवाओं का भविष्य

कांग्रेस ने घेरा और शिक्षा मंत्री से की इस्तीफे की मांग

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। देश में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों और शिक्षा व्यवस्था की बदहाली को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। ज्वालागंज स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए जिला अध्यक्ष महेश द्विवेदी ने कहा कि मौजूदा शिक्षा व्यवस्था छात्रों और अभिभावकों के लिए एक वसूली तंत्र बन चुकी है तथा भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2018, 2021, 2022, 2024 और 2026 में आयोजित नीट परीक्षा समेत कई महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हैं। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए परीक्षा संचालन में पूरी तरह असफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन के दौरान देश भर में करीब 90 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए, जिससे लाखों छात्रों के सपनों पर पानी फिर गया और कई छात्रों ने अवसाद में आकर अपनी जान तक गंवा दी। उन्होंने मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता शेख एजाज अहमद ने कहा कि कांग्रेस के संघर्ष और दबाव के कारण ही सरकार को नीट परीक्षा से जुड़े मामलों में कदम उठाने पड़े हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी छात्रों और युवाओं की समस्याओं को समझने के लिए छात्रों की गूंज अभियान चला रहे हैं, जिसकी शुरुआत कोटा से की गई है। उपाध्यक्ष सुधाकर अवस्थी एड. एवं चंतजल प्रवक्ता देवी प्रकाश दुबे ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली व्यवस्था को बदलने के लिए व्यापक सुधारों की जरूरत है।

समस्याओं को लेकर रेलवे ट्रैक पर पंचायत की चेतावनी

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। नहर कॉलोनी में भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में किसानों से जुड़ी कई गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्य रूप से धान की रोपाई के इस सीजन में जिले में खाद की भारी किल्लत और भीषण गर्मी के बीच बिजली की अघोषित कटौती का मुद्दा उठाया। इसके अलावा, भीषण गर्मी के बावजूद नहरों में पानी न छोड़े जाने से फसलों और मवेशियों के सामने गहराए जल संकट तथा ड्रेनेज खंड द्वारा नालों की सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति किए जाने के आरोपों पर उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई।

बैठक के दौरान पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर भी तीखे सवाल उठाए गए। भाकियू नेताओं ने आरोप लगाया कि जिले का पुलिस प्रशासन बेलगाम हो चुका है और किसानों पर लगातार फर्जी मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। इन सभी मुद्दों को लेकर संगठन ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। भाकियू के जिला अध्यक्ष नवल किशोर ने बताया कि स्थानीय स्तर पर व्याप्त इन समस्याओं के विरोध में आगामी 26 जुलाई को धाता थाने का घेराव किया जाएगा, जिससे प्रशासन को किसानों की ताकत का अहसास कराया जा सके।

मामला यहीं नहीं थमेगा, जिला अध्यक्ष ने आगे की रणनीति साझा करते हुए कहा कि यदि इसके बाद भी प्रशासन ने सुध नहीं ली, तो अपनी मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन 30 जुलाई को कुश्ती कला रेलवे ट्रैक पर पहुंचकर एक विशाल महापंचायत करेगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में सुरेंद्र पटेल, दिनेश शुक्ला, रामसहाय पटेल, रमन यादव, धर्म सिंह चैहान, गिरजा शंकर मिश्रा, मोहिद अहमद, विवेक यादव, धनंजय सिंह, अर्जुन सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर वाहन टैक्स छूट की खबर फर्जी

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। सोशल मीडिया और व्हाट्सएप्प जैसे प्लेटफॉर्म्स पर वाहन टैक्स बकायेदारों के लिए एकमुश्त समाधान योजना के तहत पेनाल्टी में 100 प्रतिशत और मूल टैक्स में 35 प्रतिशत छूट मिलने का एक कथित प्रेस नोट तेजी से वायरल हो रहा है। इस मामले पर संज्ञान लेते हुए सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन), फतेहपुर ने इस खबर को पूरी तरह आधारहीन और अफवाह बताया है। विभाग ने साफ किया है कि उत्तर प्रदेश सरकार या परिवहन विभाग के स्तर पर ऐसी कोई भी योजना फिलहाल विचाराधीन नहीं है। परिवहन विभाग ने सभी वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे डिजिटल माध्यमों पर फैल रहे इस तरह के तथ्यहीन प्रचार के झांसे में न आएं और अपने वाहनों का बकाया टैक्स समय से जमा करें। निर्धारित समय पर कर न जमा करने की स्थिति में उ0प्र0 मोटरयान कराधान अधिनियम-1998 के तहत सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने आश्वस्त किया है कि यदि भविष्य में शासन द्वारा ऐसी कोई राहत योजना लाई भी जाती है, तो विभाग द्वारा उसका आधिकारिक और व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

खबर एक नज़र

सरस्वती बाल मंदिर का दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। सरस्वती बाल मंदिर संस्थान के अंतर्गत संचालित जिले की सभी शाखाओं का दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर सरस्वती बाल मंदिर इंटर कॉलेज, शहजादपुर (खागा) में संपन्न हो गया। प्रबंधक राकेश कुमार त्रिवेदी की अध्यक्षता में आयोजित इस गरिमामयी शिविर में विभिन्न शाखाओं के लगभग 500 महिला व पुरुष शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मां सरस्वती के पूजन से शुरू हुए इस शिविर में विभिन्न शाखाओं के प्रधानाचार्यों ने मुख्य वक्ता के रूप में विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समर्पण, सादगी और संस्कार से परिपूर्ण व्यक्ति ही एक आदर्श अध्यापक बनकर समाज में आदर्श विद्यार्थियों का निर्माण कर सकता है। शिविर के दौरान आधुनिक शिक्षा पद्धति को अपनाते हुए शिक्षण में नवाचार और नई तकनीकों के उपयोग पर विशेष बल दिया गया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किताबी ज्ञान के साथ-साथ खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और अन्य रचनात्मक विधाओं को दैनिक पाठ्यक्रम में शामिल करने का निर्णय लिया। इस सफल आयोजन में मोहित, धीरेंद्र, राहुल सहित सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य और पूरा स्टाफ उपस्थित रहा।

रक्तवीरों ने पेश की मानवता की मिसाल

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। बड़े मंगल के पावन अवसर पर समाज सेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए सर्व फॉर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन के छह सदस्यों ने मंगलवार को मानस रक्तकेंद्र पहुंचकर स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में गुरमीत सिंह ने 48वीं, दिग्विजय ने 20वीं, शुभम कुमार ने 9वीं, अमन चैरसिया ने 8वीं, दिव्यांश पांडे ने 8वीं बार रक्तदान किया, जबकि शिवम ने पहली बार रक्तदान कर इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया। रक्तदान के उपरांत मानस रक्तकेंद्र के प्रभारी अमन यादव ने सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने युवाओं से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों और डर को छोड़कर सभी को इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों की जान बचाई जा सके। इस मौके पर फाउंडेशन से शोभित सिंह, वर्तिका, अनामिका पाल और विष्णु आदि मौजूद रहे।

बेसमेंट में चल रही कोचिंग पर फायर विभाग की गाज

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में हुए दर्दनाक हादसे के बाद फतेहपुर अग्निशमन विभाग ने सुरक्षा मानकों को लेकर कड़ा रुख अपना लिया है। अग्निशमन अधिकारी द्वितीय दीपक कुमार के नेतृत्व में सदर कोतवाली क्षेत्र के गुरुद्वारा गली, रेलवे स्टेशन रोड स्थित विद्या एकेडमी एवं लाइब्रेरी का औचक निरीक्षण किया गया, जहां अग्नि सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी पाई गई। जांच में सामने आया कि इस कोचिंग और लाइब्रेरी का संचालन भवन के बेसमेंट में किया जा रहा था, जहां कुल 145 छात्र पंजीकृत थे और निरीक्षण के समय भी करीब 80 छात्र अध्ययनरत मिले। विभाग को जांच में सबसे बड़ी खामी यह मिली कि पूरे भवन में आपातकालीन निकास मार्ग गायब था और केवल एक ही संकरा प्रवेश व निकास द्वार मौजूद था, जो किसी भी आपात स्थिति में छात्रों की सुरक्षित निकासी के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके अलावा फायर सेफ्टी उपकरण भी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं थे। इन गंभीर कमियों को देखते हुए अग्निशमन विभाग ने संस्थान संचालक आनंद मौर्य को नोटिस जारी कर सुरक्षा मानक पूरे होने तक कोचिंग का संचालन बंद रखने का सख्त निर्देश दिया है।

फर्रुखाबाद / छिबरामऊ

पीएम स्वनिधि योजना के तहत नगर पंचायत कमालगंज में लगा ऋण मेला

स्वतंत्र भारत संवाददाता
कमालगंज। नगर पंचायत कमालगंज के सभागार में सोमवार को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत पीएम स्वनिधि ऋण मेला आयोजित किया गया। मेले का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को योजना से जोड़ना तथा उन्हें सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना रहा ।कार्यक्रम में उपस्थित स्ट्रीट वेंडरों को योजना के लाभए ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया एवं अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। नगर पंचायत प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों ने लाभार्थियों को योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे व्यापारियों एवं रेहड़ी.पटरी दुकानदारों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को स्वरोजगार बढ़ाने के लिए आसान ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यक्रम में नगर पंचायत के अधिकारीए कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्ट्रीट वेंडर उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सभी पात्र लाभार्थियों से योजना का लाभ उठाने की अपील की ।

फसल जलने पर नहीं हुई सुनवाईए पानी की टंकी पर चढ़ा पीड़ित किसान

छिबरामऊ। तहसील क्षेत्र के सराय प्रयाग कस्बे में पुलिस द्वारा सुनवाई न किए जाने से आहत एक पीड़ित किसान मंगलवार दोपहर गांव के बाहर बनी पानी की टंकी पर चढ़ गया। किसान ने पुलिस पर लापरवाही और शिकायत न सुनने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई का ठोस भरोसा देकर करीब डेढ़ से दो घंटे की मशक्कत के बाद युवक को सकुशल नीचे उतारा।सराय प्रयाग कस्बे के रहने वाले पीड़ित किसान छोटेलाल गौतम ने बताया कि उनके 15 बीघा खेत में मक्का की पकी हुई फसल खड़ी थी। एक दिन पहले खेत में अचानक आग लग जाने के कारण उनकी पूरी फसल जलकर खाक हो गईए जिससे वह बेहद परेशान हो गए।ोटेलाल गौतम के अनुसारए उनके खेत के बगल में ही एक अन्य खेत हैए जिसमें मक्का की कटाई हो चुकी थी। पड़ोसी खेत वालों ने फसल काटने के बाद उसके बचे हुए अवशेषों में आग लगा दी। छोटेलाल ने उन्हें पहले ही मना किया था कि जब तक उनकी फसल की कटाई न हो जाएए तब तक वे आग न लगाएं। इसके बावजूद वे नहीं माने और उस आग की चिंगारी से छोटेलाल की खड़ी फसल भी पूरी तरह जल गई। पीड़ित ने फसल जलाने का आरोप लगाते हुए अपने पड़ोसी के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी थीए लेकिन पुलिस द्वारा इस पर कोई त्वरित कार्रवाई या सुनवाई नहीं की गई। पुलिस के इस ढुलमुल रवैये से गुस्साया और आहत होकर युवक मंगलवार दोपहर को पानी की टंकी पर चढ़ गया। करीब दो घंटे तक चले इस ड्रामे के दौरान वह पड़ोसी पर कार्रवाई की मांग पर अड़ा रहा। अंततः पुलिस ने उसे समझा.बुझाकर और उचित कानूनी कार्रवाई का आश्वासन देकर नीचे उताराए जिसके बाद मामला शांत हुआ।

लखनऊ अग्निकांड का असर जिले में माल कोचिंग पर प्रशासन का छापा खामियों पर पर सीलिंग की चेतावनी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
फर्रुखाबाद सुरक्षा मानकों में लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाईए नगर मजिस्ट्रेट और सीओ सिटी ने प्रशासनिक अधिकारियों मोर्चा लिया फर्रुखाबाद.लखनऊ के एक कोचिंग इंस्टीट्यूट में हुए दर्दनाक अग्निकांड के अलर्ट मोड पर आ गया है कोचिंग सेंटर पिज़्ज़ा हट शॉपिंग मॉल होटल का सघन निरीक्षण किया गया।

जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। शहर में ऐसी किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए आज सुबह प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया। नगर मजिस्ट्रेट पारुल तरार और सीओ सिटी के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने शहर के विभिन्न मॉल पिज्जा हट कोचिंग संस्थानों और भारी भीड़भाड़ वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया।

फायर सेफ्टी और आपातकालीन रास्तों की जांचनिरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्य रूप से अग्निशमन यंत्ररू मौके पर फायर एक्सटिंग्विशर और अन्य जरूरी उपकरण उपलब्ध हैं या नहीं।

आपातकालीन निकास किसी भी हादसे के वक्त बाहर निकलने के लिए सुरक्षित रास्ते चालू हालत में हैं या नहीं।

फायर सेफ्टी सिस्टमरू संस्थानों में धुआं या आग भांपने वाले अलार्म सक्रिय हैं या नहीं।

प्रशासन का रुख साफ है

सुरक्षा मानकों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन संस्थानों में नियमों की अनदेखी मिलेगी उन्हें सील करने के साथ.साथ उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सुबह.सुबह हुई इस अचानक कार्रवाई से शहर के कोचिंग संचालकों मॉल और अन्य व्यवसायियों में हड़कंप मच गया। कई जगहों पर कमियां मिलने पर अधिकारियों ने संचालकों को सख्त चेतावनी देते हुए तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं

मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय ने आयोजित किया विशाल भंडारा

फर्रुखाबाद। ज्येष्ठ माह के अंतिम मंगलवार को मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय परिवार ने बघार भोजपुर में विशाल भंडारे का आयोजन किया जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही जिले के सभी हनुमान मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी जगह.जगह सुंदरकांड पाठ हुए।

ज्येष्ठ माह के हर मंगलवार को मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ0 अनार सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय परिवार ने विश्वविद्यालय परिसर के बाहर भंडारे का आयोजन किया था। आज अंतिम मंगलवार को भी विश्वविद्यालय परिवार की ओर से भंडारा आयोजित हुआ जिसमें सब्जी कचैड़ी के साथ.साथ शरबत का वितरण किया। विश्वविद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ0 अतिक्ष सिंह ने स्वयं अपने हाथों से प्रसाद वितरित किया। भंडारा से पूर्व कुलाधिपति

डॉ0 अनार सिंह एवं विश्वविद्यालय परिवार ने बजरंगबली की पूजा अर्चना की और देश.दुनिया में शांति और समृद्धि कामना की। डॉ0 अनार सिंह ने कहा आज मानवता की सेवा की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके लिए हर समर्थ व्यक्ति को आगे आना चाहिए। जो जिस लायक है उसे दूसरे की सहायता करनी चाहिए। कुलाधपति ने कहा भगवान हनुमान का चरित्र हमें त्याग एवं समर्पण की शिक्षा देता है। इस अवसर पर चेयर पर्सन डॉ0 अनीता यादव प्रति कुलाधिपति डॉ0 अंचल सिंह प्रबंध निदेशक डॉण् अतिक्ष सिंह कुलपति डॉण् अनिल कुमार कुलसचिव रणजीत यादव तथा सलाहकार डॉण् रंगनाथ मिश्र विधि संकाय के डीन डॉण् राजपाल सिंह डीन आयुर्वेद डॉ अम्बरीश बाथमए फार्मेसी संकाय की डीन डॉण् बिंदु राठौरए नर्सिंग संकाय की डीन प्रोण् शेरीन पीण् एलेक्सए डीन इंजीनियरिंग डीन डॉण् निखिल श्रीवास्तव उपस्थित रहे। अरुण कुमार विवेक आदि ने व्यवस्था संभाली। इसके साथ ही जिले के हनुमान मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस दौरान मंदिरों में विशेष पूजा.अर्चना की गई और जगह.जगह भंडारों का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के बीच शरबत वितरण से लोगों को राहत मिली। दिनभर मंदिरों और भंडारों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहीए जिससे क्षेत्र में धार्मिक माहौल रहा ।

पूर्व चेयरमैन के छोटे भाई देवू गुप्ता को हजारों लोगों ने श्रद्धांजली दी

छिबिरामऊ कन्नौज। पूर्व अध्यक्ष के छोटे भाई की दिल की धड़कन रुकने के कारण हुआ निधन। पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष बृजेश गुप्ता शहर में अध्यक्ष पद पर 20 साल तक अध्यक्ष रहे उनके छोटे भाई दिवाकर उर्फ देवू गुप्ता की तबीयत कल रात अचानक खराब हुई पर जनों द्वारा उपचार के लिए कानपुर ले जा रहे थे रास्ते में ही निधन हो गया निधन की खबर सुनकर आम जनमानस में शोक की लहर दौड़ी अध्यक्ष के गेस्ट हाउस गोविंद गेस्ट हाउस अंतिम दर्शन के लिए परथिक शरीर को रखा गया पूर्व चेयरमैन के छोटे भाई को श्रद्धांजलि देने के लिए पूर्व विधायक संतोष चतुर्वेदी पूर्व राज्य मंत्री विधायक श्रीमती अर्चना पांडे वर्तमान अध्यक्ष मनोज द्विवेदी किराना कमेटी अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष लालू गुप्ता दिनेश चंद्र गुप्ता पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष आनंद गुप्ता डॉ गणेश चतुर्वेदी सहित हजारों लोगों नेपूर्व चेयरमैन के छोटे भाई को श्रद्धांजली दी पेट्रोल पंप के पीछे पार्थिक शरीर को मुख्य अग्नि देबू गुप्ता के पुत्र अभी गुप्ता द्वारा दी गई।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, हरदोई

पत्रांक :- /एम-11 /ई-टेण्डर /2026 दिनांक :- 17.06.2026

(ई-निविदा सूचना षष्टम आमंत्रण)

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 के निम्न वर्णित तालिका के कॉलम 8 में वर्णित श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।

2.

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रू0 (लाख में)	धरोहर धनराशि रू0 (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 सहित)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीकरण की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	हरदोई	वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु जनपद हरदोई के प्रान्तीय खण्ड के अन्तर्गत राज्य-मार्ग, मुख्य जिला मार्ग एवं अन्य जिला मार्ग श्रेणी के मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य।	33.00	3.30	944.00	02 माह	श्रेणी 'ए' 'बी' 'सी' एवं 'डी' (मार्ग कार्य)

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 26.06.2026 से 03.07.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते हैं। निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 03.07.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

1. लो0नि0वि0 में निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से होना है। प्रहरी का यू0आर0एल0 http://wms.uppwd.gov.in/Prahari/ है। वेबसाइट खोलने पर प्रहरी लॉगिन का पेज खुलेगा जिस पर यूजर टाईप कान्ट्रेक्टर चयनित करते हुए लॉगिन करना होगा। लॉगिन करने के लिये यूजर नेम एवं पासवर्ड हेतु [illegible] सॉफ्टवेयर पर ठेकेदार पंजीकरण हेतु उपयोग में लाये जाने वाले यूजर नेम एवं पासवर्ड ही होगा। प्रहरी पर निविदादाता को निविदा सम्बन्धी वांछित सूचनायें तथा आवश्यक अभिलेख अपलोड करना है जिसकी विस्तृत जानकारी प्रहरी पर उपलब्ध है।
2. निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्तें तथा विवरण वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(मुरली धर गंगवार)
अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
हरदोई

उ0प्र0 252879 दिनांक- 23.06.2026
Website: www.upgov.nic.in

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

अब शिवसेना

एक और टूट। एक और दल बदल। आखिरकार उद्धव ठाकरे की शिवसेना के टूटने की घड़ी भी आ गई। हालांकि उद्धव ने अपने ग्रुप को संगठित रखने के लिए काफी सक्रियता से कोशिशें कीं तथा उनके विश्वस्त वरिष्ठ नेता व पार्टी प्रवक्ता संजय राउत ने अलग होने वाले गुट से अपने संपर्कों का इस्तेमाल भी खूब किया लेकिन कोई फायदा नहीं निकला। दूसरा गुट महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की चुनाव आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त शिवसेना में शामिल हो गया है। निश्चित रूप से इस ग्रुप को सत्ता केंद्र के नजदीक होने का आकर्षण रहा। यह अचंभे की बात नहीं है। हाल ही में पश्चिम बंगाल में 15 वर्षों वर्षों तक सत्ता में रही ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद उसके बीस से अधिक सांसद पार्टी से अलग हुए और एक अल्प ज्ञात राजनीतिक दल में अपने गुट के विलय के साथ ही केंद्र की एनडीए सरकार का समर्थन करने की घोषणा कर दी। कुछ समय पहले आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सदस्य भाजपा में शामिल हो गए थे। उत्तर प्रदेश में भी ऐसा ही खेल होने के दावे किए जा रहे हैं। वैसे अपनी सुविधा और फायदे के मुताबिक दल बदल कोई नहीं समस्या नहीं है। इसका आतंक ही था कि 1985 में दल बदल विरोधी कानून और अमल में आया। उसमें एक नियम है कि तीन चौथाई से ज्यादा सदस्य पार्टी छोड़ें तो यह कानून लागू नहीं होगा। बड़ी पार्टियों में तीन चौथाई की बारात बटोरनी तो मुश्किल रहती है लेकिन छोटे-छोटे क्षेत्रीय दलों में अलग कुनबा तैयार करना ज्यादा आसान रहता है। मजे की बात यह है कि अलग होने वाला गुट सत्ता दल में ही समा जाता है या उसका समर्थन करने लगता है। जहां तक क्षेत्रीय दलों का संबंध है तो देश के लोकतंत्र को उन्होंने मजबूती तो दी है लेकिन सत्ता से नजदीकी के आकांक्षी उनके सदस्य कब उनकी मजबूती को हिलाने लगें, इस बारे में निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता। केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा आज बहुत ताकतवर है और उसकी नजर एक-एक करके सभी विपक्षी दलों पर है। दूसरी और इस बारे में आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता कि कब कोई अनहोनी अचानक होनी के रूप में सामने आ जाए। इसके लिए अंतरात्मा की आवाज, समर्थकों का दबाव या कुछ नहीं तो मूल पार्टी के नेता का स्वभाव जैसे मुद्दे अचानक उभर जाते हैं और ताबड़तोड़ खेल हो जाता है। यही कारण है कि लगातार 15 सालों तक विकल्प विहीनता के इत्मीनान में रही तृणमूल कांग्रेस को मतदाता का एक धक्का लगा तो उसके सांसदों-विधायकों को किसी न किसी तरह मौजूदा सत्ता दल के साथ जुड़ने में अपना भविष्य नजर आ रहा है। फिलहाल शिवसेना के टूट के साथ महाराष्ट्र की राजनीति तो बदलेगी ही, उद्धव ठाकरे के लिए अपने पिता की विरासत को मजबूती देने के लिए युद्ध स्तर पर जूझना भी होगा।

अपनी गलती

किसी हादसे में होने वाले नुकसान का दोष दूसरे पर डालना आम बात है। कई मामलों में यह सही भी होता है। लेकिन यह भी सही है कि सड़क हादसों में होने वाली मौतों के ज्यादातर मामलों में गलती या लापरवाही वाहनसवारों की होती है। इस बारे में स्टडी बताती है कि सन 2024 में हुए हादसों में वाहन चालकों ने अगर मानक अनुरूप हेलमेट पहना होता या सीट बेल्ट लगाया होता तो उनकी जान बच सकती थी। यूएन मोटरसाइकिल हेल्मेट स्टडी के मुताबिक इसमें भी मोटरसाइकिल सवारों को कार चालकों के मुकाबले अधिक खतरा होता है। उनकी मौतों की आशंका छब्बीस प्रतिशत अधिक होती है जबकि अच्छी क्वालिटी का हेल्मेट पहने रहने से उनके बचने के मौके बयालीस प्रतिशत ज्यादा होते हैं। इसी तरह विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि सीट बेल्ट लगाने से हादसों में जान बचने की संभावना पचास प्रतिशत अधिक बढ़ जाती है। हेल्मेट न पहनने से उक्त वर्ष में उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 2816 मौतें हुई थीं। इसके बाद मध्य प्रदेश में 1929 और महाराष्ट्र 1427 का नंबर था। सड़क परिवहन मंत्रालय की एक रिपोर्ट बताती है कि देश की सड़कों पर 2024 में हुए हादसों में कुल मृतकों का सड़सठ प्रतिशत दोपहिया वाहन सवार थे। इन दुर्घटनाओं में एक लाख अट्ठावन हजार दोपहिया वाहन तथा मोटरसाइकिल सवारों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था। इन आंकड़ों से यह बात साबित होती है कि मोटरसाइकिल, स्कूटी, साइकिल या कार पर बैठ जाने भर का मतलब यह नहीं होता कि अब किसी बात की चिंता नहीं है। बल्कि चिंता तो इन वाहनों को चलाने के साथ ही शुरू हो जानी चाहिए। ड्राइविंग में जितनी ज्यादा लापरवाही होगी, हादसों के जोखिम उतने ही ज्यादा बढ़ेंगे। आखिर सड़कों पर वाहनों से चलने के बारे में नियम अनुभवों के आधार पर ही विशेषज्ञों ने बनाए हैं। इनकी अनदेखी करने वाले आखिर अपनी मौत को खुद ही तो बुलावा देते हैं। यह बात खुद ही समझने की होनी चाहिए लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है।

काँव-काँव

♦♦♦

अलीगंज कोचिंग अग्निकांड में झुलसे पंद्रह युवा
रामराज्य में फायर एनओसी होना जरूरी नहीं!

बचपन से ही दें आध्यात्मिक शिक्षा -भारती गांधी
आध्यात्मिक लोग सफल भूमाफिया बनते हैं!

ड्रग तस्करी पर रोक लगायेगी मानस हेल्पलाइन
लखनऊ के नशेड़ी हनुमंतधाम पर मत्था टेकें!

अब किसानों के लिये खेत बचाओ अभियान शुरू
नये माल खुलेंगे तो सरकारें खेत ले लेंगी!

साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश की तैयारी
लेकिन ये मर्ज बढ़ता गया,ज्यों ज्यों दवा की ..

गाय के दूध का रेट भैंस के दूध से ज्यादा होगा
रामराज्य में गौमांस का निर्यात फायदेमंद सौदा!

♦♦♦

सुरक्षा का सच पहले क्यूं नहीं दिखता?

लखनऊ में कोचिंग सेंटर में लगी आग की जांच होगी। आग कैसे लगी, कहां से लगी, किस स्तर पर चूक हुई और कौन जिम्मेदार था–इन सभी सवालों

- डॉ. शिवम भारद्वाज

के जवाब तलाशे जाएंगे। लेकिन ऐसे हादसों के बाद एक सवाल सीधा सामने आता है। जो कमियां अब दिखाई दे रही हैं, क्या वे हादसे से पहले मौजूद नहीं थीं?

लगभग हर बड़ी त्रासदी के बाद एक परिचित दृश्य सामने आता है। जो इमारत कल तक सुरक्षित मानी जा रही थी, वह अचानक जांच के घेरे में आ जाती है। जो संस्थान वर्षों से संचालित हो रहा था, उसके भीतर एकाएक गंभीर कमियां दिखाई देने लगती हैं। जो अधिकारी कल तक संतुष्ट थे, वे अगले दिन निरीक्षण शुरू कर देते हैं। ऐसा लगता है जैसे हादसे ने कोई नई समस्या पैदा नहीं की। उसने केवल एक पुरानी समस्या को अनदेखा करना असंभव बना दिया। अपने यहाँ सुरक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि अनेक त्रासदियां अक्सर नियमों के अभाव में नहीं, नियमों की मौजूदगी में होती हैं।

अनुमति भी होती है, निरीक्षण भी होते हैं, प्रमाणपत्र भी होते हैं और अनुपालन के दावे भी। दुर्घटना के बाद शायद ही कभी यह पता चलता है कि कोई व्यवस्था थी ही नहीं। अक्सर पता यह चलता है कि व्यवस्था मौजूद थी, लेकिन उसका उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा था। कागजों पर सुरक्षा थी, जमीन पर नहीं। इसलिए दुर्घटना के बाद जो कमियां सामने आती हैं, वे नई नहीं होतीं; वे केवल पहली बार सार्वजनिक होती हैं।

यहीं से चर्चा केवल प्रशासनिक विफलता तक सीमित नहीं रहती। पिछले दो दशकों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और शहरी सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। अस्पताल, कोचिंग संस्थान, छात्रावास, होटल और व्यावसायिक परिसर बड़ी संख्या में खड़े हुए हैं। इसके साथ एक और बदलाव आया है–इनमें से अधिकांश संस्थान अब केवल सेवाएं देने वाली जगहें नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धी व्यवसाय भी हैं।

किसी भी व्यावसायिक संस्थान के लिए अतिरिक्त जगह का मतलब अतिरिक्त आय होता है। इमारत का हर उपयोगी कोना आर्थिक मूल्य रखता है। लेकिन अग्निशमन व्यवस्था, आपात निकास, चौड़े गलियारे और सुरक्षा के लिए छोड़ी गई जगहें आय नहीं बढ़ातीं। वे केवल लागत बढ़ाती हुई दिखाई देती हैं। ऐसे में जब निगरानी कमजोर हो और जवाबदेही का दबाव कम हो, तो समझौते लगभग हमेशा एक ही दिशा में बढ़ते हैं।

यही कारण है कि अधिकांश बड़ी त्रासदियां किसी एक बड़ी गलती का परिणाम नहीं होतीं। वे अनेक छोटे निर्णयों का परिणाम होती हैं। कहीं क्षमता बढ़ाई गई, कहीं निरीक्षण को

औपचारिकता बना दिया गया, कहीं किसी कमी को बाद के लिए टाल दिया गया, कहीं चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लिया गया। इनमें से कोई भी निर्णय अपने आप में इतना बड़ा नहीं होता कि तत्काल संकट पैदा कर दे। लेकिन जब ऐसे निर्णय बार-बार दोहराए जाते हैं, तो वे धीरे-धीरे व्यवस्था का सामान्य तरीका बन जाते हैं। यहीं भ्रष्टाचार का सबसे प्रभावशाली रूप भी दिखाई देता है। यह हमेशा अवैध लेन-देन के रूप में सामने नहीं आता। कई बार यह उस सामूहिक सहमति के रूप में मौजूद रहता है जिसमें सभी पक्ष जानते हैं कि कमियां हैं, लेकिन तब तक कोई निर्णायक हस्तक्षेप नहीं होता जब तक कोई दुर्घटना उन्हें सार्वजनिक न कर दे। व्यवस्था चलती रहती है, क्योंकि जोखिम भविष्य में है और लाभ वर्तमान में।

इसीलिए बड़ी दुर्घटनाओं के बाद सामने आने वाली जांच रिपोर्टें इतनी समान लगती हैं। शहर बदल जाते हैं, संस्थान बदल जाते हैं, घटनाएं बदल जाती हैं, लेकिन निष्कर्ष नहीं बदलते। कहीं मानकों का पालन नहीं हुआ, कहीं निगरानी कमजोर थी, कहीं चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लिया गया। यह समानता किसी संयोग का परिणाम नहीं है। यह बताती है कि समस्या किसी एक इमारत या एक संस्थान की नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की है जिसने सुरक्षा को एक निरंतर जिम्मेदारी के बजाय एक औपचारिक आवश्यकता बना दिया है। लखनऊ की घटना की जांच अपने निष्कर्ष देगी। दोषी भी तय होंगे। लेकिन उससे बड़ा प्रश्न जांच के दायरे से बाहर है। यदि किसी कमी को देखने के लिए हमेशा एक दुर्घटना का इंतजार करना पड़े, तो समस्या केवल उस इमारत में नहीं होती जहां हादसा हुआ। समस्या उस व्यवस्था में होती है जो सुरक्षा को प्रमाणपत्रों से मापती है, परिणामों से नहीं। और जब किसी व्यवस्था में सुरक्षा का सबसे विश्वसनीय निरीक्षक अंततः दुर्घटना बन जाए, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं रह जाती; यह व्यवस्था की विफलता बन जाती है।

लखनऊ में कोचिंग सेंटर में लगी आग की जांच होगी। आग कैसे लगी, कहां से लगी, किस स्तर पर चूक हुई और कौन जिम्मेदार था–इन सभी सवालों के जवाब तलाशे जाएंगे। लेकिन ऐसे हादसों के बाद एक सवाल सीधा सामने आता है। जो कमियां अब दिखाई दे रही हैं, क्या वे हादसे से पहले मौजूद नहीं थीं? लगभग हर बड़ी त्रासदी के बाद एक परिचित दृश्य सामने आता है। जो इमारत कल तक सुरक्षित मानी जा रही थी, वह अचानक जांच के घेरे में आ जाती है। जो संस्थान वर्षों से संचालित हो रहा था, उसके भीतर एकाएक गंभीर कमियां दिखाई देने लगती हैं। जो अधिकारी कल तक संतुष्ट थे, वे अगले दिन निरीक्षण शुरू कर देते हैं। ऐसा लगता है जैसे हादसे ने कोई नई समस्या पैदा नहीं की। उसने केवल एक पुरानी समस्या को अनदेखा करना असंभव बना दिया। अपने यहाँ सुरक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि अनेक त्रासदियां अक्सर नियमों के अभाव में नहीं, नियमों की मौजूदगी में होती हैं।

।। यथार्थ गीता ।।

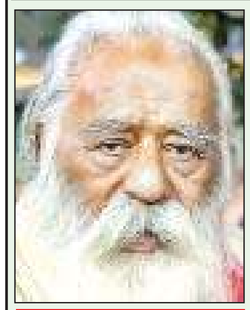

स्वामी अड़गड़ानंद

अथ द्वादशोऽध्यायः

(गतांक से आगे

शरीर-रक्षा में भी जिसकी आसक्ति नहीं है, ऐसा स्थितप्रज्ञ भक्तिमान् पुरुष मुझे प्रिय है।

इस प्रकार श्लोक ग्यारह से उन्नीस तक योगेश्वर श्रीकृष्ण ने शान्तिप्राप्त योगयुक्त भक्त की रहनी पर प्रकाश डाला, जो साधकों के लिये उपादेय है। अन्त में निर्णय देते हुए उन्होंने कहा- अर्जुन! जो मेरे परायण हुए अनन्य श्रद्धा से युक्त पुरुष इस ऊपर कहे हुए धर्ममय अमृत को निष्कामभाव से भली प्रकार आचरण में ढालते हैं, वे भक्त मुझे अतिशय प्रिय हैं। अतः समर्पण के साथ इस कर्म में प्रवृत्त होना श्रेयतर है; क्योंकि उसके हानि-लाभ की जिम्मेदारी वह इष्ट सद्गुरु अपने ऊपर ले लेते हैं। यहाँ श्रीकृष्ण ने स्वरूपस्थ महापुरुष के लक्षण बताये, उनकी शरण में जाने को कहा और अन्त में अपनी शरण में आने की प्रेरणा देकर उन महापुरुषों के समकक्ष अपने को घोषित किया। श्रीकृष्ण एक योगी, महात्मा थे।

इस अध्याय में भक्ति को श्रेष्ठ बताया गया, अतः इस अध्याय का नामकरण 'भक्तियोग' युक्तिसंगत है।

तत्सदिति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसम्वादे 'भक्तियोगो' नाम द्वादशोऽध्यायः ।।12।।

इस प्रकार श्रीमदभगवद्गीतारूपी उपनिषद् एवं ब्रह्मविद्या तथा योगशास्त्र विषयक श्रीकृष्ण और अर्जुन के संवाद में 'भक्तियोग' नामक बारहवाँ अध्याय पूर्ण होता है।

इति श्रीमत्परमहंसपरमानन्दस्य शिष्य स्वामीअड़गड़ानन्दकृते श्रीमद्भगवद्गीतायाः 'यथार्थगीता' भाष्ये 'भक्तियोगो' नाम द्वादशोऽध्यायः ।।12।।

इस प्रकार श्रीमत् परमहंस परमानन्दजी के शिष्य स्वामी अड़गड़ानन्दकृत 'श्रीमद्भगवद्गीता' के भाष्य 'यथार्थ गीता' में 'भक्तियोग' नामक बारहवाँ अध्याय पूर्ण होता है।

।। हरिः ॐ तत्सत् ।।

।। ॐ श्री परमात्मने नमः ।।

क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

मन मलीन खल तीर्थ ये, यदि सौ बार नहाहिं।
होयं शुध्द नहिं जिमि सुरा, बासन दीनेहु दाहिं।

कहते हैं, जिसके मन में पाप का वास हो गया है वह बाहर से कितनी भी कोशिश कर ले खुद को साफ दिखाने का उसका मन वैसा ही रहता है। जैसे बर्तन में रखी शराब आग में झुलसने के बाद भी पवित्र नहीं होता है।

♦♦♦

मानसून बिगड़ा तो देश की आर्थिक स्थिति और महंगाई पर असर संभव

भारतीय रिजर्व बैंक के जून बुलेटिन में प्रकाशित 'स्टेट ऑफ द इकोनॉमी' लेख में कहा गया है कि यदि दक्षिण-पश्चिम मानसून उम्मीद के मुताबिक नहीं रहता, तो इसका असर देश की आर्थिक वृद्धि और महंगाई पर पड़ सकता है. भारत की अर्थव्यवस्था

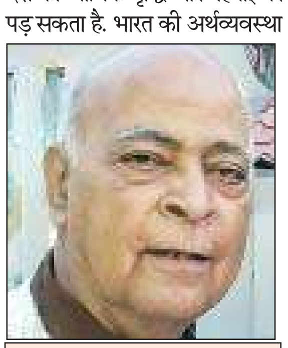

- अशोक भाटिया

फिलहाल मजबूत स्थिति में है, लेकिन कृषि और ग्रामीण मांग काफी हद तक मानसून पर निर्भर करती है. ऐसे में कमजोर बारिश खाद्य उत्पादन को प्रभावित कर सकती है, जिससे महंगाई बढ़ने और उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति पर असर पड़ने की आशंका पैदा हो सकती है। लेख में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक माहौल अभी पूरी तरह स्थिर नहीं हुआ है. पश्चिम एशिया में हाल के अंतरिम शांति समझौते से कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताएं अभी भी बनी हुई हैं. रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में आर्थिक जोखिम ऊंचे स्तर पर बने हुए हैं और यदि मौजूदा समझौते कमजोर पड़ते हैं या तनाव फिर बढ़ता है, तो इसका असर वैश्विक बाजारों और निवेश गतिविधियों पर दिखाई दे सकता है।

इस समय मानसून का इंतजार कर रहे किसानों के साथ-साथ मानसून की राह देख रहे उत्तर भारत के लोगों के लिए अच्छी खबर नहीं है क्योंकि मानसून अपने समय से लेट हो चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून एक सप्ताह की देरी से आ सकता है। स्काईमेट का दावा है कि उत्तर भारत में मानसून आने में देर हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार वह कमजोर रहने वाला है, जबकि प्री-मानसून में भी बारिश बहुत कम हुई है। इसके साथ ही आधिकारिक तौर पर चार माह के लिए बारिश के मौसम की शुरुआत होती है। लेकिन इस बार आठ जून को मानसून के केरल तट पहुंचते की संभावना जताई गई थी। गौरतलब है कि पिछले कुछ सालों से भारतीय मानसून को अल-नीनो ने कमजोर करते आ रहा था। कृषि, भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ होने के कारण मानसून यहां की कृषि और अर्थव्यवस्था, दोनों को समान रूप से प्रभावित करता है। वास्तव में, मानसून के आसपास भारतीय अर्थव्यवस्था घूमती है। मानसून असफल रहता है तो देश के विकास और अर्थव्यवस्था पर विपरित प्रभाव पड़ेगा। दरअसल, एक खराब मानसून न केवल तेजी से बढ़ती उपभोक्ता वस्तुओं की मांग को कमजोर करता है, बल्कि आवश्यक खाद्य वस्तुओं के आयात को भी बढ़ावा देता है, और सरकार को कृषि ऋण छूट जैसे उपाय करने को भी मजबूर करता है। जिससे सरकार पर वित्त का दबाव बढ़ जाता है। वातावरण में आ रहे बदलावों ने बीते कुछ दशकों के दौरान मानसून के मिजाज को बदल डाला है। विशेषज्ञों को लग रहा है कि हमें अपनी खेती में बड़े बदलाव लाने की जरूरत है। उनका मानना है कि अगर जल्द ही हमारी खेती ने मानसून के बदले मिजाज के साथ तालमेल नहीं बिठाया तो एक अरब से ज्यादा आबादी वाले हमारे देश में अभूतपूर्व खाद्यान्न संकट पैदा हो सकता है। जाहिर है, जिस तरह से सिंचाई भगवान भरोसे है और ग्लोबल वार्मिंग से बारिश का चक्र बदल रहा है। उसका सीधा असर कृषि पर पड़ रहा है।

इससे राष्ट्रीय आय में गिरावट के चलते सरकार का राजस्व तेजी से गिरावट आ सकती है। इसलिए कह सकते हैं कि राज्य का राजस्व और आय हर साल मॉनसून पर निर्भर करती है। इन्हीं वजहों से कहा जाता है कि मॉनसून का भारतीय अर्थव्यवस्था से गहरा नाता है। यदि मानसून कमजोर रहा तो देश के सामने कई मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। कृषि उत्पाद पर असर पड़ सकता है। पैदावार पूरी तरह प्रभावित होने से महंगाई का बढ़ना निश्चित है। इतना ही नहीं, अर्थव्यवस्था में प्राण फूंकने की कोशिशों को करारा झटका लग सकता है। वहीं ग्रामीण आमदनी और उपभोक्ता के खर्च के लिए मौसमी बारिश अहम कारक है। देश की दो-तिहाई भाग ग्रामीण क्षेत्रों में है, जहां कृषि ही आय का मुख्य स्रोत है। मानसून को लेकर जो खबरें आ रही हैं, उनसे लग रहा है कि परिस्थितियां डराने वाली होंगी। वास्तव में किसानों के लिए गर्मी के मौसम की बारिश बड़ी अहमियत रखते है क्योंकि देश के केवल 40 फीसद कृषि क्षेत्र के बारे में कहा जा सकता है कि वहां सिंचाई की सुविधाएं हैं और एकाध मानसून में वह गड़बड़ी बर्दाश्त कर सकता है। लेकिन शेष 60 फीसद इलाका मानसून पर ही निर्भर होता है। ऐसे में बारिश सामान्य से कम हुई तो मुश्किल होना स्वाभाविक है। यों कहें बारिश और खाद्यान्न उत्पादन का कीमतों से सीधा संबंध है। कम बारिश और उच्च मंहगाई का रिश्ता स्पष्ट दिखाई देता है। चूंकि देश के 14 करोड़ से अधिक परिवार खेती पर निर्भर है, इसलिए कम बारिश की स्थिति में खेती-किसानी से जुड़े अधिकांश छोटे किसानों का जीवन सर्वाधिक प्रभावित होता है। तो कहा जा सकता है कि अभी भी भारतीय कृषि बहुत हद तक मानसून पर निर्भर है। भारतीय खाद्यान्नों की शत-प्रतिशत पूर्ति यहां होने वाली कृषि से ही होती है, जो पूर्णतया खेती की सफलता पर निर्भर है। इसके अतिरिक्त, देश के 22 करोड़ पशुओं को चारा भी कृषि से ही प्राप्त होता है। कृषि के न होने या अत्याल्पावस्था में हो पाने की स्थिति में पशुओं से प्राप्त होने वाली आय तथा सुविधाओं में कमी आ जाती है। इस तरह मानसून के प्रतिकूल होने पर देश में खाद्यान्नों तथा कृषि से संबंद्ध विभिन्न उद्योगों के लिए कच्चा माल विदेशों से मांगना पड़ता है, जिसके लिए काफी मात्रा में विदेशी मुद्रा का व्यय होता है। मौसम अनुकूल रहता है तो इन्हीं उत्पादों का विदेशों को निर्यात कर बड़ी मात्रा में विदेशी पूंजी प्राप्त हो जाती है।

वातावरण में आ रहे बदलावों ने बीते कुछ दशकों के दौरान मानसून के मिजाज को बदल डाला है। विशेषज्ञों को लग रहा है कि हमें अपनी खेती में बड़े बदलाव लाने की जरूरत है। उनका मानना है कि अगर जल्द ही हमारी खेती ने मानसून के बदले मिजाज के साथ तालमेल नहीं बिठाया तो एक अरब से ज्यादा आबादी वाले हमारे देश में अभूतपूर्व खाद्यान्न संकट पैदा हो सकता है। जाहिर है, जिस तरह से सिंचाई भगवान भरोसे है और ग्लोबल वार्मिंग से बारिश का चक्र बदल रहा है। उसका सीधा असर कृषि पर पड़ रहा है। बेशक, दिन प्रतिदिन हमारी जरूरतें बढ़ रही हैं। 2050 में 1.6 से 1.7 अरब भारतीयों का पेट भरने के लिए हमें 45 करोड़ टन खाद्यान्न की जरूरत होगी यानी मौजूद से दुगना। ऐसे में बिना सिंचित क्षेत्र में वृद्धि के सिर्फ मानसून भरोसे इसे हासिल करना असंभव है। यह विडंबना है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम मानसून पर निर्भरता कम नहीं कर पाए।

प्रेरक प्रसंग

दूरदृष्टि

बहुत दिनों की बात है हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी गांव में एक बूढा रहता था, जो महामूर्ख के नाम से चर्चित था। उसके घर के सामने दो बड़े पहाड़ थे, जिससे आने जाने में असुविधा होती थी। पहाड़ के दूसरी ओर पहुंचने में कई दिन लग जाते थे।

एक दिन उसने अपने दोनो बेटों को बुलाया और उनके हाथों में फावड़ा थमाकर दृढ़ता से दोनो पहाड़ों को काट कर उनके बीच रास्ता बनाना शुरू करवा दिया। यह देखकर कसबे के लोगों ने मजाक उड़ाना शुरू कर दिया- तुम सचमुच महामूर्ख हो। इतने बड़े बड़े पहाड़ों को काटकर रास्ता बनाना तुम बाप बेटों के बस से बाहर है। बूढ़े ने उत्तर दिया- मेरी मृत्यु के बाद मेरे बेटे यह कार्य जारी रखेंगे। बेटों के बाद पोते और पोतों के बाद परपोते। इस तरह पीढ़ी दर पीढी पहाड़ काटने का सिलसिला जारी रहेगा। हालांकि पहाड़ बड़े हैं लेकिन हमारे हौसलों और मनोबल से अधिक बड़े तो नहीं हो सकते। हम निरन्तर खोदते हुए एक न एक दिन रास्ता बना ही लेंगे। आने वाली पीढ़ियां आराम से उस रास्ते से पहाड़ के उस पार जा सकेंगी।

उस बूढ़े की बात सुनकर लोग दंग रह गए कि जिसे वे महामूर्ख समझते थे उसने सफलता के मूलमन्त्र का रहस्य समझा दिया। गांव वाले भी उत्साहित होकर पहाड़ काट कर रास्ता बनाने के उसके काम में जुट गए। कहना न होगा कि कुछ महीनों के परिश्रम के बाद वहां एक सुंदर सड़क बन गई और दूसरे शहर तक जाने का मार्ग सुगम हो गया। इसके लिये बूढ़े को भी दूसरी पीढ़ी प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ी।

दृढ़ संकल्प, लगन, और कड़ी मेहनत के साथ-साथ सकारात्मक सोच रहे तो सफलता जल्दी ही प्राप्त हो जाती है।

आपका पत्र मिला

दर्दनाक अग्निकांड से सबक लेना होगा

विगत कुछ समय से अग्निकांड की घटनाएं कहीं न कहीं सुर्खियों मे बनी रहती है, कभी हॉस्पिटल, तो कभी कोचिंग संस्थान तो कभी उत्सव, समारोह इत्यादि में! लखनऊ का अग्निकांड दिल दहला देने वाला और जीवन भर माता पिता परिजनों कों गहरे जख्म देने वाला अग्निकांड हो गया! माता पिता के लाड़ले बेटे बेटियों कों मौत ने इस तरह निगल लिया की चीख पुकार और बचाव और हैरानी मलाल ही नजर आए! 15 जानें गई जिसमे ज्यादातर बच्चों का ही जीवन खत्म हुआ! देश मे इस महीने मे हुआ यह दूसरा बड़ा अग्निकांड है, इससे पहले 3 जून को दिल्ली के मालवीय नगर के होटल मे 21 लोग जिन्दा जल गए थे, सबसे दुःखद तो यह होता है की हादसों के बाद सबक और क्या बचाव हो सकता है ऐसी घटनाओं से नगन्य होता है! जागरूकता तभी अचानक दस्तक देती है ज़ब हम घटना के चक्रयु मे या उसके करीब होते है! अग्निकांड के हादसे विचलित करने वाले और चिंतनीय है! अगर गाइड लाइन का पालन नहीँ हो रहा था तो आला अफसरों कों कौन सी गहरी नींद लगी थी. जिस पर पूर्व मे ध्यान नहीँ दिया! आखिर इन 15 मौत का जवाबदार कौन? क्यों न इस अग्निकांड से सबक ले, और कारगर रणनीति तैयार करे ताकि अग्निकांड के हादसों पर रोक लगे, माता पिता और परिजन भी कोचिंग संस्थान मे बच्चों कों भेजनें से पहले विजिट कर संतुष्ट हो ले, इस दर्दनाक हादसे से सबक लेना होगा!

योगेश जोशी
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं।
संपादक,
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrab-harat77@gmail.com

शिक्षा सिर्फ किताबों में नहीं व्यापक ज्ञान की ओर

21वीं सदी केवल तकनीकी प्रगति की नहीं, बल्कि मानवीय चुनौतियों की भी सदी है। आज बच्चे सूचना और तकनीक से घिरे हुए हैं, फिर भी वे भावनात्मक रूप से असुरक्षा और तनाव का सामना कर रहे हैं। ऐसे में केवल शैक्षणिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। यदि शिक्षा बच्चों को जीवन की कठिनाइयों से जूझने का साहस और भावनात्मक समझ नहीं देती, तो वह अधूरी है। इसीलिए जीवन कौशल शिक्षा आवश्यक है। यह बच्चों को आत्मविश्वास, सही निर्णय लेने की क्षमता, भावनात्मक संतुलन और वास्तविक परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करती है। जीवन कौशल केवल कॅरिअर नहीं, बल्कि संपूर्ण व्यक्तित्व विकास और एक सशक्त समाज के निर्माण की आधारशिला है। **जीवन कौशल क्या हैं?-** जीवन कौशल वे मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक क्षमताएं हैं, जो व्यक्ति को जीवन की विभिन्न परिस्थितियों का संतुलित और प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बनाती हैं। ये कौशल स्पष्ट सोच, सही निर्णय, प्रभावी संवाद और समस्याओं के तार्किक समाधान में सहायता करते हैं। जीवन कौशल केवल व्यावहारिक दक्षताओं तक सीमित नहीं, बल्कि व्यक्तित्व और दृष्टिकोण को भी परिपक्व बनाते हैं। इनमें आत्म-जागरूकता, आत्म-नियंत्रण, सहानुभूति, नेतृत्व क्षमता, समय-प्रबंधन, टीमवर्क और रचनात्मक सोच जैसे गुण शामिल हैं। इनके विकास से व्यक्ति व्यक्तिगत जीवन में सफल होने के साथ-साथ समाज में एक जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक भी बनता है। **दबाव से मुक्ति-** वर्तमान समय में युवाओं को पढ़ाई, कॅरिअर, प्रतिस्पर्धा और सामाजिक दबावों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में केवल पाठ्यपुस्तक ज्ञान पर्याप्त नहीं होता। जीवन कौशल शिक्षा विद्यार्थियों को तनाव का प्रबंधन करने, सही निर्णय लेने और सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायता करती है। इसके माध्यम से वे आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बन पाते हैं। **शिक्षा प्रणाली में भूमिका-** विद्यालयों और महाविद्यालयों में जीवन कौशल शिक्षा को गतिविधियों, समूह चर्चाओं, भूमिका अभिनय, परियोजना कार्यों और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से प्रभावी रूप से शामिल किया जा सकता है। इससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है तथा उनमें नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना का विकास होता है। **प्रमुख कौशल-** प्रमुख जीवन कौशलों में संचार, समस्या समाधान, निर्णय क्षमता, भावनात्मक संतुलन तथा टीमवर्क और नेतृत्व शामिल हैं। संचार कौशल व्यक्ति को अपने विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में मदद करता है।

जीवन कौशल भी जरूरी

21वीं सदी की शिक्षा : केवल डिग्री नहीं कौशल से बदलेगी देश की तस्वीर

आज के प्रतिस्पर्धी युग में शिक्षा का अर्थ केवल किताबी ज्ञान या परीक्षा में अच्छे अंक लाना मात्र नहीं रह गया है। बदलते समय के साथ शिक्षा की परिभाषा और उद्देश्य दोनों में आमूल-चूल परिवर्तन आए हैं। अब सवाल यह नहीं है कि आपने कितना पढ़ा है, बल्कि यह है कि आपने क्या सीखा है।

डिग्री बनाम दक्षता - आंकड़े बताते हैं कि हर साल लाखों छात्र स्नातक होकर निकलते हैं, लेकिन उनमें से एक बड़ा हिस्सा रोजगार के योग्य नहीं होता। इसका मुख्य कारण हमारी पारंपरिक शिक्षा पद्धति और उद्योग की जरूरतों के बीच का अंतर है। नई शिक्षा नीति 2020 ने इस अंतर को पाटने की कोशिश की है। अब कोडिंग, वित्तीय साक्षरता और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों को प्राथमिक स्तर पर शामिल किया जा रहा है, जो एक स्वागत योग्य कदम है।

डिजिटल शिक्षा- वरदान या चुनौती?- 2026 के इस दौर में शिक्षा पूरी तरह से हाइब्रिड हो चुकी है। स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन लर्निंग ने दूर-दराज के गांवों तक शिक्षा पहुँचाई है। लेकिन, क्या हम डिजिटल डिवाइड को खत्म कर पाए हैं? आज भी कई इलाकों में इंटरनेट और बिजली की अस्थिरता छात्रों के भविष्य के बीच दीवार बनकर खड़ी है। सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर इस बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा।

मानसिक स्वास्थ्य : शिक्षा का अनदेखा पहलू- प्रतिस्पर्धा की दौड़ ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाला है। कोटा से लेकर कानपुर तक, परीक्षा के दबाव में छात्रों के आत्मघाती कदम समाज के लिए चेतावनी हैं।

शिक्षा का असली उद्देश्य इंसान को निखारना है, उसे बोझ तले दबाना नहीं। स्कूलों में परामर्शदाताओं की नियुक्ति और खेल-कूद के साथ-साथ योग को प्राथमिकता देना अब वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य होना चाहिए। शिक्षा वह निवेश है जिसका लाभांश पीढ़ी दर पीढ़ी मिलता है।

हमें ऐसी शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता है जो छात्रों को केवल नौकरी पाने वाला न बनाए, बल्कि नौकरी देने वाला बनने के लिए प्रेरित करे। जब हम नैतिक मूल्यों के साथ आधुनिक तकनीक का समन्वय करेंगे, तभी भारत सही मायनों में विश्व गुरु बन पाएगा।

कॅरियर अलर्ट

यूपी एक्साइज कॉन्स्टेबल भर्ती

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) द्वारा विधान भवन रक्षक एंव विधान भवन आग्निक/अग्निरक्षक मुख्य परीक्षा 2026 के आवेदन लिए जा रहे हैं। 170 पद भरे जाएंगे। जिन उम्मीदवारों ने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास की है और PSSSC PET 2025 का स्कोरकार्ड हासिल किया है, वो अप्लाई कर सकते हैं। एप्लिकेशन विंडो upsssc.gov.in 29 जून तक खुली रहेगी। पुरुष कैंडिडेट्स की हाइट 168 सेमी, एसटी पुरुष अभ्यर्थियों की लंबाई 160 सेमी होनी चाहिए। वहीं महिला कैंडिडेट्स की हाइट 152 सेमी, (एसटी की 147सेमी) होनी चाहिए।

इंडियन नेवी अग्निवीर भर्ती

अविवाहत पुरुष कैंडिडेट्स के लिए नेवी में जाने का भी मौका है। इंडियन नेवी ने अग्निवीर अप्रेंटिस भर्ती के लिए फॉर्म निकाले हैं। जिसके लिए अंतिम तिथि 29 जून 2026 शाम 5 बजे तक एप्लिकेशन प्रोसेस ऑनलाइन पूरा किया जा सकता है। आवेदकों का 10वीं पास के साथ AICTE से 3 साल डिप्लोमा/या पॉलिटेक्निक डिप्लोमा 50 प्रतिशत अंकों के साथ पूरा किया होना चाहिए। फॉर्म फिल करने के लिए कैंडिडेट्स को ऑनलाइन 550 रुपये एप्लिकेशन फीस जमा करनी होगी।

यूपीएसएसएससी लोअर पीसीएस वैकेंसी

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा ग्रेजुएट (लेवल) मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन की लास्ट डेट और रिक्तियों की संख्या दोनों में बढ़ोत्तरी की है। इस भर्ती के जरिए अब 2285 की जगह 2516 पदों पर उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। वहीं अब कैंडिडेट्स अंतिम तिथि 25 जून 2026 तक लोअर पीसीएस का फॉर्म भर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन में सुधार करने की विंडो 2 जुलाई 2026 तक खुली रहेगी। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन की डिग्री और यूपीएसएसएससी पीईटी 2025 का स्कोरकार्ड होना चाहिए।

खुद की परीक्षा लेना क्यों है जरूरी? प्रीटेस्टिंग से कैसे बनती है मजबूत याददाश्त और बेहतर सोच

अक्सर हममें से कई लोग परीक्षा का नाम सुनते ही घबरा जाते हैं। पिछले बुरे अनुभवों, समय या आत्मविश्वास की कमी के चलते ऐसा होना लाजिमी भी है। याद रखें, किसी चीज की शुरुआत करने से पहले उससे संबंधित खुद की परीक्षा लेने से न सिर्फ शानदार परिणाम मिलते हैं, बल्कि चीजें लंबे समय तक याद भी रहती हैं? जरा सोचकर देखिए, अगर आपको किसी काम के पहले ही दिन उससे जुड़ी एक मुश्किल परीक्षा से गुजरना पड़े, भले ही आप इसमें असफल हो जाएं, तो? शोध बताते हैं कि ऐसा करने से आपके दिमाग को यह संकेत मिलता है कि आपके लिए क्या महत्वपूर्ण है और किस दिशा में आगे बढ़ना है। इसे प्रीटेस्टिंग या पूर्वपरीक्षण कहा जाता है। इसके जरिये न सिर्फ पढ़ाई या परीक्षा की तैयारी की रूपरेखा बनाने में, बल्कि सही दिशा में बेहतर ढंग से आगे बढ़ने में भी मदद मिलती है।

प्रीटेस्टिंग के फायदे

प्रोटेस्टिंग से छात्रों को यह समझने में मदद मिलती है कि परीक्षा के लिए क्या जरूरी है और किस तरह के सवाल पूछे जा सकते हैं। इससे छात्रों और शिक्षकों, दोनों को लाभ होता है। सबसे जरूरी बात यह है कि छात्र इससे यह सीखते हैं कि किसी विषय के बारे में कैसे और क्या सोचना है। वे अलग-अलग विचारों को जोड़कर एक ऐसी समझ बनाते हैं, जिससे उन्हें यह तय करने में मदद मिलती है कि क्या महत्वपूर्ण है और क्या नहीं। इससे आलोचनात्मक सोच भी विकसित होती है, जिसे अन्य तरीकों से सीखने में काफी कठिनाई आती है।

फ्रांसिस बेकन की सीख

समय-समय पर खुद की परीक्षा लेना सिर्फ यह जांचने के लिए नहीं होता है कि आप क्या जानते हैं, बल्कि यह पढ़ाई करने का भी एक दमदार तरीका है। 1620 में भी, दार्शनिक फ्रांसिस बेकन ने कहा था कि किसी पाठ को बीस बार पढ़ने के बजाय, उसे दस बार पढ़ना और बीच-बीच में उसे याद करने का अभ्यास करना बेहतर होता है। इस दौरान अगर आप कुछ भूल जाते हैं, तो उसे फिर से पढ़ें। इस तरीके से चीजों व तथ्यों को लंबे समय तक याद रखने में मदद मिलती है। कुछ पढ़ने या सौखने के तुरंत बाद उसका टेस्ट लेने से याददाश्त मजबूत होती है, भले ही आपने सिर्फ एक ही बार पढ़ा या सीखा हो।

नहीं भूलेंगे चीजें

कई बार आप अच्छी पढ़ाई करने के बाद भी परीक्षाओं में अच्छा नहीं कर पाते हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि आप मान लेते हैं कि अगर कोई चीज अभी आसानी से याद हो रही है, तो वह हमेशा याद ही रहेगी।

अभ्यास

1. निम्न में से किस दिन हर साल अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस मनाया जाता है?
(क) 20 जून
(ख) 21 जून
(ग) 22 जून
(घ) 23 जून
उत्तर- (घ)

2. निम्न में से किस राज्य में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भारत की पहली वाणिज्यिक स्तर की कोयला-से-अमोनियम नाइट्रेट परियोजना का उद्घाटन किया गया?
(क) बिहार
(ख) ओडिशा
(ग) तमिलनाडु
(घ) मध्य प्रदेश
उत्तर- (ग)

3. कादियान-ब्यास रेलवे लाइन परियोजना किस राज्य से संबंधित है जिसे हाल ही में फिर से शुरू किया गया है?
(क) मध्य प्रदेश
(ख) पश्चिम बंगाल
(ग) बिहार
(घ) पंजाब
उत्तर- (ख)

4. निम्न में से किस राज्य में जल संरक्षित परियोजना के लिए विश्व बैंक ने 4,000 करोड़ रुपये का ऋण देने की मंजूरी दी है?
(क) मध्य प्रदेश
(ख) बिहार
(ग) तमिलनाडु
(घ) हरियाणा
उत्तर- (क)

5. भारत को खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) की 'स्टेट ऑफ़ वर्ल्ड फ़िशरीज़ एंड एक्वाकल्चर 2026' रिपोर्ट में वैश्विक जलीय जीवों के उत्पादन में कौन सा स्थान दिया गया?
(क) दूसरा
(ख) चौथा
(ग) पांचवां
(घ) सातवाँ
उत्तर- (घ)

इंटरव्यू में सिर्फ ज्ञान नहीं, नेतृत्व क्षमता साबित करना भी है जरूरी

आज का कार्य वातावरण तेजी से बदल रहा है। तकनीक, बाजार और कार्यशैली में लगातार परिवर्तन हो रहे हैं, इसलिए संगठनों को ऐसे लीडर्स की जरूरत है, जो इन बदलावों के बीच भी प्रभावी नेतृत्व कर सकें। वरिष्ठ पद के साक्षात्कार में केवल उपलब्धियां और टीम विकास का अनुभव ही पर्याप्त नहीं होते। कंपनियां यह भी देखती हैं कि आप अनिश्चित परिस्थितियों में कैसे निर्णय लेते हैं और बदलाव को कैसे संभालते हैं। अनुकूलनशीलता एक महत्वपूर्ण नेतृत्व कौशल है, जो नई परिस्थितियों में जल्दी ढलने और चुनौतियों के बीच भी परिणाम देने की आपकी क्षमता को दर्शाती है। इसलिए केवल तेजी से सीखने वाला कहना काफी नहीं, बल्कि ठोस उदाहरणों के साथ यह दिखाना जरूरी है कि आपने बदलाव के दौर में सफल नेतत्व कैसे किया।

कहानी के लिए पद्धति अपनाएं- अपनी कार्यकुशलता दिखाने के लिए स्थिति, कार्य, क्रिया, परिणाम सीख (स्टार एल) पद्धति अपनाएं। पहले चुनौतीपूर्ण स्थिति और अपनी जिम्मेदारी बताएं, फिर समझाएं कि आपने उससे निपटने के लिए क्या कदम उठाए। इसके बाद मापने योग्य परिणाम साझा करें और अंत में यह स्पष्ट करें कि उस अनुभव से आपने क्या सीखा और वह आपको आज बेहतर नेता कैसे बनाता है।

रणनीतिक बने रहें- साक्षात्कार में ऐसे उदाहरण साझा करें, जहां बाजार के आंकड़ों या ग्राहकों की प्रतिक्रिया के आधार पर आपको अपनी परियोजना में बदलाव करना पड़ा हो। साथ ही, सीमित संसाधनों या कम समय में परिणाम देने और नई तकनीक या प्रक्रिया को शुरुआती विरोध के बावजूद सफलतापूर्वक लागू करने के अनुभव भी बताएं। ऐसे उदाहरण आपकी लचीलापन, संसाधनशीलता और परिवर्तन प्रबंधन क्षमता को दर्शाते हैं।

नेतृत्व का प्रदर्शन करें- साक्षात्कार में बताएं कि कठिन समय या पुनर्गठन के दौरान आपने टीम का नेतृत्व कैसे किया, उनकी चिंताओं को समझकर स्पष्ट दिशा और प्रेरणा दी। साथ ही, जरूरत पड़ने पर अपनी नेतृत्व शैली में बदलाव कर नई टीम या संस्कृति के अनुरूप कैसे काम किया। ऐसा उदाहरण भी साझा करें, जब संवाद के माध्यम से आपने टीम को बदलाव स्वीकार करने और नई प्रक्रिया अपनाने के लिए तैयार किया।

विनम्रता सिर्फ गुण नहीं बल्कि जरूरी कौशल है

जब संगठन विनम्रता व दयालुता जैसे मूल्यों को गंभीरता से नहीं लेते, तो उसके नकारात्मक परिणाम स्पष्ट दिखाई देने लगते हैं। कर्मचारी या तो नौकरी छोड़ने लगते हैं,या मानसिक रूप से दूर हो जाते हैं। इससे आपसी विश्वास कमजोर पड़ जाता है, टीमें खुलकर संवाद करना बंद कर देती हैं, और ऊर्जा का बड़ा हिस्सा तनाव व संघर्ष सुलझाने में व्यर्थ होने लगता है। अंततः इसका सीधा प्रभाव संगठन के प्रदर्शन और वातावरण पर पड़ता है।

विनम्रता कोई दिखावटी या केवल %अच्छा व्यवहार% भर नहीं है। यह एक रणनीतिक और अनिवार्य कौशल है, जो संगठनात्मक स्वास्थ्य, उच्च प्रदर्शन करने वाली टीमों और मनोवैज्ञानिक सुरक्षा की नींव बनता है। अच्छा व्यवहार अक्सर समस्याओं से बचने की प्रवृत्ति रखता है, जबकि सच्ची दयालुता कठिन विषयों पर भी सम्मान और संवेदनशीलता के साथ संवाद करने का साहस प्रदान करती है। यह विश्वास को मजबूत करती है, कर्मचारियों को संगठन से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करती है, तनाव को कम करती है और अंततः बेहतर प्रदर्शन का मार्ग प्रशस्त करती है। **दयालुता बनाम विनम्रता**-संगठन में विनम्रता तभी विकसित होती है, जब लीडर खुद अपने व्यवहार से उसका उदाहरण पेश करते हैं। जब संगठन यह मान लेता है कि विनम्र होना कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता और पेशेवर मजबूती का संकेत है, तब लोग एक-दूसरे का सहयोग करते हैं। इसके परिणाम यह होता है कार्यस्थल पर काम की गुणवत्ता बढ़ती हैं। **मजबूत संस्कृति का निर्माण**-संगठनों में विनम्रता केवल एक भावनात्मक गुण नहीं, बल्कि एक मूलभूत और मापी जा सकने वाली क्षमता है।

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ
बुधवार, 24 जून 2026

श्री शुभ सम्वत् 2083 शके1948 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते ग्रीष्म ऋतौ ज्येष्ठ मासोत्तमे शुक्ल पक्षे दशमी तिथौ बुध वासरे 18/13/ चित्रा नक्षत्रे 14/00/ परिध योग 10/23/ तैतिल करणे 05/26/ तुला राशिगत चन्द्रमा घं.मि.पर।

व्रत एवं त्यौहार- गंगा दशमी। श्री गंगा दशहरा।

मेष : परीक्षा प्रतियोगिता में सफलता के योग रहेंगे। उत्तरदायित्वों की पूर्ति होगी। दैनिक सुख संसाधनो की वृद्धि होगी।

वृष : श्रेष्ठजनो का अनुग्रह मिलेगा। मिथ्यारोप भय रहेगा। भागदौड़ की अधिकता रहेगी। कानूनी कार्यों पर व्यय होगा।

मिथुन : शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। आर्थिक एवं सामाजिक पक्ष मजबूत होंगे।

कर्क : परिवार का सहियोग मिलेगा। यात्रा एवं देशाटन की स्थिति सुखद होगी।

सिंह : निजी सम्बन्ध प्रगाढ़ होंगे। जीवन के क्षेत्र में प्रगति होगी। सम्मान में वृद्धि होगी।

कन्या : व्यवसयिक योजना को बल मिलेगा। सम्बन्धो में निकटता आएगी। जीवन साथी का सहियोग मिलेगा।

तुला : सत परामर्श से मार्ग प्रशस्त होगा। दांपत्य सुख उत्तम रहेगा। वृद्ध परिजन की चिंता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : सम्बन्धों में निकटता आयेगी। किसी कार्य के सम्पन्न होने से प्रभाव में वृद्धि होगी।

धनु : विरोधी परास्त्र होंगे। घरेलू व्यय भार बढ़ेगा। इच्छित वस्तु की प्राप्ति होगी। आकस्मिक यात्रा का योग बनेगा।

मकर : सन्तान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यवसायिक एवं आर्थिक स्थति में सुधार होगा।

कुंभ : सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। लाभ मार्ग प्रशस्त होगा। उधार देने से बचे। जनसंपर्क में वृद्धि होगी।

मीन : जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। रुके कार्यों में प्रगति होगी। नए कार्यों को टालना हितकर रहेगा। वाद-विवाद टाले

भविष्य को बेहतर बनाने के लिए ऐसे निर्णय लेना जरूरी

भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आज ऐसे निर्णय लेना जरूरी है, जो आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों और इच्छित पहचान के अनुरूप हों। हर निर्णय को केवल तात्कालिक लाभ के रूप में नहीं, बल्कि समय के साथ बढ़ने वाले निवेश की तरह देखना चाहिए। प्रभावी भविष्योन्मुखी निर्णय वही है, जिसमें वर्तमान की आवश्यकताओं और भविष्य की संभावनाओं के बीच संतुलन बनाया जाए, दूरदर्शिता से परिणामों का अनुमान लगाया जाए और आगे चलकर पछतावा न हो। दरअसल, हमारे रोजमर्रा के निर्णय ही हमारे आने वाले कल की दिशा तय करते हैं। **भविष्य-उन्मुख योजना का उपयोग करें-** केवल वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर अनुमान लगाने के बजाय पहले यह स्पष्ट करें कि आप पांच या दस वर्षों बाद खुद को कहां देखना चाहते हैं। जब आपका लक्ष्य साफ हो जाता है, तो वहां तक पहुंचने के लिए आवश्यक कौशल, अनुभव और कदमों की पहचान करें। यानी भविष्य की स्थिति तय करके पीछे की ओर सोचें और आज से ही उसी दिशा में ठोस और योजनाबद्ध कदम उठाएं। **अतीत की समझ का लाभ उठाएं-** हमें अपने पिछले अनुभवों पर केवल अफसोस या गर्व करने के लिए नहीं, बल्कि उनसे सीख लेने के लिए विचार करना चाहिए। जब हम समझते हैं कि किन निर्णयों से अच्छे परिणाम मिले और किनसे नहीं, तो हमें अपनी ताकत और कमजोरियों की सही पहचान होती है। इसे ही अंतर्दृष्टि कहते हैं। साथ ही, यह भी सोचना चाहिए कि आज जो कदम हम उठा रहे हैं, उनका आगे चलकर क्या प्रभाव पड़ेगा। यानी किसी भी निर्णय से पहले उसके संभावित दीर्घकालिक परिणामों पर विचार करना ही भविष्य की समझ है। जब हम अतीत से सीख और भविष्य की सोच को साथ जोड़ते हैं, तब हमारे निर्णय अधिक परिपक्व और प्रभावी बनते हैं। **भविष्य के परिणामों से जुड़ें-** हम आज जो भी चुन रहे हैं, चाहे वह हमारी दैनिक आदतें हों, धन से जुड़े निर्णय हों या हमारे संबंध, उनके केवल तात्कालिक लाभ को न देखें, बल्कि यह भी सोचें कि उनका असर कुछ साल बाद क्या होगा। उदाहरण के लिए, छोटी-छोटी अच्छी आदतें (जैसे नियमित पढ़ाई, स्वास्थ्य का ध्यान रखना) भविष्य में बड़ा लाभ देती हैं, जबकि लापरवाही आगे चलकर नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए समझदारी यह है कि हर विकल्प पर सक्रिय रूप से विचार करें, ताकि संभावित जोखिमों से समय रहते बचा जा सके और दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित किया जा सके। **आदर्शों से सीखें-** चूंकि भविष्य की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, इसलिए निर्णय अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के आधार पर लें और यह स्वीकार करें कि परिणाम अनिश्चित हो सकते हैं।

पुलिस ने दबोचे वारन्टी

कोंच(कैलिया)। थाना कैलिया में दर्ज मुकदमा संख्या 834/23 धारा 498,323,504,506 आई पी सी व 3/4 डीपी एक्ट दीप्ति बनाम चंदन आदि न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट कोंच से वारंट जारी थे जिस पर वारन्टी अभियुक्तगण चंदन पुत्र कालीचरन व लक्ष्मी उर्फ राकेश कुशवाहा पुत्र कालीचरन निवासीगण ग्राम धौरपुर थाना कैलिया को पकड़कर न्यायालय में पेश किया गया जिन्हें गिरफ्तार करने बाली टीम में कैलिया थानाध्यक्ष अवनीश कुमार उपनिरीक्षक सन्तोष सिंह कांस्टेबिल अमन पटेल शामिल है।

खबर एक नज़र

नाम के नहीं, काम के हुसैनी बनो मौलाना सादिक रज़वी का पैगाम

स्वतंत्र भारत ब्यूरो उरई (जालौन) । मोहल्ला तिलक नगर स्थित बरकाती ग्राउंड में मुस्लिम वेल्फेयर एसोसिएशन के गोल्डन जुबली 50वें वार्षिक दस दिवसीय कार्यक्रम की छठी महफिल सोमवार की रात आयोजित हुई। पैगाम-ए-शहीदे आज़म कॉन्फ्रेंस का आगाज हाफिज फजले अजीम ने तिलावत-ए-कलाम-ए-पाक से किया, जबकि संचालन डा. मुहम्मद नासिर बेग बरकाती ने किया।

मुंबई से आए आले सुन्नी दावते इस्लामी के मुबल्लिग मौलाना सादिक रज़वी ने हजरत उस्मान की शहादत पर विस्तार से बयान करते हुए कहा कि हजरत उमर फारुके आज़म की शहादत के बाद हजरत उस्मान खलीफा चुने गए और उन्होंने बारह वर्षों तक खिलाफत संभाली। 82 वर्ष की आयु में 18 जिलहिज्जा 35 हिजरी को मिस्र के बागियों ने घेराव करके फज्र के वक्त उन्हें शहीद कर दिया, जब वे कुरआन की तिलावत कर रहे थे।मौलाना सादिक रज़वी ने अपने संबोधन के दौरान कहा, ष्नाम के नहीं, काम के हुसैनी बनो। उन्होंने मुसलमानों से अपील की कि वे हुसैनी जज्बे को अपने व्यवहार में उतारें और शरियत के अनुरूप जीवन जिएं। अंत में मुस्लिम वेल्फेयर एसोसिएशन के सदर शारिक बेग बरकाती ने आए हुए लोगों का शुक्रिया अदा किया। कार्यक्रम के बाद लंगर बांटा गया। इस मौके पर सैय्यद इसराफील, अब्दुल रज्जाक, अब्दुल वहाब, मकसूद अहमद, वासिक बेग बरकाती, नासिरुद्दीन खान, आकिल बेग, रईस, तालिब बेग, नबीउद्दीन, जमीर खान, आमिर गौरी, रुमान, तारिक, अनवारुल, जिया, दानिश बेग समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुठौंद में प्रसूता की मौत, आशा बहू पर लापरवाही का आरोप

स्वतंत्र भारत ब्यूरो कुठौंद(जालौन)। जनपद जालौन के कस्बा कुठौंद स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में एक महिला की प्रसव के दौरान मौत हो गई। यह घटना 22 जून को लगभग 1 बजे की है, जब रंजना देवी (25), पत्नी गोलू दोहरे, निवासी इटहा-कालपी, प्रसव के लिए अस्पताल पहुंची थीं।

मिली जानकारी के अनुसार, प्रसव पीड़ा से पीड़ित महिला के परिजन अपने साथ ग्राम पंचायत ऊमरी-मसगांव में तैनात आशा बहू (केशमवती) को लेकर आए थे, जो इटहा के लोगों की रिश्तेदार हैं। आरोप है कि अस्पताल के डॉक्टरों और नर्सों की बजाय आशा बहू ने ही प्रसव कराया और अपनी अयोग्यता का परिचय देते हुए महिला के पेट को जबरदस्ती दबाया। इससे अत्यधिक रक्तस्राव शुरू हो गया, जिसे डॉक्टर भी नियंत्रित नहीं कर पाए। हालत बिगड़ने पर डॉक्टर ने दोपहर करीब 1:30 बजे महिला को उरई अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन वहां पहुंचते ही लगभग 3 बजे उसकी मौत हो गई। हालांकि, नवजात शिशु को सुरक्षित बताया जा रहा है। मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस घटना ने एक बार फिर गरीब महिलाओं के प्रसव के दौरान होने वाली मौतों पर सवाल खड़े कर दिए हैं और जिम्मेदारी तय होने की मांग उठ रही है।

जुलाई माह में चलाया जाएगा संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान, संचारी रोगों के प्रति बढ़ेगी जागरुकता

प्रथम अन्तर्विभागीय बैठक में जिलाधिकारी ने निर्धारित किये अधिकारियों के दायित्व

हाई रिस्क ग्रामों व वार्डो में चलेगा सघन सफाई अभियान, डीपीआरओ व ईओ को दी जिम्मेदारी

स्कूल खुलने से पहले परिषदीय विद्यालयों की होगी सफाई, एबीएसए निरीक्षण कर देंगे रिपोर्ट

ललितपुर। आगामी जुलाई माह में चलने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के सफल संचालन हेतु जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने कलेक्ट्रेट सभागार में सम्बंधित अधिकारियों के साथ प्रथम अन्तर्विभागीय बैठक कर अभियान की रूपरेखा निर्धारित की, उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारी अपनी-अपनी गतिविधियों को माइक्रोप्लान के अनुसार ससमय उच्च गुणवत्ता के साथ एवं पिछले अभियान की कमियों को दूर करते हुए शतप्रतिशत सम्पन्न करायें, जिससे जनपद का फीडबैक एवं रैंकिंग राज्य स्तर पर उच्च स्थान पर रहे। अभियान में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। उन्होंने पंचायतीराज विभाग एवं नगर विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि गत् वर्षो के संचारी रोगों की स्थिति एवं हाईरिस्क ग्रामों वार्डो की सूची बनाकर इन गॉंवों वार्डो में विशेष अभियान चलायें और वहां नियमित साफ-सफाई, गढ्ढों को मिट्टी से भरवायें, झाड़ियों की कटाई, रुके हुए पानी की निकासी, नालियों की साफ-सफाई के साथ ही लार्वानाशक दवा का छिड़काव करायें, जिससे संचारी रोगों से होने वाली बीमारियों से बचाव किया जा सके, उन्होंने निर्देश दिये कि परिषदीय विद्यालयों के खुलने से पहले एक सप्ताह के अंदर सभी स्कूलों में सघन सफाई अभियान चलाया जाए, पानी की टंकियों को साफ कराया जाए और सभी एबीएसए सफाई के बाद विद्यालयों का निरीक्षण कर रिपोर्ट देंउन्होंने बैठक के माध्यम से आमजन से भी अपील की कि वर्षा ऋतु के आगमन से जल जनित एवं मच्छर जनित बीमारियों से खतरा जनमानस में बढ़ जाता है इसलिए घरों के आस-पास वर्षा का पानी खुले में इकठ्ठा न होने दें, क्योंकि इसी पानी में डेंगू मच्छर के लार्वा पनपते हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चैहान, नोडल वीबीडी डॉ. आरएन सोनी, पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट डॉ. सौरभ सक्सेना, नोडल अरबन डॉ. राजेश भारती, एपिडेमियोलाजिस्ट डॉ. देशराज, डीसीपीएम गणेश टेगुरिया, बेसिक शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, पंचायती राज विभाग, नगर विकास विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, दिव्यांग जनसशक्तिकरण विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग,सूचना विभाग आदि उपस्थित रहे।

समर कैंप में विद्यार्थियों ने रोमांचक एवं रचनात्मक गतिविधियों में लिया भाग

ललितपुर। एस.डी.पी.एस इंटरनेशनल स्कूल द्वारा आयोजित समर कैंप के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने उत्साह, ऊर्जा व उमंग के साथ विभिन्न रोमांचक एवं रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया। समर कैंप के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने तैराकी और निशानेबाजी जैसी रोमांचक गतिविधियों का आनंद लिया व बच्चों ने इन गतिविधियों में पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया और नई तकनीकों को सीखने का अनुभव प्राप्त किया। विद्यालय के चेयरमैन कमलेश चौधरी ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं व बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ ऐसे अनुभव देना आवश्यक है, जिससे उनका आत्मविश्वास और व्यक्तित्व निखर सके। विद्यालय के प्रधानाचार्य जॉन अरुणेश लाल ने विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि समर कैंप बच्चों को अपनी प्रतिभा पहचानने और नई क्षमताओं को विकसित करने का बेहतर अवसर प्रदान करता है।

जिला कारागार का संयुक्त निरीक्षण, बंदियों की सुविधाओं की समीक्षा

उरई : जेल का निरीक्षण करते जिलाजज,डीएम,एसपी ।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो उरई (जालौन)। जिला न्यायाधीश विरजेंद्र कुमार सिंह, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने आज जिला कारागार का संयुक्त निरीक्षण किया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिषेक खरे, सिविल जज सी.डी. प्रतिभा एवं जेल अधीक्षक प्रशांत मौर्य भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार की बैरकों, अस्पताल, पुस्तकालय, रसोईघर, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने बंदियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं एवं उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।कारागार अस्पताल में उपचाराधीन बंदियों की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने चिकित्सकीय सुविधाओं, दवा उपलब्धता एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला जज ने कहा कि कारागार केवल दंड का स्थान नहीं, बल्कि सुधार एवं पुनर्वास का केंद्र भी है। बंदियों के संवैधानिक एवं मानवाधिकारों की रक्षा के साथ सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विधिक सहायता, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल विकास गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया ताकि बंदी समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक पुनर्स्थापित हो सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं व्यवस्थाओं का नियमित अनुश्रवण किया जाए तथा प्रत्येक व्यवस्था को शासन के निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित किया जाए। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने तथा सतर्कता एवं निगरानी व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए।

वृक्षारोपण कर मनाया गया बलिदान दिवस

उरई : पौधारोपण करते पालिकाध्यक्ष व अन्य ।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो कोंच (जालौन)। भारतीय जन संघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिबस हर वर्ष 23 जून को मनाया जाता है। क्योंकि देश की एकता अखंडता और कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए 23 जून 1953 को उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया जाता है।

इसी को लेकर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिन मंगलवार को मुहल्ला पटेल नगर स्थित सागर पुलिस चैकी के प्रांगढ़ में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में बृक्षा रोपण कर डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिबस मनाया गया इस आयोजित कार्यक्रम को क्षेत्रीय वनाधिकारी संजीब कुमार तिवारी ने आयोजित कर मुख्य अतिथि से महोगनी आम आंवला नीम नीबू आदि बृक्षों को रोपित करबाते हुए हरित क्रांति का संदेश दिया इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने बोलते हुए कहा कि डा. मुखर्जी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक प्रखर राष्ट्रवादी शिक्षा विद और राजनेता के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और वह अखंड भारत के प्रबल समर्थक थे उन्होंने बंगाल विभाजन का विरोध किया था उन्होंने सत्ता की राजनीति से मोह भंग होने पर भारतीय जन संघ की स्थापना की यही नहीं उन्होंने अनुच्छेद 370 का विरोध करते हुए एक देश मे दो विधान दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा दिया। इसी कड़ी में अन्य बक्ताओं ने भी अपने अपने बिचार रखे। इस दौरान उप क्षेत्रीय बन अधिकारी अमित शर्मा बन दरोगा राजेश अस्थाना वर्षा सिंह बन रक्षक शिवम शर्मा रुव सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बकाया कर व किराया वसूली को पालिका ने कसी कमर, 45 दुकानदारों को नोटिस

उरई : वसूली अभियान की समीक्षा करते राजस्व निरीक्षक अजीत कुमार सिंह एवं पालिका कर्मचारी।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो कालपी (जालौन)। नगर पालिका परिषद ने गृहकर एवं दुकान किराया की बकाया वसूली को लेकर अभियान तेज कर दिया है। लंबे समय से बकाया जमा न करने वाले बड़े देनदारों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रथम चरण में 45 ऐसे दुकानदारों को चिन्हित किया गया है, जिन पर कई वर्षों से किराया बकाया चल रहा है।

मंगलवार को नगर पालिका परिषद के राजस्व निरीक्षक अजीत कुमार सिंह ने विभागीय कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक कर वसूली अभियान की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान बकायेदारों को नोटिस जारी करते हुए निर्धारित अवधि के भीतर बकाया राशि जमा कराने के निर्देश दिए गए।राजस्व निरीक्षक ने बताया कि कई दुकानदारों द्वारा चार से पांच वर्षों से दुकान किराया जमा नहीं किया गया है। ऐसे मामलों में सख्त रुख अपनाते हुए वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। चेतावनी दी गई है कि समय सीमा के भीतर भुगतान न होने पर संबंधित दुकानों को सील करने के साथ ही उनके पुनः आवंटन की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। अभियान के दौरान कुछ व्यापारियों ने मौके पर ही बकाया राशि जमा कराकर राहत प्राप्त की, जबकि अन्य को शीघ्र भुगतान करने के निर्देश दिए गए। नगर पालिका के अनुसार नगर क्षेत्र में लगभग 11,200 मकान तथा 272 पालिका स्वामित्व वाली दुकानें हैं, जिनसे प्राप्त होने वाला राजस्व नगर विकास कार्यों का प्रमुख आधार है। पालिका प्रशासन का कहना है कि राजस्व वसूली अभियान लगातार जारी रहेगा तथा बकाया कर और किराया जमा न करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अभियान में ओमजी गौतम, रफीक खान, विनोद गौतम, कन्हैया मिश्रा, देवेश शर्मा सहित विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

विश्व हिन्दू परिषद की मासिक बैठक संपन्न, संगठनात्मक विषयों पर हुई चर्चा

ललितपुर। सांई ज्योति संस्थान के अजय श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुये बताया कि विश्व हिन्दू परिषद की मासिक बैठक होटल गोल्डन ड्राइव में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विभाग मंत्री राहुल जैन उपस्थित रहे, बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नवल किशोर सोनी ने की। बैठक में जिला कार्यकारिणी द्वारा सर्वसम्मति से बिरधा प्रखंड की कार्यकारिणी को भंग करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर विभाग मंत्री राहुल जैन ने संगठन के आगामी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान तालबेहट प्रखंड में नवीन दायित्वों की घोषणा भी की गई, इसके अंतर्गत लाखन सिंह को विहिप प्रखंड उपाध्यक्ष, श्रीमती चंद्रमणि समाधिया को मातृशक्ति संयोजिका, परी को दुर्गावाहिनी संयोजिका तथा नेहा राजपूत एवं दीपाली झां को दुर्गावाहिनी सह-संयोजिका का दायित्व सौंपा गया।

पुराने स्कूल वाहनों पर शिकंजा, परिवहन विभाग ने दी चेतावनी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो उरई(जालौन)। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) सौम्या पाण्डेय ने जनपद के समस्त विद्यालय संचालकों, प्रबंधकों व प्रधानाचार्यो को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिन स्कूली वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा और प्रदूषण प्रमाण पत्र की वैधता समाप्त हो गई है, वे तत्काल नवीनीकरण कराएं। ऐसा न करने पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। एआरटीओ सौम्या पाण्डेय ने बताया कि परिवहन विभाग अब निर्धारित आयु सीमा मॉडल कंडीशन पूर्ण कर चुके पुराने स्कूली वाहनों पर सख्ती बरतने जा रहा है। शासन के निर्देशों के अनुसार ऐसे वाहनों का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित है। विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने सभी वाहनों की जांच करें और पुराने वाहनों का संचालन तुरंत बंद कर दें। आगामी दिनों में प्रवर्तन अधिकारी विशेष अभियान चलाएंगे। यदि कोई पुराना स्कूली वाहन सड़क पर संचालित पाया गया, तो उसे सीज कर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय प्रबंधन की होगी। एआरटीओ सौम्या पाण्डेय ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

दो स्वर्ण, एक रजत पदक के साथ जीता चैंपियन ऑफ द चैंपियंस का खिताब

ललितपुर। बजाज एनर्जी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अमित मित्तल की पुत्री एवं लोटस वैली इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा की छात्रा खुशी मित्तल ने नई दिल्ली में 21 एवं 22 जून को आयोजित एशियन योगा टीम चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर नोएडा, बजाज एनर्जी व देश का नाम रोशन किया है। एशियन सिख गेम्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में खुशी ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर प्रतियोगिता के सर्वोच्च सम्मान चैंपियन ऑफ द चैंपियंस÷ खिताब पर कब्जा जमाया व खुशी मित्तल ने प्रतियोगिता की विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए आर्टिस्टिक सोलो एवं आर्टिस्टिक पेयर वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किए, जबकि पारंपरिक आसन प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर अपनी बहुमुखी योग प्रतिभा का परिचय दिया व विभिन्न देशों के प्रतिभागियों के बीच उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए निर्णायकों ने उन्हें प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में चैम्पियन ऑफ द चैंपियस सम्मान से नवाजा व अपनी इस उपलब्धि का श्रेय खुशी ने अपनी कोच राखी सरकार के कुशल मार्गदर्शन, माता-पिता नम्रता मित्तल एवं अमित मित्तल के निरंतर सहयोग तथा अपनी कठिन मेहनत, अनुशासन और समर्पण को दिया व खुशी की इस ऐतिहासिक सफलता से उनके परिवार, विद्यालय व बजाज एनर्जी परिवार में हर्ष एवं गौरव का वातावरण है व खेल एवं योग जगत से जुड़े लोगों ने उनकी उपलब्धि को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि कठिन परिश्रम व दृढ़ संकल्प के बल पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की जा सकती है व खुशी मित्तल की यह उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि भारतीय योग परंपरा की वैश्विक प्रतिष्ठा को और अधिक मजबूत करने वाली प्रेरक उपलब्धि भी है।

सड़क दुर्घटनाओं के न्यूनीकरण हेतु डीएम ने दिए निर्देश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने सड़क दुर्घटनाओं के न्यूनीकरण हेतु सड़क सुरक्षा अभियान का प्रभावी रुप से क्रियान्वयन कराने के लिए कलैक्ट्रेट में सम्बंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये व जिलाधिकारी ने पिछले माह जनपद में घटित सड़क दुर्घटनाओं की बिंदुवार समीक्षा की एवं दुर्घटनाओं में कमी लाने व यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये व एन.एच.ए.आई. झांसी को निर्देशित करते हुए कहा कि रामनगर चैराहे एवं कैलगुवां ओवरब्रिज पर वाहनों की गति सीमा को प्रभावी रूप से कम करने हेतु तत्काल रम्बल स्ट्रिप बढ़ाए जाएं व सुरक्षित यातायात के दृष्टिगत होल्डिंग एरिया बनाए जाने तथा जनसामान्य की जागरूकता हेतु इसका व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कराया जाए व राजमार्गों पर वाहनों की गति मापने वाले स्पीडोमीटर को तत्काल दुरुस्त कराते हुए उन्हें निरंतर संचालित रखने हेतु निर्देशित किया व जिलाधिकारी ने हाई तेरई फाटक चैराहे पर विजिबिलिटी व सुरक्षा के दृष्टिगत स्थापित हाई मास्ट लाइट को शीघ्र चालू कराने, प्रोजेक्ट मैनेजर टोल प्लाजा बीघाखेत को वहां से गुजरने वाले ऐसे सभी वाहनों जिन पर नम्बर प्लेट चस्पा नहीं है, उनकी सूची तत्काल उपलब्ध कराने हेतु कड़े निर्देश दिए व ऑवर स्पीड को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उन्होंने अमझरा घाटी मंदिर चैकी के पास जिगजैक स्पीड ब्रेकर बनाये जाने के निर्देश दिये एवं ए.आर.टी.ओ को स्कूली वाहनों की फिटनेश की जांच कराने के निर्देश दिये व शहर में यातायात व जाम की समस्या के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने टी.एस.आई. को निर्देशित किया कि चालकों को ड्रिंक एण्ड ड्राइव को रोकने के लिए ब्रीथ एनालाईजर से चैक किया जाए, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आ सके, इसके साथ सवारी वाहनों जैसे टैक्सी, टेम्पो, ई रिक्शा आदि को निर्धारित रुट पर चलवाया जाए, ताकि जाम की समस्या उत्पन्न न हो व एन.एच.ए.आई. के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये गए कि जनपद के दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में दुर्घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए ब्लैक स्पोट, होट स्पोट एवं कर्व व रिफ्लेक्टिव टेप, पेड़ों पर जीआई रिफ्लेक्टिव शीट, आवश्यकतानुसार टी जक्शंक पर ब्रेकर, टेबल टॉप बनवाये जायें तथा डिवाइडर पर रिफ्लेक्टिव टेप लगवाये जाने के निर्देश दिये व नेशनल हाईवे-44 पर सभी अवैध कटों को चिन्हित कर पूर्ण रुप से बंद कराने के निर्देश दिए एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को शहर में अवैध होर्डिंग्स को हटाये जाने के लिए वृहद स्तर पर अभियान चलाने व पीए सिस्टम दुरुस्त कराने के निर्देश दिये। बैठक में पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मुश्ताक, जिला विकास अधिकारी अतिरंजन सिंह, ए.आर.टी.ओ. विपिन चैधरी, ई.ओ. नगर पालिका दिनेश कुमार विश्वकर्मा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग विजय चन्द्रा, टी.एस.आई. अब्दुल नफीश, पुलिस सी.सी. टीम, आईरैड प्रभारी एन.आई.सी. नरेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

कला कौशल व संस्कार का संगम आत्मनिर्भर बालिका शिविर में छात्राओं का प्रशिक्षण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो कोंच(जालौन)। गल्ला मंडी स्थित शैक्षणिक संस्था सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज व सरस्वती शिशु मंदिर एवं शिशु वाटिका में दिन मंगलवार को आयोजित छह दिवसीय निःशुल्क आत्मनिर्भर बालिका शिविर में छात्राएं विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने कौशल का विकास कर रही हैं। सुबह 10 बजे से संचालित हो रहे इस शिविर में नगर एवं विद्यालय की लगभग 35 छात्राएं उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रही हैं। शिविर प्रमुख ज्योति गुप्ता शिवानी सिंह एवं साधना चतुर्वेदी ने बताया कि विद्यालय की प्रधानाचार्या अर्चना वर्मा के निर्देशन में बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न उपयोगी और रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है शिविर में कला अंग्रेजी स्पीकिंग कढ़ाई, मेहंदी क्राफ्ट वर्क जूडो-कराटे मेकअप डेकोरेशन बेकरी योग सिलाई तथा नृत्य जैसी अनेक विधाओं की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।

प्रशिक्षण के दौरान छात्राएं न केवल नई-नई कलाएं सीख रही हैं, बल्कि आत्मविश्वास नेतृत्व क्षमता और स्वरोजगार से जुड़ी उपयोगी जानकारी भी प्राप्त कर रही हैं शिविर में प्रशिक्षिकाएं बालिकाओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर उन्हें भविष्य के लिए तैयार कर रही हैं। प्रधानाचार्या अर्चना वर्मा ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाना है ताकि वे भविष्य में इन विधाओं का उपयोग कर अपने जीवन को सशक्त बनाने के साथ-साथ समाज में भी सकारात्मक योगदान दे सकें उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ कौशल विकास आज की आवश्यकता है और ऐसे शिविर छात्राओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर के सफल संचालन में नगर की अर्चना निरंजन रजनी डेगरे सीमा पहरिया एवं पोयम कुशवाहा का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है वहीं विद्यालय के विवेक तिवारी सरोज खरे सहित समस्त विद्यालय परिवार व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। शिविर में छात्राओं का उत्साह देखते ही बन रहा है।

ज्येष्ठ मास के आखिरी मंगलवार पर हनुमान मंदिर में हुआ विशाल भंडारा

ललितपुर। ज्येष्ठ मास के अंतिम मंगलवार के पावन अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले 'सप्पू' एवं उनके परिवार द्वारा मोहल्ला महावीरपुरा स्थित हनुमान मंदिर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर प्रसाद ग्रहण किया और धर्म लाभ अर्जित किया। भंडारे से पूर्व मंदिर परिसर में विधि-विधान के साथ श्री सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसके साथ ही विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान एवं पूजा-अर्चना संपन्न हुईं, जिनमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। पूरे क्षेत्र में भक्ति एवं श्रद्धा का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी ने ज्येष्ठ मास के मंगलवार के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस दिन भगवान हनुमान की विशेष पूजा-अर्चना करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।इस अवसर पर संजय तिवारी, गोविन्द व्यास, अजय बबेले, राजेन्द्र वाजपेयी, राजीव कुमार बबेले, गिरीश पाठक सोनू, हदेश हुण्डैत, विनीत चतुर्वेदी, उमाकांत शर्मा, बॉबी रावत, विवेक व्यास, विजय जैन कल्लू, अजित जैन भारती, हरिशंकर अहिरवार, दिनेश संज्ञा, बृजेश तिवारी, अमित सोनी, अमय श्रीमाली, संजीव नामदेव, मोनू जैन, ओमी किलेदार, राधाकृष्ण, चुन्ना तिवारी, सोनू किलेदार, अनूप राठौर, बृजेश शिवम अग्निहोत्री, राजू ताम्रकार, कपिल नायक, पंकज रैकवार, आलोक खरे, कमलेश साहू, संजय चंदेल, बड़े खेरा, रिंकू रिछारिया, रिंकू बबेले, मिटू सिंघई, मंतव्य बबेले, आकाश ताम्रकार, अजय नामदेव, शिवम देवालिया, प्रेम गुप्ता, दीपू गंगवागी व संजू श्रोती सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मंडल के विकास कार्यों में गुणवत्ताए पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता : आयुक्त

-मंडलीय समीक्षा बैठक में लापरवाह अधिकारियों को दिए निर्देश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,

बांदा। चित्रकूट धाम मंडल बांदा के आयुक्त अजीत कुमार की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में एक व्यापक मंडलीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मंडल के चारों जनपदों के जिलाधिकारीए मुख्य विकास अधिकारी और विभिन्न विभागों के मंडलीय अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए आयुक्त ने सख्त लहजे में कहा कि योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में गुणवत्ताए पारदर्शिता और जनसंतुष्टि ही शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समीक्षा के दौरान आईजीआरएस की शिकायतों के निस्तारण में महोबा जनपद की प्रगति खराब मिलने पर आयुक्त ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने सीडीओ महोबा को निर्देश दिए कि शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण न किया जाएए बल्कि निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता का फीडबैक भी लिया जाए। इसके अलावाए फैमिली आईडी के निर्माण में महोबा और चित्रकूट की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त अजीत कुमार ने बारिश का मौसम शुरू होने से पहले ही सभी अधिशासी अधिकारियों को सड़कों के गड्ढों और क्षतिग्रस्त हिस्सों का पैचवर्क ;मरम्मत कार्यद्ध अनिवार्य रूप से पूरा करने के निर्देश दिए ताकि बरसात में आमजन को परेशानी न हो। साथ हीए हाल ही में आई आंधी.तूफान और प्राकृतिक आपदा से टूटे या लटके हुए पेड़ों की टहनियों को तत्काल हटाने के निर्देश दिएए जिससे आवागमन में कोई बाधा न आए। विद्युत व्यवस्थारू टूटे हुए बिजली के पोल और जर्जर तारों को तुरंत बदला जाए। सभी जिलों से टूटे पोलों की सूची बनाकर शासन को डिमांड भेजी जाए। अस्पतालों में दवाओं और मेडिकल स्टाफ की पर्याप्त उपलब्धता रहे। आयुष्मान भारत और आभा आईडी निर्माण में तेजी लाई जाए। साथ हीए सुरक्षा के लिहाज से सभी अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था अनिवार्य करने को कहा । पीएम किसान सम्मान निधि में महोबा की कमजोर स्थिति पर सुधार के निर्देश दिए गए। साथ ही फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा करते हुए पात्र किसानों के लिए विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया गया। शासन की सभी योजनाओं का अंतिम उद्देश्य समाज के आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार लाना है। सभी अधिकारी संवेदनशीलताए पारदर्शिता और पूरी जवाबदेही के साथ काम करें।

विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

कुरारा,हमीरपुर। कुरारा क्षेत्र के झलोखर स्थित मां भुवनेश्वरी परिसर में स्थापित संकटमोचन हनुमान मंदिर में ज्येष्ठ माह के आठवें और अंतिम मंगलवार को धार्मिक अनुष्ठानों की धूम रही। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष हवन-पूजन और सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। ?धार्मिक अनुष्ठानों के समापन के बाद एक विशाल कन्या भोज का आयोजन किया गया। जिसमें गांव की दर्जनों कन्याओं को सादर आमंत्रित कर खीर-पूड़ी का प्रसाद छकाया गया। कन्याओं को भोजन कराने के बाद श्रद्धालुओं में भी प्रसाद वितरण किया गया। ?इस धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन को सफल बनाने में मुख्य रूप से रामदास शर्मा, गोल्डो श्रीवास्तव, शुभम शर्मा, सिप्पू गुप्ता, वीरू द्विवेदी, कालका द्विवेदी और सत्यम गुप्ता सहित तमाम ग्रामीण व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आयुक्त ने कोचिंग सेंटरों और निजी अस्पतालों का किया औचक निरीक्षण

-अस्पतालों में बुनियादी सुरक्षा मानकों का दिखा अभाव
-24 घंटे के भीतर सेफ्टी उपकरणों को कराया जाये दुरूस्त

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, बांदा। राजधानी लखनऊ में हुए भीषण कोचिंग अग्निकांड से सबक लेते हुए बाँदा जिला प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। विद्यार्थियों और मरीजों की सुरक्षा को लेकर मंगलवार को मंडलायुक्त अजीत कुमार ने खुद कमान संभाली और शहर के विभिन्न कोचिंग संस्थानों व निजी अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया। इस औचक कार्रवाई के दौरान मुख्य अग्निशमन अधिकारी और नगर मजिस्ट्रेट भी भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

मंडलायुक्त के इस औचक निरीक्षण के दौरान शहर के कई नामी कोचिंग सेंटरों और निजी अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई। अधिकांश स्थानों पर फायर सेफ्टी के इंतजाम बेहद बदहाल और गंभीर खामियों से भरे पाए गए। कई जगहों पर रखे अग्निशमन यंत्र या तो पूरी तरह निष्क्रिय मिले या उनकी समय पर सर्विसिंग नहीं कराई गई थी। कुछ बड़े संस्थानों में आपातकालीन निकास मार्गए फायर अलार्म सिस्टम और बुनियादी सुरक्षा मानकों का भारी अभाव देखने को मिला।

इन गंभीर कमियों को देखकर मंडलायुक्त अजीत कुमार ने संबंधित संचालकों को मौके पर ही कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने बेहद सख्त लहजे में अल्टीमेटम देते हुए कहा कि 24 घंटे के भीतर सभी फायर सेफ्टी उपकरणों को हर हाल में दुरुस्त कराया जाए। मंडलायुक्त ने दो टूक निर्देश दिए कि जिन कोचिंग संस्थानों में अग्नि सुरक्षा उपकरण सही और चालू स्थिति में नहीं मिलेंगेए वहां छात्रों की पढ़ाई शुरू नहीं होने दी जाएगी। इसके साथ ही लापरवाही बरतने वाले निजी अस्पताल संचालकों को भी तत्काल नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। विद्यार्थियों और मरीजों की जान.माल की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी। मंगलवार को हुई प्रशासन की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से शहर के कोचिंग संचालकों और निजी अस्पताल प्रबंधनों में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकारियों ने साफ संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सीधे सीलिंग व कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नशे में धुत युवक ने खुद को मारी गोली, हालत गंभीर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, बांदा, कमासिन। जनपद के कमासिन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले साडा सानी गांव से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ स्कूल के पास एक युवक ने नशे की हालत में खुद को तमंचे से गोली मार ली। गोली युवक की जांघ में लगी हैए जिससे वह लूल.लहान होकर जमीन पर गिर पड़ा।

आनन.फानन में स्थानीय लोगों और सूचना पर पहुंची पुलिस की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया है। जानकारी के मुताबिकए युवक एक इको कार में सवार होकर साडा सानी गांव पहुंचा था। वह अत्यधिक नशे में धुत था। गांव के स्कूल के पास पहुंचते ही उसने अचानक पास में मौजूद अवैध तमंचे से खुद पर फायर झोंक दिया। गोली सीधे उसकी जांघ पार कर गईए जिससे मौके पर चीख.पुकार मच गई।

शुरुआती जानकारी के अनुसारए घायल युवक पड़ोसी जिले फतेहपुर का रहने वाला बताया जा रहा हैए जिसका नाम मंगल सिंह है। उसने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया और वह कमासिन क्षेत्र के इस गांव में किस मकसद से आया थाए इसकी स्पष्ट वजह अभी सामने नहीं आ सकी है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और कार व तमंचे को लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रही है।

बिना नोटिस झोपड़ी पर चलाया बुलडोजर

.पीड़िता ने लेखपाल और प्रधान पति पर लगाए गंभीर आरोप

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में अतर्रा तहसील के अंतर्गत जमरेही गांव से एक बेहद दर्दनाक और गंभीर मामला सामने आया है। यहाँ की रहने वाली एक पीड़ित महिला सेवापति पत्नी दादूराम ने जिलाधिकारी बांदा को शिकायती पत्र सौंपकर ग्राम प्रधान पतिए स्थानीय लेखपाल और पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता का आरोप है कि बिना किसी पूर्व नोटिस के बुलडोजर चलाकर उसकी 20 साल पुरानी झोपड़ी और आजीविका का एकमात्र साधन को ध्वस्त कर दिया गया। विरोध करने पर पीड़िता और उसकी बेटी के साथ मारपीट की गई व जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित किया गया।

शिकायती पत्र के अनुसारए पीड़िता सेवापति गाटा संख्या.938 की दो बिस्वा भूमि पर छप्पर बनाकर रह रही थी और वहीं एक लोहे के डिब्बे में पानए गुटका व ठंडा पानी बेचकर अपने बीमार पति और 5 बच्चों का पेट पाल रही थी।पीड़िता का आरोप है कि उसने सरकारी आवास के लिए जब ग्राम प्रधान और सचिव से गुहार लगाईए तो उनसे 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई। गरीब होने के कारण रुपये न दे पाने पर पीड़िता ने बीती 25 फरवरी 2026 को जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि इसके बाद खुन्नस खाकर प्रधान सचिव ने धमकी दी थी कि ष्लिस्ट में नाम आ गया है पर देखते हैं कौन आवास देता हैए अब तुम्हें इस जगह से भी बुलडोजर से तुड़वाकर ही दम लेंगे। शिकायत के मुताबिकए 19 जून 2026 की दोपहर करीब दो बजे अचानक ग्राम प्रधान के पति सुभीत यादवए हल्का लेखपाल ए चौकी इंचार्ज पप्पू पुत्र छेदिया और खुरहण्ड पुलिस चौकी की महिला पुलिस सहित चार पुलिसकर्मी बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंच गए। पीड़िता का आरोप है कि बिना कोई नोटिस दिए या समय दिए उनके छप्परए लोहे की दुकानए कूलरए फ्रिज व पूरी गृहस्थी को बुलडोजर से तहस.नहस कर दिया गया। जब परिवार ने इसका विरोध कियाए तो प्रधान पति और लेखपाल ने जातिसूचक व अभद्र गालियां दीं। इस दौरान पीड़िता की बेटी पूजा के साथ भी मारपीट की गईए जिससे उसकी आंख में गंभीर चोट आई है। इस अचानक हुई कार्रवाई से पीड़ित परिवार पूरी तरह सड़क पर आ गया है। महिला अपने 12 सालए 10 सालए 6 सालए 4 साल और महज 7 महीने के सबसे छोटे बच्चे सहित कुल पांच बच्चों को लेकर इस भीषण गर्मी में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने दोबारा शिकायत करने पर और बुरा अंजाम भुगतने की धमकी भी दी है। बेघर हो चुकी पीड़िता सेवापति ने जिलाधिकारी बांदा से न्याय की गुहार लगाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करानेए दोषियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को रहने के लिए तुरंत सरकारी आवास व सुरक्षा दिलाने की मांग की है।

नव क्रांति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री से की सीबीआई जांच की मांग

बांदा। बिहार के भोजपुर जिले के बिलौटी गांव निवासी भरत तिवारी के कथित फर्जी एनकाउंटर का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में नव क्रांति सेना भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार दीक्षित ने सीधे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजकर मामले की सीबीआई जांच कराने की पुरजोर मांग की है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार दीक्षित ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि भरत तिवारी का एनकाउंटर पूरी तरह फर्जी है। उन्होंने भारत सरकार से उम्मीद जताई है कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए इस संवेदनशील मामले की निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच कराई जानी चाहिए। सीबीआई जांचरू भरत तिवारी एनकाउंटर मामले की पूरी कमान सीबीआई को सौंपी जाए। फर्जी एनकाउंटर में शामिल सभी दोषी अधिकारियों व पुलिसकर्मियों के खिलाफ धारा 302 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। पीड़ित परिवार को तत्काल 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाए।परिवार को संबल देने के लिए किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। नव क्रांति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शासन.प्रशासन को चेताते हुए कहा कि भरत तिवारी के परिवार को न्याय दिलाना उनके संगठन की प्राथमिकता है। यदि सरकार द्वारा इन मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गयाए तो आने वाले समय में पूरा संगठन सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगाए जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

अपर पुलिस अधीक्षक ने परेडध्पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

हमीरपुर। आज अपर पुलिस अधीक्षक जनपद हमीरपुर द्वारा मंगलवार की परेड, पुलिस लाइन का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में मंगलवार की परेड की सलामी लेकर निरीक्षण किया गया व अनुशासन व एकरुपता के लिए टोलीवार ड्रिल करवाया गया। शारीरिक व मानसिक रुप से फिटध् स्वस्थ्य रहने के लिए दौड़ लगवायी गयी। यूपी 112 पीआरवी चार पहिया वाहनों, दंगा नियन्त्रण उपकरण व अभिलेखों का निरीक्षण किया गया तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। पुलिस लाइन आदेश कक्ष में ओ0आर0 कर संबंधित अभिलेखों का निरीक्षण कर तथा विभिन्न विभागीय प्रकरणों का निस्तारण किया गया। रिजर्व पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन्स हमीरपुर, व अन्य संबंधित पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक जनपद हमीरपुर ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

हमीरपुर। आज पुलिस अधीक्षक, जनपद हमीरपुर द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रार्थना पत्रों एवं शिकायतों का सूक्ष्मता से अवलोकन करते हुए पुलिस अधीक्षक महोदय ने संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण में प्राथमिकता के आधार पर त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण कर पीड़ितों को न्याय दिलाया जाए।

पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता बनाए रखते हुए पीड़ित पक्ष को कार्यवाही से अवगत कराया जाए।

डीआईजी की अध्यक्षता में पुलिस पेंशनर कल्याण संस्थान की त्रैमासिक बैठक संपन्न

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, बांदा। उत्तर प्रदेश पुलिस पेंशनर कल्याण संस्थान के तत्वाधान में मंगलवार को पुलिस लाइन सभागार में चित्रकूटधाम मंडल की त्रैमासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता चित्रकूटधाम परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक राजेश एसण् ने की। इस गोष्ठी में मंडल के चारों जनपदों से आए भारी संख्या में पुलिस पेंशनर्स ने अपनी.अपनी विभागीय व व्यक्तिगत समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा।

बैठक में पेंशनर्स की बातें सुनने के बाद डीआईजी राजेश एसण् ने सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर और समयबद्ध निस्तारण करने का कड़ा आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की सेवा में जीवन लगाने वाले हमारे पुलिस पेंशनर्स का सम्मान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि किसी भी पेंशनर को कोई व्यक्तिगत समस्या भी हैए तो वह सीधे मुझसे कार्यालय में आकर मिल सकता है।गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक बांदाए पलाश बंसल ने वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे ऑनलाइन फ्रॉड और साइबर अपराधों पर चिंता जताई। उन्होंने उपस्थित सभी बुजुर्ग पेंशनर्स को साइबर क्राइम से बचने के व्यावहारिक और तकनीकी तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दीए ताकि वे किसी भी प्रकार की ठगी का शिकार न होने पाएं।बैठक में विशेष रूप से बैंक ऑफ बड़ौदा के रीजनल ऑफिसर और बांदा मुख्य शाखा के प्रबंधक अभिलाष दीक्षित भी उपस्थित रहे। उन्होंने बैंक की ओर से श्पुलिस सैलरी पैकेजश् के अंतर्गत सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को मिलने वाले विशेष बीमाए लोन और अन्य बैंकिंग फायदों के बारे में बारीकी से समझाया। उन्होंने पेंशनर्स से आह्वान किया कि वे बैंक द्वारा दी जा रही इन सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस महत्वपूर्ण गोष्ठी का कुशल संचालन एवं सभी आगंतुकों का आभार प्रदर्शन सहायक पुलिस अधीक्षक मेविस टॉक द्वारा किया गया। उन्होंने विभाग की तरफ से सभी बुजुर्ग पेंशनर्स को हर संभव मदद का भरोसा दिया।संस्थान के मीडिया प्रभारी सत्य प्रकाश द्विवेदी एडवोकेट द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार क्षेत्राधिकारी सदर सौरभ सिंहए प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइनए प्रधान लिपिक वेद बाबूए मुख्य एकाउंटेंट सीमा मैडमए बांदा के जिला अध्यक्ष व मंडल संयोजक गोविंद सिंह कछवाहए उपाध्यक्ष रामावतार विश्वकर्माए महासचिव जय करन सिंहए चित्रकूट के अध्यक्ष बीण्एलण् यादवए महासचिव बारेलालए कोषाध्यक्ष रुखसार अहमदए महोबा के अध्यक्ष छत्रपाल चौहान और महासचिव अजीज खान सहित चारों जनपदों के भारी संख्या में पुलिस पेंशनर्स उपस्थित रहे।

दूल्हे के फूफा की मौत से शादी की खुशियां हुई काफूर

सादगी से रस्में करा कर विदा हुई दुल्हन

भरुआ सुमेरपुर। बीती रात सड़क हादसे में दूल्हे की फूफा की मौत के बाद शादी की खुशियां पल भर में काफूर हो गई। घटना की सूचना मिलने पर दोनों पक्षों में अफरा तफरी मच गई और शादी की रस्में सादगी के साथ संपन्न कराने के बाद दुल्हन को विदा किया गया।

सोमवार की रात करीब 10 बजे फतेहपुर जनपद के दतौली से बारात सिसोलर थाना क्षेत्र के ग्राम भैंसमरी जा रही थी। बारात की एक बोलेरो बांदा मार्ग पर टेढ़ा पारा के मध्य बरगदिया मोड पर अनियंत्रित होकर पलट गई थी। इस घटना में दूल्हा के फूफा पप्पू वर्मा (55) निवासी बिंदकी की मौत हो गई थी और दस लोग घायल हो गए थे। इस घटना के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गई। बेहद सादगी के साथ शादी की रस्में संपन्न कराने के बाद दुल्हन को विदा किया गया। इस घटना में घायल अरविंद एवं सावन वर्मा की हालत अभी चिंताजनक बनी हुई है। अरविंद को सदर अस्पताल से कानपुर तथा कानपुर से लखनऊ रेफर किया गया है। जबकि सावन को मेडिकल कॉलेज बांदा में भर्ती कराया गया है। वहीं अन्य घायलों को सदर अस्पताल से ले जाकर फतेहपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बारात भैंसमरी निवासी ओमप्रकाश वर्मा के यहां आई हुई थी।

आग लगाने से दो भाइयों के मकान जलकर राख

कुरारा,हमीरपुर। कुरारा थाना क्षेत्र के शंकरपुर गांव में सुबह खाना बनाते समय चूल्हे की चिंगारी से कच्चे खपरैल वाले मकान में आग लग जाने से दो भाइयों के मकान जलकर खाक हो गये। वही दमकल दस्ते ने मौके पर आग पर काबू पाया। आगजनी में घर गृहस्थी का सामान जल कर खाकहो गया। कुरारा क्षेत्र के शंकरपुर गांव निवासी अनिल शंखवार व सुनील शंखवार के कच्चे खपरैल वाले मकान में सुबह साढ़े आठ बजे खाना बनाते समय चूल्हे की चिंगारी से आग लग गई। जिससे आग ने विकराल रूप धारण कर लिया तथा दोनों भाइयों के कच्चे मकान धू धू कर जलने लगे। आग की लपटे देख ग्रामीणो ने आग पर काबू पाने का प्रयास कियातथा घटना की सूचना थाना कुरारा पुलिस व दमकल दस्ते को दी। तब दमकल दस्ते ने आग पर काबू पाया।पीड़ित भाइयों ने बताया कि आगजनी में कच्चा मकान सहित घर गृहस्थी कासामान जलकर खाक हो गया। आगजनी में लाखों रुपए का नुकसान हो गया है। आगजनी की घटना की जानकारी मिलने पर समाजसेवी गणेश तिवारी भी अपनी टीम के साथ मौके परगए। तथा सहयोग किया। तथा पीड़ित को हरसंभव मदद कराए जाने की बात कही। तथा लेखपाल को घटना की सूचना दी गई है।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा न्यायालयीन पैरवी करने वाले पैरोकारों के साथ समीक्षा बैठक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,

हमीरपुर। आज पुलिस अधीक्षक जनपद हमीरपुर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक जनपद हमीरपुर अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा जनपद के विभिन्न पुलिस थानों एवं कार्यालयों से माननीय न्यायालयों में नियुक्त पैरोकारों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करना।

बैठक के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सभी पैरोकारों से उनके कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा न्यायालयों में विचाराधीन महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील प्रकरणों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की गई। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक पैरोकार अपने-अपने थानों एवं संबंधित विवेचकों के साथ सतत समन्वय बनाए रखें, ताकि न्यायालय द्वारा मांगे गए अभिलेख, साक्ष्य एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज समय से उपलब्ध कराए जा सकें। उन्होंने कहा कि न्यायालय में प्रभावी पैरवी पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारियों में से एक है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में गवाहों की समय पर न्यायालय में उपस्थिति सुनिश्चित कराने, न्यायालय द्वारा जारी समन, वारंट एवं अन्य आदेशों का समयबद्ध अनुपालन कराने तथा लंबित मामलों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पैरोकारों को निर्देशित किया गया कि वे प्रत्येक वाद की प्रगति का नियमित अभिलेखीकरण करें तथा अभियोजन अधिकारियों एवं संबंधित विवेचकों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखें।

अपर पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी न्यायालयीन पैरवी के माध्यम से अपराधियों को शीघ्र सजा दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है। इसके लिए प्रत्येक पैरोकार को अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं उत्तरदायित्व के साथ निर्वहन करना होगा। उन्होंने निर्देशित किया कि गंभीर अपराधों, महिला एवं बाल अपराध, संगठित अपराध तथा अन्य महत्वपूर्ण मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनकी नियमित समीक्षा की जाए तथा प्रत्येक प्रकरण में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक के अंत में सभी पैरोकारों को न्यायालयीन कार्यों में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं समन्वय बनाए रखते हुए अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्पष्ट किया गया कि न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा अपराधियों को विधिसम्मत दंड दिलाने के लिए जनपद पुलिस द्वारा नियमित रूप से समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती रहेंगी, जिससे न्यायिक प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी एवं परिणाममुखी बनाया जा सके।

मंदाकिनी को सदानीरा एवं कामदगिरी के मूल स्वरूप को बनाए रखने के लिए हुआ वेबीनार का आयोजन

-क्रियान्वयन के लिए प्रमुख एजेंसियों की जवाब देही के साथ विस्तृत कार्य योजना का हुआ प्रस्तुतीकरण
-चित्रकूट में पहाड़, जंगल और मंदाकिनी पर प्रमुखता से कार्य करने की जरूरत- डॉ सतीश एस

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,

चित्रकूट- दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल के सहयोग से मंगलवार को मंदाकिनी नदी के पुनर्जीवन, सीवेज प्रबंधन एवं पारिस्थितिक पुनर्स्थापना के लिए प्रस्तावित कार्य योजना संबन्धित बैठक का वर्चुअली आयोजन किया गया।

दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने कहा कि चित्रकूट के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए इसके विकास के लिए जनता की पहल एवं पुरूषार्थ तथा शासकीय व सामाजिक संगठनों के सामूहिक प्रयत्न से बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि नानाजी का हमेशा से ध्येय रहा है कि जनता की पहल और पुरुषार्थ से जो भी काम होता है हमेशा टिकाऊ होता है, नानाजी ने ढ़ाई दशक पूर्व पानी को लेकर काफी कुछ काम जन भागीदारी से करके दिखाया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल के निदेशक डॉ अजीत कुमार विद्यार्थी ने वेबीनार का संयोजन करते हुए कहा कि मां मंदाकिनी को सदानीरा बनाने के लिए पूर्व में जो कार्यशाला और चिंतन हुआ है उसके आधार पर जो प्रमुख बातें निकलकर आई उनमें पवित्र कामदगिरि पहाड़ी का पुनर्स्थापन, पैसुनी (मंदाकिनी) नदी तंत्र का जलागम प्रबंधन, बाढ़ प्रबंधन, क्षतिग्रस्त वन पारिस्थितिकी तंत्र का पारिस्थितिक पुनर्स्थापन, सीवेज का इन-सीटू उपचार (स्थल पर उपचार), सीवेज प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर क्रियान्वयन के लिए वैज्ञानिक तरीके से जो कार्य योजना तैयार की गई हैं। उसका प्रस्तुतिकरण विशेषज्ञों के समक्ष रखा गया?।

इस अवसर पर प्रसिद्ध पर्यावरणविद प्रो सी. आर. बाबू ने मां मंदाकिनी नदी को कैसे सदानीरा बना सके और कामतानाथ धार्मिक स्थल को कैसे मूल स्वरूप में बनाए रखें इसके लिए उन्होंने अपनी जो विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की है उसका सभी विशेषज्ञों के समस्त प्रस्तुतीकरण उनके द्वारा किया गया।

इस मौके पर सतना कलेक्टर सतीश कुमार एस ने कहा कि जब भी चित्रकूट की बात होती है तो जन सामान्यतः पहाड़, जंगल और मंदाकिनी यह तीन प्रमुख विषय निकलकर आते हैं। जिस पर प्रमुखता से कार्य करने की जरूरत है, इस संदर्भ में उन्होंने नगर परिषद के साथ-साथ संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए विशेषज्ञों की रिपोर्ट को ध्यान में रखकर प्रभावी क्रियान्वयन की बात कही।

इस दौरान भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झाँसी के डॉ. अरुण शुक्ला द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया?। केन्द्रीय भूजल बोर्ड भोपाल तथा मध्य प्रदेश परियोजना विकास कारपोरेशन द्वारा भी प्रस्तुतीकरण किया गया?। इसके अलावा अन्य संबंधित विशेषज्ञों द्वारा भी कार्य योजना पर विचार विमर्श हुआ?। साथ ही इस वर्चुअल कार्यशाला में सतना के जिला वन अधिकारी मयंक चांदीवाल एवं नगर परिषद चित्रकूट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकित सोनी ने भी अपने विचारों को रखा।

कार्यक्रम के अंत में डीआरआई के कोषाध्यक्ष वसंत पंडित ने कहा कि पैसुनी उद्गम स्थल से लेकर चित्रकूट की मुख्य धारा तक का लगभग 60 प्रतिशत भू-भाग वन विभाग के अन्तर्गत है, फोरेस्ट डिपार्टमेंट के पास फंडिंग की भी कमी नहीं है इसलिए वन विभाग को प्रमुख क्रियान्वयन एजेंसी बनाकर कार्य हो तो बेहतर परिणाम मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि चित्रकूट एक अत्यंत महत्वपूर्ण सांस्कृतिक एवं पारिस्थितिक क्षेत्र है, अपनी जीवनरेखा माँ मंदाकिनी नदी के लिए प्रसिद्ध है। इस क्षेत्र का पर्यावरणीय संतुलन तथा नदी की पारिस्थितिकी चुनौतियों के समाधान के लिए एक समन्वित, बहु-क्षेत्रीय एवं कार्यान्वयन-उन्मुख दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिल्ली अमिताभ वशिष्ठ एवं महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल सहित कार्यकारी एजेंसियों के एक्सपर्ट प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नई पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में तहसील में कलमबंद हड़ताल, अधिवक्ताओं व दस्तावेजनवीसों ने जताया आक्रोश

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) बांगरमऊ उन्नाव- जमीन-जायदाद से संबंधित दस्तावेजों के पंजीकरण की प्रक्रिया में शासन द्वारा किए गए नए बदलावों के विरोध में मंगलवार को तहसील परिसर में अधिवक्ताओं, दस्तावेजनवीसों और स्टांप विक्रेताओं ने कलमबंद हड़ताल कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नई व्यवस्था को रोजगार विरोधी बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। शासन की नई व्यवस्था के तहत अब बैनामा, वसीयतनामा, हिबानामा सहित अन्य दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए दस्तावेजनवीस की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। साथ ही स्टांप वेंडर से स्टांप खरीदने और दस्तावेजों की फोटोकॉपी कराने की बाध्यता भी खत्म कर दी गई है। नई प्रणाली के अनुसार नागरिक किसी भी लोकवाणी केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाकर भूमि की खरीद-फरोख्त एवं अन्य दस्तावेजों का पंजीकरण करा सकेंगे। इस निर्णय के विरोध में तहसील परिसर में बड़ी संख्या में अधिवक्ता, दस्तावेजनवीस और स्टांप विक्रेता एकत्र हुए। उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि नई व्यवस्था लागू होने से इस कार्य से जुड़े हजारों लोगों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो जाएगा। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि शासन ने संबंधित पक्षों से कोई राय-मशविरा किए बिना यह निर्णय लागू किया है, जिससे वर्षों से इस पेशे से जुड़े लोगों की आजीविका प्रभावित होगी। हड़ताल के दौरान वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकांश लोग अभी भी ऑनलाइन प्रक्रियाओं से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। ऐसे में नई व्यवस्था आम नागरिकों के लिए भी परेशानी का कारण बन सकती है। उन्होंने सरकार से निर्णय पर पुनर्विचार कर पारंपरिक व्यवस्था को बनाए रखने अथवा सभी पक्षों से संवाद स्थापित करने की मांग की। प्रदर्शन में वरिष्ठ अधिवक्ता राम भरोसे वर्मा, रमेश द्विवेदी, मुजम्मिल अहमद, आदित्य तिवारी, सूर्यकांत द्विवेदी, महमूद आलम, दस्तावेजनवीस मोहम्मद खालिद, आफाक अहमद तथा स्टांप विक्रेता अमन तिवारी सहित अनेक लोग शामिल रहे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। हड़ताल के चलते तहसील में दस्तावेजों के पंजीकरण संबंधी कार्य प्रभावित रहे और फरियादियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ा।

मोहर्रम की छठी पर निकले छड़, अलम और चैकी के जुलूस, 'या हुसैन' की सदाओं से गूंजा क्षेत्र

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) बांगरमऊ उन्नाव- मोहर्रम की छठी तारीख पर नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अकीदत और एहतराम के साथ छड़, अलम एवं चैकी के जुलूस निकाले गए। जुलूसों में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों को खिराज-ए-अकीदत पेश की। इस दौरान मातमी रस्में अदा की गईं तथा अमन, भाईचारे और खुशहाली की दुआएं मांगी गईं।

नगर के मोहल्ला दरगाह शरीफ स्थित मीर सैयद अलाउद्दीन उर्फ मीरा शाह बाबा की दरगाह से जहीर अहमद वारसी की कयादत में छड़ का जुलूस निर्धारित समय पर रवाना हुआ। जुलूस दरगाह शरीफ से निकलकर मोहल्ला किला शाह जी, गुलाम मुस्तफा सहित विभिन्न मार्गों से होता हुआ हटिया पहुंचा। हटिया में पुरबिया टोला से निकला अलम का जुलूस भी इसमें शामिल हो गया।

दोनों जुलूसों के हटिया पहुंचने पर अकीदतमंदों ने फातिहा पढ़ी और कर्बला के शहीदों को याद करते हुए हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी पर प्रकाश डाला। इस दौरान इमाम हुसैन की सवारी के प्रतीक दुलदुल घोड़े को दूध और जलेबी खिलाकर लोगों ने अपनी मन्नतें मांगीं तथा मुल्क में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ की। देर रात दोनों जुलूस अपने-अपने उद्गम स्थलों के लिए रवाना हुए और वहां पहुंचकर संपन्न हुए।

वहीं ग्राम सुरसेनी में भी चैकी और अलम का भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस में सुरसेनी, जोगी कोट सहित विभिन्न अंजुमनों के सदस्यों और बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने भाग लिया। नौहाख्वानी और मर्सियाख्वानी के बीच कर्बला के शहीदों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। 'या हुसैन' की सदाओं और मातमी माहौल के बीच पूरा क्षेत्र गमगीन नजर आया। अंसार अली के नेतृत्व में रात करीब नौ बजे जुलूस रवाना हुआ। आयोजन को सफल बनाने में अंसार अली, जलील अली, खलील अली, जमील अली, शकील अली, अकील अली, कफील अली, मुद्दी अली, निसार अली, जीशान अली और अहसान अली सहित अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जुलूसों को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहा और अधिकारियों ने लगातार निगरानी रखी।

लखनऊ हादसे के बाद उन्नाव में कोचिंग संस्थानों पर शिकंजा, चार सेंटर सीज, नवाबगंज में भी जांच की उठी मांग

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव- राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग संस्थान में हुए दर्दनाक हादसे के बाद उन्नाव जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। जिले में संचालित कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था, भवन मानकों और वैधता की जांच शुरू कर दी गई है। प्रशासनिक टीम के निरीक्षण की सूचना मिलते ही कई कोचिंग संचालकों ने संस्थानों में ताला लगा दिया, जबकि जांच के दौरान कई गंभीर खामियां सामने आईं। कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने चार कोचिंग एवं लाइब्रेरी संस्थानों को सीज कर दिया।

मंगलवार को सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित पन्नालाल पार्क के आसपास जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग और अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम ने विभिन्न कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण का नेतृत्व एसडीएम उदयवीर सिंह और जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) सुनील दत्त ने किया। इस दौरान फायर सेफ्टी, भवन सुरक्षा, आपातकालीन निकास, विद्युत व्यवस्था और अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की गई।

जांच के दौरान कई संस्थान ऐसे पाए गए जो मात्र दो कमरों में संचालित हो रहे थे। इनमें पहुंचने के लिए संकरे रास्तों का उपयोग किया जा रहा था, जिससे किसी भी आपात स्थिति में विद्यार्थियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी मिलने पर प्रशासन ने कौटिल्य लाइब्रेरी, अर्जुन डिफेंस अकादमी, नजर एकेडमी और गुरुकुलम लाइब्रेरी को सीज कर दिया।

निरीक्षण के दौरान कुछ कोचिंग संचालकों ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल भी उठाए। एक संचालक ने आरोप लगाया कि उन्होंने सभी आवश्यक दस्तावेज और अनुमतियों के लिए आवेदन किया था, लेकिन शिक्षा विभाग और फायर विभाग की ओर से प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई गई। उनका कहना था कि विभागीय स्तर पर लंबित मामलों के बावजूद अब अचानक कार्रवाई की जा रही है। वहीं कुछ संचालकों ने बड़े संस्थानों की जांच न होने पर भी सवाल खड़े किए।

डीआईओएस सुनील दत्त ने बताया कि जिन संस्थानों में निर्धारित मानकों का पालन नहीं पाया गया, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों की जांच अभियान के रूप में जारी रहेगी।

इधर, प्रशासनिक कार्रवाई के बीच नवाबगंज क्षेत्र में संचालित कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार कस्बे और आसपास के क्षेत्रों में एक दर्जन से अधिक कोचिंग सेंटर किराए के भवनों और संकरी गलियों में संचालित हो रहे हैं। इनमें से अधिकांश में अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन निकास द्वार, सुरक्षित विद्युत व्यवस्था और पर्याप्त वेंटिलेशन जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है।

शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि लखनऊ जैसी घटना कहीं भी हो सकती है, इसलिए नवाबगंज क्षेत्र के सभी कोचिंग संस्थानों का सत्यापन कर उनकी सुरक्षा व्यवस्था की जांच की जानी चाहिए। अभिभावकों ने भी बच्चों की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए बिना मानकों के संचालित संस्थानों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की मांग की है।

क्षेत्रीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से नवाबगंज क्षेत्र में संचालित सभी कोचिंग सेंटरों की जांच कर अवैध और असुरक्षित संस्थानों पर कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि किसी हादसे का इंतजार करने के बजाय समय रहते सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करना आवश्यक है।

बड़े मंगल पर आस्था का सैलाब, मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु, जगह-जगह भंडारे और शरबत सेवा

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव- ज्येष्ठ माह के आठवें एवं अंतिम बड़े मंगल पर मंगलवार को पूरे जनपद में श्रद्धा, भक्ति और सेवा का अनुपम संगम देखने को मिला। शहर से लेकर शुक्लागंज, फतेहपुर चैरासी और ऊगू तक हनुमान मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा और भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जबकि जगह-जगह भंडारे और शरबत वितरण शिविर लगाकर लोगों की सेवा की गई।

सुबह से ही श्रद्धालु भगवान हनुमान के दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंचने लगे। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और संकटों से मुक्ति की कामना की। प्रमुख मंदिरों में दिनभर दर्शन-पूजन का क्रम जारी रहा और जय श्रीराम व बजरंगबली के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। जिले के अनेक मंदिरों में अखंड सुंदरकांड पाठ और सामूहिक हनुमान चालीसा का आयोजन किया गया। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था तथा भगवान हनुमान का विशेष श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने बड़ी संख्या में धार्मिक आयोजनों में भाग लिया। ज्येष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगल के अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत उन्नाव शकुन सिंह एवं भाजपा नेता शशांक शेखर सिंह द्वारा आयोजित भंडारे में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर दिनभर भक्तों की आवाजाही बनी रही।

बड़े मंगल पर ट्रैफिक कार्यालय परिसर में भी विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह के निर्देशन में शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें पुलिस कर्मियों और आम नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया। उन्नाव शहर, शुक्लागंज, प्रमुख बाजारों, चैराहों और विभिन्न मोहल्लों में सामाजिक संगठनों, व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा भंडारों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं और राहगीरों को पूरी-सब्जी, हलवा, बूंदी, तहरी तथा अन्य प्रसाद वितरित किए गए। भीषण गर्मी को देखते हुए अनेक स्थानों पर शरबत और शीतल पेयजल शिविर भी लगाए गए, जहां दिनभर लोगों की भीड़ लगी रही।

फतेहपुर चैरासी में भी दिखी सेवा और श्रद्धा की मिसाल

फतेहपुर चैरासी एवं ऊगू क्षेत्र में भी बड़े मंगल पर धार्मिक आयोजनों की धूम रही। विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पंडाल लगाकर पूड़ी-सब्जी, बूंदी, शरबत और अन्य प्रसाद वितरित किए। ग्राम पंचायत फिरोजपुर के मजरा छत्ताखेड़ा में ग्राम प्रधान बीनू सिंह एवं उनके पति रोहित सिंह द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक श्रीकांत कटियार सहित बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर अतुल मिश्रा, संदीप बाजपेई, मोनू सिंह और रणधीर सिंह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।वहीं ग्राम तकिया निगोही स्थित वृद्धाश्रम में मंडल अध्यक्ष अजय कुमार द्विवेदी, समाजसेवी डॉ. रामू सिंह और अंसार सिद्दीकी द्वारा वृद्धजनों को दही-जलेबी का प्रसाद वितरित किया गया। कस्बा फतेहपुर चैरासी में शगुन पैलेस, ग्रामीण बैंक के निकट तथा शीतला देवी चैराहे के समीप स्थित बैठका देवी मंदिर पर भी प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। ज्येष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगल पर पूरे जनपद में आस्था, सेवा और सामाजिक समरसता का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। धार्मिक आयोजनों और सेवा कार्यों ने लोगों के बीच भाईचारे, सहयोग और जनकल्याण की भावना को और अधिक सशक्त किया।

परचून गोदाम में लगी आग, हजारों रुपये का सामान जलकर राख

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) बांगरमऊ उन्नाव । नगर के बाईपास मार्ग स्थित एक परचून गोदाम में मंगलवार सुबह अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की लपटें और धुआं उठता देख आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि तब तक गोदाम में रखा हजारों रुपये मूल्य का सामान जलकर राख हो चुका था। नगर निवासी दुकानदार नितिन कुमार की बाईपास मार्ग पर परचून सामग्री की गोदाम है। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे वह अपनी दूसरी दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान पड़ोसियों ने गोदाम से धुआं निकलते देखा और तत्काल उन्हें इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही नितिन कुमार मौके पर पहुंचे। तब तक स्थानीय लोगों ने पानी डालकर आग पर काफी हद तक काबू पा लिया था। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने भी पानी की बौछार कर आग को पूरी तरह बुझाया और स्थिति को नियंत्रण में किया। गोदाम का शटर खोलकर देखा गया तो अंदर रखा परचून का काफी सामान जल चुका था। दुकानदार के अनुसार आग से करीब 50 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है,

विवाहिता का शव फांसी के फंदे से लटका मिला, पिता ने पति पर लगाया हत्या का आरोप

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) हसनगंज उन्नाव । कोतवाली क्षेत्र के रामपुर धौरा गांव में मंगलवार को एक विवाहिता का शव घर के कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में मृतका के पिता ने पति पर हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। रामपुर धौरा गांव निवासी 20 वर्षीय निशा पत्नी सोनू लाल का शव घर के अंदर एक कमरे में रस्सी के सहारे फंदे से लटका मिला। घटना के समय घर में उसकी सास मौजूद थीं, जबकि परिवार के अन्य सदस्य बाहर गए हुए थे। बताया जाता है कि जब सास घर के अंदर पहुंचीं तो उन्होंने निशा को दरवाजे की कुंडी से रस्सी के सहारे लटका देखा। यह दृश्य देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बंद कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा। इसके बाद पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतका के पिता अंबर पुत्र मैकू निवासी ग्राम वीर सिंह, थाना माखी ने आरोप लगाया कि उनकी पुत्री की शादी करीब एक वर्ष पूर्व हुई थी। उनका कहना है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित किया जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी की हत्या कर शव को फांसी के फंदे से लटका दिया गया है। कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि एक महिला का शव फांसी के फंदे से लटका मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्राप्त तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

कानपुर देहात समाचार

रसूलाबाद के वकीलों का ऐलान 22 से 27 जून तक पंजीयन कार्य का बहिष्कार

रसूलाबाद कानपुर देहात। शासन द्वारा लागू ई.पंजीकरण ध् आन लाइन पंजीयन व्यवस्था के निजीकरण के विरोध में लायर्स एसोसिएशन रसूलाबाद ने 22 जून से 27 जून 2026 तक उपनिबंधक कार्यालय में होने वाले पंजीयन कार्यों के बहिष्कार का एलान किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविन्द कुमार राठौर और महामंत्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह सेंगर ने उपनिबंधक मुकेश चंद्रा को ज्ञापन सौंपकर निर्णय से अवगत कराया। एसोसिएशन की 17 जून 2026 को हुई आवश्यक बैठक में शासन की नई व्यवस्था पर विस्तार से विचार.विमर्श हुआ। बैठक में मौजूद अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि उक्त अवधि में एसोसिएशन के सदस्य पंजीयन कार्यों में भाग नहीं लेंगे और खुद को विरत रखेंगे। अधिवक्ताओं का मत है कि ई.पंजीकरण व्यवस्था के निजीकरण से जनसामान्य और अधिवक्ता समाज के हित प्रतिकूल रूप से प्रभावित होंगे। इससे पंजीयन प्रक्रिया की पारदर्शिता दस्तावेजों की विधिक जांच और नागरिकों के अधिकारों के संरक्षण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। एसोसिएशन ने मांग की है कि ई.पंजीकरण व्यवस्था का निजीकरण रोका जाए और पुरानी व्यवस्था में सुधार कर पारदर्शिता बढ़ाई जाए ताकि अधिवक्ताओं और जनता के हित सुरक्षित रहें। इस अवसर पर अध्यक्ष अरविन्द कुमार राठौर महामंत्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह सेंगर के साथ सर्वेश कुमार पाल अर्पित यादव गोविन्द नारायण धर्मेन्द्र यादव धर्मेन्द्र कश्यप अरविन्द कमल विनय वर्मा सौरभ राजपूत संतोष सिंह गौर महेश बर्मा कुलदीप अवस्थी वीरेंद्र बहादुर हरी अवस्थी सुभाष त्रिपाठी बलराम चौहान प्रदीप शर्मा अनिल बर्मा अजय प्रताप सिंह गोपाल गुप्ता हरनारायण कुशवाहा समेत एसोसिएशन के तमाम अधिवक्ताओं मौजूद रहे ।

लखनऊ हादसे के बाद रसूलाबाद में कोचिंग सेंटरों पर छापा, सुरक्षा मानकों की खुली पोल

■ तहसीलदार बीईओ और कोतवाल ने किया निरीक्षण ए कई सेंटरों में नहीं मिले फायर सेफ्टी उपकरण

रसूलाबाद कानपुर देहात। राजधानी लखनऊ में कोचिंग सेंटर में हुई आगजनी की घटना के बाद रसूलाबाद प्रशासन हरकत में आ गया है। लंबे समय से सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर संचालित हो रहे कोचिंग सेंटरों पर अब जिम्मेदार विभागों ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है ।

रसूलाबाद. बिल्हौर रोड रसूलाबाद. कानपुर रोड रसूलाबाद. झींझक रोड सहित कस्बे के विभिन्न इलाकों में बड़ी संख्या में कोचिंग सेंटर संचालित हैं। यहां प्रतिदिन सैकड़ों छात्र.छात्राएं शिक्षा ग्रहण करने पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों और अभिभावकों का आरोप है कि इनमें से कई संस्थानों में फायर सेफ्टी उपकरण आपातकालीन निकास द्वार अग्निशमन व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों का अभाव है।

लखनऊ की घटना के बाद अभिभावकों में अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। उनका कहना है कि प्रशासन को किसी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय समय रहते सुरक्षा मानकों की जांच सुनिश्चित करनी चाहिए।

मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार संतोष कुमार सिंह खंड शिक्षा अधिकारी अजब सिंह तथा रसूलाबाद कोतवाल एस एन सिंह कानूनगो कुंवर सिंह आरक्षी रामाधार यादव के साथ क्षेत्र के विभिन्न कोचिंग सेंटरों में जांच और निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं भवन की स्थिति अग्निशमन उपकरणों और अन्य आवश्यक मानकों का परीक्षण किया गया। हालांकि अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह कार्यवाही केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगी या फिर नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ ठोस कार्रवाई भी होगी। क्षेत्रवासियों और अभिभावकों का मानना है कि छात्रों की सुरक्षा से जुड़ा यह विषय बेहद संवेदनशील है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही भविष्य में बड़े हादसे का कारण बन सकती है। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि कोचिंग संचालक सुरक्षा नियमों का कितना पालन करते हैं और जिम्मेदार विभाग इन मानकों को लागू कराने में कितने सफल साबित होते हैं।

तहसीलदार संतोष कुमार सिंह ने बताया कि नगर के दस कोचिंग सेंटरों पर छापा मारा गया जिसमें तीन कोचिंग सेंटरों को बंद करा दिया गया है ।छापेमारी की कार्यवाही से लगभग एक दर्जन कोचिंग सेंटर के संचालक अपने सेंटरों पर ताला डालकर फरार हो गए ।

छापे मारी से कोचिंग संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है ।

खुशखबरी- पुष्पेय हॉस्पिटल के सामने बनेगा नगर पंचायत का मल्टी स्पोर्ट्स फैसिलिटी

शहीदों के सम्मान में समर्पण भाव से खड़ी दिखाई दी अध्यक्ष दीपाली गुड्डन सिंह छै नए आंगनबाड़ी केंद्र भी जल्द बनकर होंगे तैयार महापुरुषों के सम्मान में भी की जाएगी वृद्धि दुरस्त होगी जल निकासी की व्यवस्था

स्वतंत्र भारत ब्यूरो माती कानपुर देहात। मंगलवार को अकबरपुर नगर पंचायत बोर्ड की अत्यंत आवश्यक बैठक का आयोजन नगर पंचायत अध्यक्ष दीपाली सिंह की अध्यक्षता में किया गया बैठक के दौरान विकास के अनेकों प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुए अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि अपनी नगर पंचायत को विकास से परिपूर्ण करना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है जिसमें सभी सम्मानित सभासदों का सहयोग नितांत आवश्यक है। नगर पंचायत बोर्ड की आयोजित बैठक के दौरान यह सामने आया कि जल निगम द्वारा खोदी गई सड़कों की नियमानुसार मरम्मत नहीं की गई है इसलिए जल निगम से पत्राचार करके सड़कों का मरम्मती करण कार्य कराया जाए इसी प्रकार समस्त सभासदों द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न निर्माण कार्यों को चयनित कर सदन के पटल पर रखा गया धनराशि की उपलब्धता के आधार पर प्रस्ताव पारित किए गए बिंदु संख्या चार के अंतर्गत शहीद स्मारक की टूटी हुई मूर्तियों की मरम्मत एवं नए शहीदों की स्मृति एवं सम्मान में उनकी मूर्तियां स्थापित कराए जाने का जहां प्रस्ताव सर्वसम्मत से पास किया गया वहीं अन्य कार्यवाही नगर पंचायत अध्यक्ष की अनुमति से शहीद शैलेंद्र सिंह की फोटो शहीद स्मारक में लगवाए जाने के कार्य पर भी मुहर लगाई गई पुष्पेय हॉस्पिटल के सामने मल्टी स्पोर्ट्स फैसिलिटी बनवाए जाने का प्रस्ताव और नगर पंचायत के अंतर्गत मैरिज हाल बनवाए जाने के साथ छठ पूजा के लिए वार्ड नंबर 9 सुभाष नगर नबीपुर में छठ घाट का निर्माण कराए जाने का प्रस्ताव भी पास किया गया वार्ड नंबर तीन शिवाजी नगर में खाली पड़ी ऊसर भूमि पर महात्मा गौतम बुद्ध एवं डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगवाए जाने के साथ नगर पंचायत अकबरपुर के अंतर्गत 6 आंगनबाड़ी केंद्र बनवाए जाने और अंबेडकर नगर में भी एक आंगनबाड़ी केंद्र बनवाए जाने के साथ शॉपिंग कंपलेक्स को जल्द बनवाए जाने एवं उसके चारों तरफ आवागमन के लिए गेट एवं शॉपिंग कांप्लेक्स के चारों तरफ लाइट लगवाए जाने जसवंत नगर में 11 सौ मीटर नाले का निर्माण कराए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया तो वार्ड नंबर 11 गांधीनगर में जल निकासी की व्यवस्था कराए जाने का प्रस्ताव पास हुआ वार्ड नंबर 6 कृष्णा नगर हाईवे से कोर्ट की पुलिया तक 350 मी नाला बनवाए जाने का प्रस्ताव हुआ इसी तरह वार्ड नंबर 9 सुभाष नगर में सर्विस रोड एवं नाला बनवाए जाने का प्रस्ताव भी पास किया गया बैठक के अंत में अध्यक्ष द्वारा उपस्थित समस्त सदस्य गणों को बैठक की कार्रवाई में भाग लेने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक की कार्रवाई समाप्त की गई बैठक का संचालन अधिशासी अधिकारी आशीष कुमार द्वारा किया गया जबकि लिपिबद्ध वरिष्ठ लिपिक राजेश कुमार द्वारा किए गया बैठक में अमृता कुशवाहा मोहम्मद शमशाद उर्फ मुन्ना मीरा देवी निरलेप भारती शैलेंद्र कुमार श्री राम पासवान आदेश यादव अजय पाल सिंह विनीता देवी नरेंद्र पाल जहान सिंह यादव रामपाल नायक रूबी बेगम कल्पना सुंदरी त्रिवेदी सुनील राजपूत हसीब कुरैशी नाजमीन बेगम मुस्ताक कृष्ण कुमार मिश्रा रितेश गुप्ता जयकुमार उर्फ बबलू भारती मौजूद रहे ।

अंतिम ज्येष्ठ मंगल पर विपिन दीक्षित ने कराया विशाल भंडारे का आयोजन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो माती कानपुर देहात। कलयुग के सच्चे देव महाबली हनुमान जी महराज की आराधना माह के अंतिम मंगलवार को लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही अकबरपुर अधिवक्ता समिति के अध्यक्ष का भक्ति भाव भी सभी के बीच सराहना का विषय बना रहा प्रत्येक मंगलवार को विशेष अनुष्ठान का आयोजन करते चले जा रहे फ्री दीक्षित द्वारा माह के अंतिम मंगलवार को सब्जी पूड़ी एवं खीर का विशाल भंडारा आयोजित कराया गया हजारों की संख्या में पहुचे भक्तों ने महाबली के दर्शन लाभ का आनंद उठाते हुए भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया इस अवसर पर विपिन दीक्षित द्वारा कहा गया यह महीना बाबा की भक्ति के लिए समर्पित होता है उन्होंने साफ तौर से कहा कि बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किए बिना मानव विकास की कोई इबारत लिखने के लायक नहीं है । ज्येष्ठ मास के अंतिम मंगल के पावन अवसर पर पीपलेश्वर हनुमान मन्दिर तहसील परिसर अकबरपुर में प्रभु श्री हनुमान जी की कृपा से विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धाए भक्ति एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं अधिवक्ताओं राजस्व कर्मियों कर्मचारियों एवं आमजनो ने उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया तथा धर्म लाभ अर्जित किया।भंडारे में श्रद्धालुओं को सब्जी पूरी एवं खीर का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सम्पूर्ण परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा तथा श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।इस अवसर पर तहसील एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों अधिवक्ताओं तथा गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सभी ने प्रभु श्री हनुमान जी के चरणों में श्रद्धा अर्पित करते हुए कार्यक्रम की सफलता हेतु सहयोग प्रदान किया।उपस्थित श्रद्धालुओं ने आयोजन की भूरि.भूरि प्रशंसा करते हुए इसे सामाजिक समरसता धार्मिक आस्था एवं जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। कार्यक्रम के सफल संचालन में अधिवक्ता समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का विशेष योगदान रहा।कार्यक्रम के आयोजक एवं अधिवक्ता समिति के अध्यक्ष विपिन चन्द्र दीक्षित ने सभी श्रद्धालुओं अधिकारियों कर्मचारियों अधिवक्ताओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रभु श्री हनुमान जी की कृपा तथा सभी के सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ इस दौरान अनेकों लोग मौजूद रहे।

'मानसून कमजोर लेकिन हमारे हौसले मजबूत': शिवराज

देश के 315 संभावित प्रभावित जिलों को चिन्हित कर सरकार ने बनाई विशेष कार्य योजना

नई दिल्ली, ब्यूरो। अल नीनो और कमजोर मानसून की आशंका के बीच केंद्र सरकार ने खरीफ सीजन को लेकर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। कृषि मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद यानी आईसीएआर ने मिलकर देश के 315 ऐसे जिलों की पहचान की है जहां कम वर्षा और सिंचाई की कमी के कारण खेती पर सबसे अधिक असर पड़ सकता है। कमजोर मानसून और अल नीनो से प्रभावित होने की आशंका वाले मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के इन सभी जिलों के लिए जिला कृषि आकस्मिकता योजनाएं तैयार कर ली गई हैं जिसके तहत वैकल्पिक फसलों, कम पानी वाली किस्मों, फसल बदलाव, जल प्रबंधन और जोखिम कम करने के उपायों पर विशेष जोर दिया गया है। केंद्र

सरकार द्वारा राज्यों और जिला प्रशासन से साफतौर पर कहा गया है कि इन योजनाओं को फाइलों तक सीमित न रखा जाए बल्कि स्थानीय परिस्थितियों के मुताबिक आवश्यक अपेक्षित बदलाव करके इन्हें तुरंत लागू करने की पूरी तैयारी रखी जाए। सरकार ने आश्वस्त करते हुए विश्वास दिलाया है कि केंद्र और राज्य सरकारों के साथ ही वैज्ञानिक संस्थानों और किसानों के संयुक्त प्रयासों से कमजोर मानसून की चुनौती को काफी हद बेअसर करते हुए संभावित नुकसान को न्यूनतम स्तर तक सीमित करने में कामयाबी पाई जा सकती है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों के कृषि मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों, जिला कलेक्टरों, आईसीएआर, क्रीडा और मौसम विभाग के विशेषज्ञों के साथ उच्चस्तरीय वर्चुअल समीक्षा बैठक के बाद संभावित हालातों और सरकार की तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस साल मानसून सामान्य से काफी पीछे चल रहा है और अब तक लगभग 43 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। साथ ही मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक आगामी दो जुलाई तक भी बारिश कमजोर रहने की ही आशंका है जिससे खेती के लिए पूरी तरह मानसून पर निर्भर इलाकों में खरीफ फसलों पर असर पड़ सकता है। लेकिन उन्होंने साफ कहा कि मानसून बेशक कमजोर हो लेकिन हमारे हौसले और तैयारियां पूरी तरह मजबूत हैं और सरकार हालात बिगड़ने का इंतजार नहीं कर रही बल्कि पहले से वैज्ञानिक योजना और जमीनी तैयारी के साथ किसानों को नुकसान से बचाने की कोशिशों में जुटी हुई है। शिवराज के मुताबिक सरकार ने जल संरक्षण को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए मनरेगा और ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के जरिए जल संचयन कार्यों पर जोर देने के निर्देश दिए हैं ताकि पानी का भंडारण बढ़े और ग्रामीण रोजगार भी सृजित हो। साथ ही कम अवधि में पकने वाली और कम पानी में तैयार होने वाली फसलों सहित दलहन, तिलहन और मोटे अनाज की बुवाई को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है।

केंद्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र द्वारा खेत बचाओ व बीज शोधन अभियान का आयोजन

स्वतंत्र भारत लखनऊ। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत वनस्पति संरक्षण संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के तत्वाधान में केंद्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र गोरखपुर द्वारा खेत बचाओ अभियान का

आयोजन ग्राम - जाजर गठिया, विकास खंड-बांसी, जनपद - सिद्धार्थनगर में किया गया। इसमें केंद्र के वैज्ञानिकों श्री अवधेश कुमार,श्री मनोज कुमार शुक्ला, रतेश कुमार मिश्रा एवं मोनल कुमार सिंह के द्वारा कीट व रोग के प्रबंधन हेतु विभिन्न विषयों पे व्याख्या दिया गया। कम एवं आव्याशकता पूर्ण से रसायनिक कीट नाशक से प्रबंधन कि आव्याशकता पर जोर देते हुए इसके स्थान पर विभिन्न आई पी एम प्रणाली व यन्त्रों जैसे प्रकाश प्रपंच, पीला व नीला चिपचपा,फल मक्खी ट्रैप,गंधपाश यंत्र,, ट्राइकोग्रामा कीट,ट्राइकोडेर्मा पाउडर एवं बेव्वेरिया बेसियाना आदि का उपयोग कि सलाह दे कर खेत कि मिट्टी एवं पर्यावरण को हानिकारक प्रभाव से मुक्त रहने कि सलाह दी गयी. फसल कि शुरुआत में ही जैव फफूँद द्वारा बीज व भूमि शोधन करने के बारे में भी चर्चा कि गयी. इस दौरान वहां के प्रगतिशील किसान मौजूद रहे.इस दौरान राज्य कृषि विभाग के उप जिला कृषि रक्षा अधिकारी श्री राम निवास, सहायक विकास अधिकारी (कृषि) श्री हेमंत कुमार गुप्ता, सहायक विकास अधिकारी (कृषि रक्षा) श्री उपेंद्र सिंह कुशवाहा, खंड तकनीकी प्रबंधक श्री कृष्णा मोहन शुक्ला उपस्थित रहे।

ओवरटेक के चक्कर में भीषण हादसा, डंपर की टक्कर से ट्रक खेत में गिरी, ड्राइवर-कंडक्टर गंभीर रूप से घायल

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। लालगंज थाना क्षेत्र के मिर्जापुर रीवा राष्ट्रीय मार्ग 135 पर महुअट गांव में मंगलवार की सुबह ओवरटेक करने के दौरान हुए भीषण हादसे में डीसीएम छह्लपहिया वाहन के ड्राइवर और कंडक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा महुअट स्थित एचपी पेट्रोल पंप के पास हुआ।जानकारी के अनुसार, जबलपुर से दाल और चुनी लादकर एक डीसीएम छह्लपहिया वाहन आजमगढ़ जा रहा था। ट्रक जैसे ही महुअट एचपी पेट्रोल पंप के पास पहुंची, तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे डंपर ने ओवरटेक करना शुरू कर दिया। ओवरटेक के बाद डंपर चालक ने अचानक बाईं ओर मोड़ दिया, जिससे डंपर ने पीछे चल रही ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।

इनकमिंग-2 मशीन की मरम्मत के लिए 3 फीडर बंद, कोटाघाट, बरहुला और हलिया क्षेत्र में बाधित रही बिजली

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। सबस्टेशन हलिया 33/11 केवीए में इनकमिंग-2 मशीन की मरम्मत के चलते कोटाघाट फीडर, बरहुला फीडर और हलिया फीडर की बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद कर दी गई। सबस्टेशन परिसर में विद्युत कर्मियों ने मशीन की मरम्मत का कार्य शुरू किया। मरम्मत के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचने के लिए संबंधित फीडरों की आपूर्ति बंद रखी गई। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मरम्मत कार्य उपभोक्ताओं को निर्बाध और सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है।

अदालती सूचना

न्यायालय किराया प्राधिकरण/अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), कानपुर नगर
वाद संख्या – 11029/2026
कम्प्यू. वाद सं. डी202603410011029
धारा 21/(2) उ. प्र. नागरिक परिसर किरायेदार विनियम अधिनियम 2021
मदन्ना बलाओ नोटिस– श्रीमान करतार चन्द्र कपूर पालक उम्र लगभग 56 वर्ष पुत्र स्व० गुरुचरन लाल कपूर मकान नं0 124/170, बी ब्लाक, गोविन्द नगर कानपुर नगर।
...मकान मालिक
1. राजकिशोर शर्मा पुत्र स्व० रामपति शर्मा 2. नवल किशोर शर्मा पुत्र स्व० रामपति शर्मा दोनो निवासी मकान नं0 50/6 5-ब्लाक निकट सरस्वती पैलेस, स्कूल गोविन्द नगर, कानपुर नगर। दुकान नम्बर– 124/170, बी ब्लाक, गोविन्द नगर कानपुर नगर।
...किरायेदार
चूंकि ऊपर अभिहित आवेदक जो अपने भवन स्वामी अभिकथित करता है, ने उत्तर प्रदेश नगरीय परिसर किरायेदारी अध्यादेश 2021 की धारा 21 (2) की उपधारा क और ख के अधीन प्रदर्शित किया गया है, अन्तर्गत प्रस्तुत किया गया है। आपको सूचना दी जाती है कि उपर्युक्त आवेदन में दिनांक 01.07.2026 को 10 बजे पूर्वान्ह/अपराह्न समय किराया अधिकरण में नियत गया है। अतएव उपर्युक्त दिनांक को कारण बताने के लिए कि क्यों न उपर्युक्त आवेदन स्वीकार किया जाये। आप स्वयं या अपने प्राधिकृत व्यक्ति या काउंसेल के माध्यम से उपस्थित हो। आप या आपके प्राधिकृत काउंसेल के उक्त दिनांक पर कारण बताने को उपस्थित न होने की दशा आवेदन आपकी अनुपस्थिति में विनिश्चित किया जायेगा, जिसे कृपया ध्यान दें। दिनांक 18.06.2026 किराया प्राधिकरण/अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) कानपुर नगर।

सी.आर.- 578/K-CN

अदालती सूचना

विवाद्यकों के विरचीकरण के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5) (शीर्षक)
न्यायालय श्रीमान मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण (दशरी) कानपुर नगर
प्रतिकर वाद सं. 307/2018
1. श्रीमती बताशा उम्र 55 वर्ष पत्नी स्व. महावीर नि. ग्राम पटन्हन खेड़ा पोस्ट पढ़रीकला थाना असलगंज जिला उन्नाव हाल पता– 379ए साहब नगर कल्याणपुर कानपुर नगर व 4 अन्य_याचीगण
बनाम–1. गोविन्द कुमार पुत्र गंगाराम नि. ग्राम बानीखेड़ा पो. निवरना थाना असलगंज जिला उन्नाव (वाहन स्वामी वाहन मोटर साइकिल सं. यू.पी. 35 ए. एन. 0463) 2. फूलीराम पुत्र प्रभु निवासी ग्राम असलगंज जनपद उन्नाव वाहन चालक_प्रतिवादीगण
बताशा ने आपके विरुद्ध मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 16.09.2026 को दिन में 10.30 बजे जो दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और इस वाद से संबंधित सभी तात्विक प्रश्नों का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेजों जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज चाहे वह आपके कब्जे में शक्ति में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज ता० 23.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुहर लगाकर दिया गया है। आज्ञा से, मुन्सरिम मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण (दशरी) कानपुर नगर।

सी.आर.- 578/K-CN

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस पर मीरजापुर वन प्रभाग ने किया वृक्षारोपण

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर मंगलवार को मीरजापुर वन प्रभाग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, वन विभाग के कर्मियों और पुलिस प्रशासन ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने पौधे लगाकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। महिलाओं और पुरुषों ने मिलकर पौधों में पानी डाला और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। मौके पर तैनात पुलिस कर्मी भी वृक्षारोपण अभियान में शामिल रहे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्र के प्रति समर्पण और बलिदान को याद किया गया। वन प्रभाग के अधिकारियों ने कहा कि उनका बलिदान देश की एकता और अखंडता के लिए प्रेरणा है। वृक्षारोपण

के माध्यम से पर्यावरण को बचाने के साथ-साथ उनके आदर्शों को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग का भरोसा दिलाया।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाइन खुली ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत है। ई–निविदा संख्या : (1) NER-LJN-2026-197 कार्य का नाम: पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल: सहायक मण्डल इंजीनियर/लाइन/लखनऊ जंक्शन के अंतर्गत, सीनियर सेक्शन इंजीनियर/कार्य/बादशाहनगर और सीनियर सेक्शन इंजीनियर/कार्य/उतरेठिया रोड के अधिकार क्षेत्र में LHS पर जमा पानी को SMP पंप से बाहर निकालने का कार्य। अनुमानित लागत (रु.) : 3246400.00 अग्रिम धन (रु) : 64900.00 समापन अवधि : 12 माह। ई–निविदा संख्या : (1) NER-LJN-2026-198 कार्य का नाम: पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल: सहायक मण्डल इंजीनियर/स्पेशल/गोण्डा के अधिकार क्षेत्र में LHS पर जमा पानी को SMP पंप से बाहर निकालने का कार्य। अनुमानित लागत (रु.) : 2353640.00 अग्रिम धन (रु) : 47100.00 समापन अवधि : 12 माह। 1. उपरोक्त ई–निविदा संख्या NER-LJN-2026-197 & NER-LJN-2026-198 के लिये ई–निविदा दिनांक 14.07.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेगी। 2. उपरोक्त ई–निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, न्यूनतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०) लखनऊ
जनसंपर्क/लखनऊ–190

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कानपुर नगर निगम

निविदा संख्या–38/मु०अभि०/2026–27
निविदा सूचना

नगर निगम कानपुर के समस्त वर्ष 2025–26 में पंजीकृत/नवीनीकृत ठेकेदारों से उनकी पंजीकरण सीमा के अन्तर्गत तथा उ०प्र० सरकार के अधीन किसी सरकारी संस्था में निर्माण कार्य हेतु वर्ष 2025–26 हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न अभियन्त्रण खण्डों के अन्तर्गत महत्वपूर्ण एवं आवश्यक कार्यों हेतु निम्नानुसार निविदायें आमन्त्रित की जाती है–

1. ई–निविदा पद्धति से आमन्त्रित कार्यों की निविदायें संख्या–09 दिनांक–27.06.2026

उपरोक्तानुसार आमन्त्रित निविदाओं के कार्यों का पृथक–पृथक विवरण एवं निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्तें कानपुर नगर निगम की वेबसाइट kmc.up.nic.in पर एवं मुख्य अभियन्ता कार्यालय के नोटिस बोर्ड व सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता के कार्यालय में देखी जा सकती हैं।

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम कानपुर
आर नं. 90 दि. 23.06.2026

कानपुर विकास प्राधिकरण

आवश्यक सूचना:– एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अखिलेश सिंह गौतम पुत्र स्व० बाबूराम संखवार द्वारा पंजीकृत विलेख संख्या–17121 दिनांक 11-12-2025 में दिये गये प्रार्थना पत्र का अवलोकन करने का कष्ट करें [illegible]

विशेष कार्याधिकारी (जोन-3)

सी.आर.- 578/K

नवागत बीडीओ द्वारा बैठक में कसी गई रोजगार सेवकों की नकेल

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के उद्देश्य से मंगलवार को विकास खंड कार्यालय में बैठक कर नवागत बीडीओ द्वारा रोजगार सेवकों की नकेल कसी गई। बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए खंड विकास अधिकारी रवि सिंह ने लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए और लापरवाही बरतने वालों को कार्रवाई की चेतावनी दी।

उत्तर मध्य रेलवे

No.- Dy. CEE/PU/CNB/26-27/T-05 | दिनांक: 20.06.2026

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/परि./कानपुर के निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन ई-टेन्डरिंग के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना संख्या: उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/परि./कानपुर/26-27/टेण्डर-05, कार्य का नाम : मिशन 3000MT के अंतर्गत VGLJ-GOY खंड में सभी 25 अलग-अलग पीएसआई (टीएसएस/एसपी/एसएसपी) पोस्ट (2 x 25 केवी) के लिए अस्थायी बाउंड्री बनाने का कार्य।

अनुमानित लागत (₹): ₹ 67,50,852.25	अग्रिम राशि (₹): ₹ 1,35,000.00
निविदा प्रपत्र का मूल्य : ₹ 00/-	वैलिडिटी पीरियड : 60 दिन
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 13.07.26, 15:00 बजे।	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 04 माह।	

निविदा दिनांक 13.07.2026 को 15:00 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। (2) पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। 1422/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

No. RS/Mech/MWL/CNB/25 | दिनांक: 19.06.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कोचिंग, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदा, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक GeM वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती है-

GeM बिड संख्या: GEM/2026/B/7665920, Dated- 19.06.2026, कार्य का नाम : कानपुर कोचिंग डिपो लिनेन मदों की मशीनीकृत धुलाई।	
कार्य का अनुमानित लागत (₹ में): ₹ 7,94,14,097/-	EMD : ₹ 5,47,070/-
निविदा सिस्टम : दो पैकेट सिस्टम	ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य : शून्य
कार्य की अवधि : 02 वर्ष	GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि: 19.06.2026
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 13.07.2026 को 15.00 बजे।	

नोट: (1) उपरोक्त ई-निविदाओं की निविदा पुस्तिका सहित पूरी जानकारी GeM वेबसाइट www.GeM.gov.in पर उपलब्ध है। (2) GeM पर निविदा करने में किसी भी कठिनाई के लिए GeM वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। (3) ऑनलाइन ई-निविदा GeM वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक जमा की जा सकती है। (4) जेवी (JV) फर्मों को इस निविदा में भाग लेने की अनुमति है। 1406/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.- 74-डब्लू-सीएसपी-26-27-06 | दिनांक: 22.06.2026

खुली ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर,कंक्रीट स्लीपर प्लान्ट, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा खुलने की निर्धारित तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं0 : 74-W-CSP-26-27-06	अनुमानित मूल्य (रू.) : 48.44 लाख
कार्यो का विवरण : सीएसपी एसएफजी / पीआरवाईजे में एस टी आर - 2025 के विभिन्न उपकरणों, मशीनों, कंट्रोल पैनल आदि की सप्लाई, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग, साथ ही 02 साल की वारंटी और उसके बाद 01 साल का व्यापक मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट।	

बयाने की रकम (रू.) : 96,900.00, कार्य समापन की अवधि : 39 महीना, निविदा खुलने की तिथि : 14.07.2026, नोट : 1. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया जायेगा एवं खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु बिडरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें पेज पर अंकित एवं डिजिटली हस्ताक्षरित विचारणीय होगा। दरें तथा अन्य विनिर्देश अथवा अन्य किसी भी फार्म लेटरहेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदा कर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। निविदाकर्ता को IREPS Module पर Annexure-V ऑनलाइन प्रस्तुत करना आवश्यक है। 5. विस्तृत जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड किये गये निविदा प्रपत्रों को देखें। 6. बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट ई-भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 7. किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 8. ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है, तथा उसी दिन 15:30 बजे के बाद खोली जायेगी। 9. माल और सेवाओं के अनुबंधों समय-समय पर लागू जी.एस.टी अधिनियम और नियमों के अधीन होंगे। 10. रेलवे के पास, किसी भी टेण्डर को बिना कोई कारण बताए स्वीकार/अस्वीकार निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। 11. निविदाकर्ता को निविदा खुलने से पहले (सम्मिलित) अपलोड किए जाने वाले एनआईटी/निविदा दस्तावेज के शुद्धिपत्र/परिशिष्ट के लिए वेबसाइट पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि इसके लिए कोई अलग सूचना नहीं दी जाएगी। 1424/26 (D)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल, रेफर

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के सगरा गांव में सोमवार की देर शाम बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने घायल बाइक सवार को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जंहा पर चिकित्सक द्वारा बाइक सवार की हालत गंभीर देखकर मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है। थाना क्षेत्र के सगरा गांव निवासी 60 वर्षीय दिनेश प्रसाद पाण्डेय बाइक से अपने खेत की तरफजा रहे थे की बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने घटना की सूचना बाइक सवार के स्वजनों को सूचना देते हुए तत्काल उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जंहा पर चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद घायल बाइक सवार की हालत गंभीर देखकर मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है।

स्कार्पियो व ट्रैक्टर भिड़ंत में घायल दूसरे युवक की हुई मृत्यु

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। लालगंज थाना क्षेत्र के वाराणसी रीवा हाईवे पर स्थित सेमरा प्रताप गांव के पास पांच दिन पहले स्कार्पियो के टक्कर से ट्रैक्टर पलट कर गड्ढे में चला गया था। जिसमे घायल दूसरे युवक 27 वर्षीय जयप्रकाश तिवारी की प्रयागराज में उपचार के दौरान बीती सोमवार की आधी रात मृत्यु हो गई है। 26 वर्षीय ओमचंद तिवारी की उसी दिन घटनास्थल पर मृत्यु हो गई थी। दोनों चचेरे भाइयों की मृत्यु से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।शव प्रयागराज से आने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घर में दो युवकों की मृत्यु होने से स्वजनों का रो-रो कर बुरा हाल हैं। लालगंज थाना क्षेत्र के बामी गांव निवासी ओमचंद तिवारी और जयप्रकाश तिवारी दोनों चचेरे भाई 18 जून को अपने ट्रैक्टर का सर्विसिंग करा कर लालगंज से वापस घर बामी लौट रहे थे, वाराणसी रीवा हाईवे पर स्थित सेमरा प्रताप गांव के पास पहुंचे थे कि पीछे से महाकालेश्वर उज्जैन से दर्शनार्थियों को लेकर वापस बिहार लौट रहे स्कार्पियो ने अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दिया था। जिसमें ट्रैक्टर दो पार्ट में अलग हो गया था। इस घटना में ट्रैक्टर के बोनट पर बैठे बामी गांव के रमाशंकर तिवारी उर्फ नन्कू के इकलौते पुत्र ओमचंद तिवारी की घटना स्थल पर मृत्यु हो गई थी।जबकि उनके साथ चचेरे भाई जयप्रकाश तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए थे, घायल जयप्रकाश तिवारी को मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना के पांचवें दिन सोमवार को दोपहर बाद जयप्रकाश तिवारी को अचानक सांस लेने में दिक्कत हो गई।

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना खण्ड के ललितपुर स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन एवं रेग्युलेशन करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	कहाँ से	कहाँ तक	वर्तमान मार्ग	परिवर्तित मार्ग	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
16093	चेन्नै सेन्ट्रल	लखनऊ जं.	इटारसी-बीना-वी. लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेन्ट्रल	इटारसी-जबलपुर-ओहन-कानपुर सेन्ट्रल	14.07.26, 18.07.26
12943	वलसाड	कानपुर सेन्ट्रल	इटारसी-बीना-वी. लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेन्ट्रल	इटारसी-जबलपुर-ओहन-कानपुर सेन्ट्रल	15.07.26
12944	कानपुर सेन्ट्रल	वलसाड	कानपुर सेन्ट्रल-वी. लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	कानपुर सेन्ट्रल-जबलपुर-ओहन-इटारसी	17.07.26
14115	डॉ. आंबेडकर नगर	प्रयागराज	बीना-ललितपुर-खजुराहो-मानिकपुर	बीना-दमोह-कटनी मुड़वारा-मानिकपुर	18.07.26 से 20.07.26
14116	प्रयागराज	डॉ. अम्बेडकर नगर	मानिकपुर-खजुराहो-ललितपुर-बीना	मानिकपुर-कटनी मुड़वारा-दमोह-बीना	17.07.26 से 21.07.26
19483	अहमदाबाद	सहरसा	बीना-ललितपुर-खजुराहो-मानिकपुर	बीना-दमोह-कटनी मुड़वारा-मानिकपुर	18.07.26 से 20.07.26
19484	सहरसा	अहमदाबाद	मानिकपुर-खजुराहो-ललितपुर-बीना	मानिकपुर-कटनी मुड़वारा-दमोह-बीना	17.07.26 से 19.07.26
19436	आसनसोल	अहमदाबाद	मानिकपुर-खजुराहो-ललितपुर-बीना	मानिकपुर-कटनी मुड़वारा-दमोह-बीना	18.07.26
22129	लोकमान्य तिलक (टी.)	अयोध्या कैंट	इटारसी-वी.लक्ष्मीबाई झाँसी-मानिकपुर	इटारसी-जबलपुर-सतना-मानिकपुर	14.07.26, 18.07.26
01027	दादर	गोरखपुर	इटारसी-ललितपुर-खजुराहो-मानिकपुर	इटारसी-जबलपुर-सतना-मानिकपुर	14.07.26 से 19.07.26
01025	दादर	बलिया	इटारसी-ललितपुर-खजुराहो-मानिकपुर	इटारसी-जबलपुर-सतना-मानिकपुर	13.07.26 से 17.07.26
01026	बलिया	दादर	मानिकपुर-खजुराहो-ललितपुर-इटारसी	मानिकपुर-सतना-जबलपुर-इटारसी	17.07.26 से 19.07.26
01028	गोरखपुर	दादर	मानिकपुर-खजुराहो-ललितपुर-इटारसी	मानिकपुर-सतना-जबलपुर-इटारसी	18.07.26

रेलगाड़ियों का रेग्युलेशन

गाड़ी सं.	कहाँ से	कहाँ तक	रेग्युलेशन का समय	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
01028	गोरखपुर	दादर	खजुराहो-बिरारी के मध्य 30 मिनट	09.07.26
01026	बलिया	दादर	खजुराहो-बिरारी के मध्य 45 मिनट	12.07.26
12173	लोकमान्य तिलक (टी.)	माँ बेला देवी धाम प्रतापगढ़ जं.	झाँसी मण्डल पर 110 मिनट	12.07.26
01073	लोकमान्य तिलक (टी.)	बनारस	पश्चिम मध्य रेलवे पर 50 मि. एवं झाँसी मण्डल पर 60 मिनट	18.07.26
22544	लोकमान्य तिलक (टी.)	छपरा	झाँसी मण्डल पर 40 मिनट	16.07.26
19167	अहमदाबाद	वाराणसी सिटी	झाँसी मण्डल पर 60 मिनट	11.07.26, 13.07.26, 14.07.26
19165	अहमदाबाद	दरभंगा	झाँसी मण्डल पर 60 मि.	10.07.26, 15.07.26
			पश्चिम मध्य रेलवे पर 30 मि. एवं झाँसी मण्डल पर 50 मिनट	19.07.26
11407	पुणे	लखनऊ जं.	झाँसी मण्डल पर 15 मि.	14.07.26
07075	हैदराबाद	गोरखपुर	झाँसी मण्डल पर 40 मि.	10.07.26
20416	इन्दौर	वाराणसी	झाँसी मण्डल पर 60 मि.	20.07.26

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR | 1414/26(MG)

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत

एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं 78, कैनाल रोड, कैन्ट, कानपुर से प्रकाशित।

सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**

फोन : 0512-2332212
0512-2330533

E-mail : swatantrabharat77@gmail.com

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर होगा।

स्वतंत्र भारत

देश विदेश

आरएनआई रजि नं. 50969/89 डाक पंजीयन सं. के.पी./सिटी एल.पी.पी./2/96

कानपुर, बुधवार, 24 जून 2026

ईरान-यूएस समझौते पर राष्ट्रपति पेजेशकियन बोले

समझौते की सफलता उसके लागू होने पर निर्भर

तेहरान। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने मंगलवार को ईरान और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए समझौते (एमओयू) को लेकर कहा कि इस समझौते की सफलता पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करती है कि दोनों पक्ष अपनी जिम्मेदारियों को कितनी सटीकता से निभाते हैं। पेजेशकियन ने जोर देकर कहा कि समझौते के लिखित पाठ से बाहर जाकर दिए गए बयान बातचीत को आगे बढ़ाने में कोई मदद नहीं करते। उन्होंने साफ किया कि प्रगति तभी मानी जाएगी जब जमीन पर काम दिखेगा।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ मिलकर समस्याओं को जल्द सुलझाने की बात कही है। वहीं, नेतन्याहू ने इस समझौते को नजरअंदाज करते हुए दक्षिण लेबनान से अपनी सेना हटाने से साफ इनकार कर दिया है। नेतन्याहू ने संकल्प लिया कि वह ईरान को कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। उन्होंने कहा कि जब तक इस्रायल के लोगों की सुरक्षा का सवाल है, उनकी सेना दक्षिण लेबनान के सुरक्षा क्षेत्र में तैनात रहेगी।

वहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने समुद्री रास्तों की सुरक्षा को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि अगर किसी ने महत्वपूर्ण शिपिंग लेन को बंद करने की कोशिश की, तो अमेरिका उसे पूरी तरह तबाह कर देगा। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य का सीधा नियंत्रण अपने हाथ में ले सकता है और वहां से गुजरने वाले तेल के जहाजों पर शुल्क भी लगा सकता है।

इस बीच, ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने बातचीत के अगले चरण का ब्योरा साझा किया। उन्होंने बताया कि अगली वार्ता में ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ, विदेश मंत्री अब्बास अराघची, अमेरिकी उपराष्टपति जेडी वेंस और पाकिस्तान व कतर के प्रधानमंत्री शामिल होंगे। इस समझौते को लागू करने के लिए चार विशेष वर्किंग ग्रुप बनाए गए हैं। ये ग्रुप प्रतिबंधों को खत्म करने, परमाणु मुद्दों, आर्थिक विकास और समझौते की निगरानी का काम करेंगे।

ईरान ही करेगा होर्मुज का प्रबंधन जंग से पहले जैसी स्थिति असंभव

तेहरान। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने स्विट्जरलैंड से लौटने के बाद एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा

- **स्पीकर गालिबाफ की दो-टूक**

कि होर्मुज जलडमरूमध्य अब युद्ध से पहले वाली स्थिति में कभी नहीं लौटेगा। गालिबाफ ने साफ किया कि अब ईरान इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते का प्रबंधन अपने इंतजामों के हिसाब से करेगा, हालांकि इस दौरान अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन किया जाएगा। गालिबाफ ने अमेरिका के साथ हुई तकनीकी बातचीत के बाद बताया कि ईरान ने इन चर्चाओं में अपनी ताकत दिखाई है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के दबाव की वजह से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सोशल मीडिया पर अपनी एक पोस्ट भी बदलनी पड़ी। इस पोस्ट में ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी थी कि वह लेबनान में हिजबुल्लाह जैसे अपने सहयोगी समूहों की मदद करना बंद करे। गालिबाफ ने इसे ईरान के कूटनीतिक प्रभाव का बड़ा सबूत बताया।

क्षेत्रीय स्थिति पर बात करते हुए गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका पर भरोसा करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा, हमने कभी अमेरिकियों पर भरोसा नहीं किया, न अब करते हैं और भविष्य में भी उन पर अविश्वास करना ही सही होगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि अगर ईरान स्विट्जरलैंड की बातचीत में शामिल नहीं होता, तो लेबनान में मुसलमानों और शियाओं का और ज्यादा खून बहता। उनके अनुसार, इन वार्ताओं ने क्षेत्र में तनाव को और बढ़ने से रोकने में मदद की है। ईरानी संसद अध्यक्ष ने देश की एकता पर जोर देते हुए कहा कि सभी को सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामेनेई के नेतृत्व में एकजुट रहना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि खामेनेई का फैसला और निर्देश ही अंतिम होगा। गालिबाफ ने बातचीत के फायदों का जिक्र करते हुए बताया कि इसके परिणामस्वरूप ईरान के रोके गए पैसे वापस मिलेंगे और तेल पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी जाएगी। यह बातचीत अमेरिका और ईरान के बीच दुश्मनी खत्म करने के लिए हुए 14 सूत्रीय समझौते (एमओयू) का हिस्सा थी। फिलहाल, दोनों पक्ष एक उच्च-स्तरीय समिति बनाने और 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने के रोडमैप पर सहमत हुए हैं।

एक नज़र

ईरान परमाणु जांचकर्ताओं को देश में आने की देगा इजाजत : वेंस

तेहरान ने नहीं की पुष्टि

बर्गेनस्टॉक (स्विट्जरलैंड)। स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि पिछले 36 घंटे बहुत उत्पादक रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बातचीत का मकसद पश्चिम एशिया में तनाव कम करना और एक समझौते की दिशा में आगे बढ़ना है। वेंस ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि इन बैठकों में समुद्री सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर निगरानी जैसे मुद्दों पर अहम प्रगति हुई है। वेंस ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच कई जरूरी कदमों पर सहमति बनी है, ताकि क्षेत्र में शांति बनाए रखी जा सके। उन्होंने कहा, बातचीत में सबसे अहम बात यह तय हुई कि होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला और सुरक्षित रखा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस मार्ग से रोजाना बड़ी मात्रा में तेल का परिवहन होता है, इसलिए इसकी सुरक्षा बेहद जरूरी है। इससे तेल और गैस की कीमतों पर भी असर पड़ता है। वेंस ने यह भी बताया, संघर्ष को रोकने और भविष्य में तनाव की स्थिति को संभालने के लिए एक ढांचा तैयार किया गया है, खासकर लेबनान में इस्राइल के हमलों से जुड़े मुद्दे पर। उन्होंने कहा, ईरान लंबे समय बाद परमाणु कार्यक्रम के जांचकर्ताओं को देश में आने दे रहा है। हम जांच को मजबूत करेंगे, ताकि यह शासन कभी भी परमाणु हथियार न रख सके।

चीन के साथ करीबी बढ़ा रहा बांग्लादेश

रिपोर्ट में दावा- 24 जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने को तैयार

ढाका। बांग्लादेश अपनी वायुसेना को आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि बांग्लादेश चीन से जे-10सीई बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बना रहा है। डेली वाडा की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सोमवार से शुरू हुई चीन यात्रा के दौरान बांग्लादेश 24 चीनी जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने की योजना को आगे बढ़ा सकता है। इसके साथ ही ढाका और बीजिंग रक्षा, बुनियादी ढांचे, व्यापार और निवेश समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से कहा गया है, हमें उम्मीद है कि इस वर्ष अगस्त तक लड़ाकू विमान खरीद समझौते पर हस्ताक्षर कर लिए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक विमान की कीमत लगभग 4 करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत को तेज करने के लिए पिछले सप्ताह एक चीनी प्रतिनिधिमंडल ढाका आया था। वहीं, बांग्लादेशी अधिकारी यात्रा के दौरान चीन के विदेश और रक्षा मंत्रियों के साथ अलग-अलग बैठकें कर प्रस्तावित सौदे के प्रमुख बिंदुओं को अंतिम रूप देंगे।

श्रीलंका में तेजी से बढ़ रहा डेंगू का संक्रमण

एक दिन में 1,000 से अधिक केस

स्वास्थ्य मंत्रालय के 50 मीटर के दायरे में बढ़ा खतरा

कोलंबो। श्रीलंका के डेली मिरर अखबार के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में श्रीलंका में डेंगू के 1,069 मामले दर्ज किए गए, जिससे इस साल कुल मामलों की संख्या 47,179 हो गई है, जबकि मरने वालों की संख्या 28 है। अखबार ने नेशनल डेंगू कंट्रोल यूनिट (डीसीयू) के कार्यवाहक निदेशक डॉ. कपिला कन्नंगारा के हवाले से कहा कि महामारी न होने के समय श्रीलंका में आमतौर पर रोजाना 150 से 200 डेंगू के मामले दर्ज किए जाते हैं। हालांकि, मौजूदा उच्च जोखिम वाली स्थिति में रोजाना संक्रमण के मामले बढ़कर 600 से 650 के बीच पहुंच गए हैं। संक्रमण में यह तेजी ऐसे समय में आई है जब स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कोलंबो में स्वास्थ्य मंत्रालय के पास जमा हो रहे कचरे पर चिंता जताई है और चेतावनी दी है कि यह कचरा डेंगू फैलाने वाले मच्छरों के पनपने की जगह बन सकता है। डेली मिरर के अनुसार, डॉक्टर्स ट्रेड यूनियन अलायंस फॉर मेडिकल एंड सिविल राइट्स के चेयरमैन और विशेषज्ञ डॉ. चमल संजीव ने कहा कि नॉरिस कैनाल रोड और श्रीलंकाई स्वास्थ्य मंत्रालय के 50 मीटर के दायरे में आने वाले आसपास के इलाकों में कचरा जमा हो गया है, जिससे मच्छरों के पनपने की संभावित जगहें बन गई हैं।

चीन ने 10 अमेरिकी रक्षा कंपनियों को रोका निर्यात

46 फर्मों पर लगाया खरीद प्रतिबंध

बीजिंग। चीन ने अमेरिका की उस हालिया कार्रवाई के जवाब में 10 अमेरिकी सैन्य-संबंधी कंपनियों पर निर्यात संबंधी रोक लगा दी है, जिसके तहत कुछ प्रमुख चीनी टेक कंपनियों को रक्षा कॉन्ट्रैक्ट्स से बाहर रखा गया है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, चीनी कंपनियां इन 10 कंपनियों को दोहरे इस्तेमाल वाली चीजों का निर्यात नहीं करेंगी। दोहरे इस्तेमाल का अर्थ है ऐसी चीजें जिनका उपयोग सैन्य व असैन्य दोनों कामों में होता हो। उसने 46 रक्षा फर्मों पर खरीद प्रतिबंध भी लगा दिए हैं। 10 अमेरिकी कंपनियों में सैन्य ड्रोन बनाने वाली व दुर्लभ खनन से जुड़ी कंपनियां शामिल हैं। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, निर्यात पर यह प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए व अमेरिकी सरकार द्वारा चीनी सैन्य कंपनियों की तथाकथित सूची के गलत विस्तार के जवाब में लगाया है।

ईरान युद्ध की ट्रंप ने चुकाई भारी कीमत

वॉशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने सीनेटरों को बताया है कि उसे ईरान युद्ध के कारण लगभग 80 अरब अमेरिकी डॉलर की

- **पेंटागन ने कांग्रेस से मांगे 80 अरब डॉलर**
- **सांसदों में भारी नाराजगी**

अतिरिक्त धनराशि की जरूरत है। इस धनराशि का अधिकतर हिस्सा ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान की लागत को पूरा करने में खर्च होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित रक्षा बजट में भी भारी बढ़ोतरी की गई है और अब मांगी गई यह 80 अरब डॉलर की राशि रक्षा बजट से अलग है। हालांकि, व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट ने अभी तक कांग्रेस के सामने कोई औपचारिक अनुरोध पेश नहीं किया है। लेकिन रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ हाल के दिनों में कैपिटल हिल में सांसदों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। सोमवार शाम भी उन्होंने कई सांसदों से बातचीत की। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री के एक वरिष्ठ सहयोगी ने पिछले सप्ताह सीनेटरों को ईरान अभियान के लिए अतिरिक्त फंडिंग की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी थी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में इस बात की जानकारी सबसे पहले दी थी। ईरान युद्ध के लिए अरबों डॉलर की अतिरिक्त फंडिंग की मांग ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका में राजनीतिक माहौल बेहद संवेदनशील बना हुआ है। कई सांसद ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ किए गए समझौते और युद्ध समाप्ति की रणनीति को लेकर संदेह जता रहे हैं तथा आगे की कार्रवाई को लेकर भी सतर्क हैं। व्हाइट हाउस ने इस वर्ष पेंटागन के लिए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड रक्षा बजट का प्रस्ताव रखा है, जो मौजूदा वित्तीय वर्ष के मुकाबले लगभग 50 प्रतिशत अधिक है।

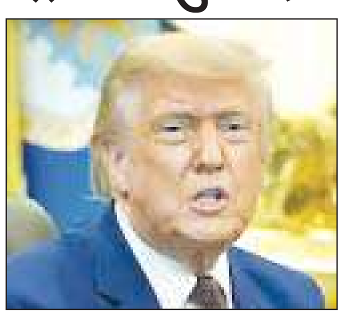

'मैं प्रॉब्लम सॉल्वर हूं, बीबी का मामला भी सुलझा दूंगा'

इस्राइल के सवाल पर भड़के ट्रंप, स्टार्मर को भी घेरा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ताजा बयानों ने वैश्विक हलचल पैदा कर दी है। ट्रंप ने ईरान और इस्राइल के बीच चल रहे विवाद को सुलझाने का बड़ा दावा किया है। जब ट्रंप से पूछा गया कि वे इस्राइली पीएम को अमेरिका-ईरान बातचीत में बाधा डालने से कैसे रोकेंगे, तो उन्होंने खुद को समस्या सुझाने वाला (प्रॉब्लम सॉल्वर) बताया। ट्रंप ने कहा कि वे अपनी योजना का खुलासा नहीं करेंगे, लेकिन वे इस समस्या को बहुत जल्दी सुलझा लेंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि वे बीबी (नेतन्याहू) से जुड़े मामले को भी सुलझा लेंगे। ट्रंप का यह बयान नेतन्याहू के कल के बयान के बाद आया है कि इस्राइली सेना लेबनान में बनी रहेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के इस्तीफे पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने स्टार्मर की आलोचना इसलिए की क्योंकि उन्होंने ऊर्जा के क्षेत्र में बहुत गलतियां कीं। ट्रंप के अनुसार, ब्रिटेन ने हर जगह पवन चक्कियां लगा दी हैं, जबकि उनके पास उत्तरी सागर में तेल का बड़ा भंडार मौजूद है। पर्यावरण के नाम पर वहां तेल निकालने की अनुमति नहीं दी गई, जो एक गलत फैसला था। ट्रंप ने नाटो के मुद्दे पर भी स्टार्मर की भूमिका को खराब बताया। उन्होंने कहा कि स्टार्मर ने कुछ हफ्तों के लिए एक द्वीप का इस्तेमाल करने से मना कर दिया था।

प्रतिबंध के बावजूद अवामी लीग का शक्ति प्रदर्शन

ढाका। बांग्लादेश में प्रतिबंधित अवामी लीग ने अपने 77वें स्थापना दिवस पर शक्ति प्रदर्शन करने की कोशिश की, जिसके बाद देश के कई हिस्सों में तनाव की स्थिति बन गई। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी पर लगे प्रतिबंध के बावजूद कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर जुलूस निकाले और नारेबाजी की। इसके बाद पुलिस ने राजधानी ढाका समेत विभिन्न इलाकों से दर्जनों कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। प्रशासन ने दावा किया है कि उसने प्रतिबंध का उल्लंघन करने की कोशिशों को नाकाम कर दिया है। 23 जून 1949 को स्थापित अवामी लीग बांग्लादेश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी मानी जाती है। इसी पार्टी ने 1971 के मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था।

अमेरिका-ईरान समझौते पर खाड़ी देश चिंतित

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते ने खाड़ी देशों को चिंता में डाल दिया है। दरअसल खाड़ी देशों में इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है कि समझौते के तहत ईरान

- **ईरान को 300 अरब डॉलर कौन देगा?**

को कितना पैसा मिलने वाला है और वह पैसा कौन देगा? अमेरिकी प्रशासन पश्चिम एशिया में अपने सहयोगी देशों को यह यकीन दिलाने की कोशिश कर रहा है कि ईरान के साथ हुआ समझौता उनके हित में है। हालांकि खाड़ी देशों की चिंता बनी हुई है। अधिकांश देशों ने अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष को समाप्त करने की कोशिशों का स्वागत किया है। हालांकि, उनकी चिंता इस बात को लेकर है कि अगर बातचीत सफल होती है तो ईरान को क्या-क्या रियायतें मिल सकती हैं और क्या यह समझौता ईरान की सैन्य महत्वाकांक्षाओं पर रोक लगाने में सफल हो सकेगा या नहीं।

खाड़ी देशों की चिंता की वजह क्या है? सबसे अधिक चर्चा ईरान के पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास के लिए दिए जाने वाले 300 अरब डॉलर के पैकेज को लेकर हो रही है। शांति समझौते के ज्ञापन में कहा गया है कि अमेरिका क्षेत्रीय साझेदारों के साथ मिलकर ईरान के पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर देगा। इस योजना को लागू करने की रूपरेखा अंतिम समझौते के तहत अगले 60 दिनों में तय की जाएगी।

खाड़ी देशों को आशंका है कि इतनी बड़ी राशि ईरान को युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई करने के साथ-साथ उसकी सैन्य क्षमता और क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाने में भी मदद कर सकती है। इसके अलावा, कई देशों को इस बात पर भी आपत्ति है कि हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन में ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम का सीधे तौर पर कोई उल्लेख नहीं किया गया है। ये चिंताएं उन देशों के लिए और भी ज्यादा अहम हैं जहां अमेरिकी सैन्य अड्डे मौजूद हैं। सऊदी अरब, यूएई, कुवैत, बहरीन और कतर, अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था के प्रमुख साझेदार हैं। ईरान के साथ हुए संघर्ष के दौरान इन देशों को भी ईरानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों का सामना करना पड़ा था, जिनमें नागरिक ढांचे को भी निशाना बनाया गया था।

भारत की सख्ती से नेपाल को बड़ी चपत

काठमांडू। नेपाल की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देने वाले चाय उद्योग पर इन दिनों संकट के बादल मंडरा रहे हैं। भारत द्वारा आयातित चाय के लिए सख्त गुणवत्ता जांच लागू किए जाने के बाद नेपाली चाय का

- **चाय उद्योग को करोड़ों का नुकसान, सरकार से दखल की मांग**

निर्यात प्रभावित हुआ है, जिससे देश के चाय उत्पादकों और उद्योगों की चिंता बढ़ गई है। नेपाली कांग्रेस के नेता भीष्मराज आंगदाम्बे ने सरकार से इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए भारत के साथ कूटनीतिक स्तर पर बातचीत शुरू करने की अपील की है। इलाम नगर पालिका के 18वें आम सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चाय उद्योग की समस्या का जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो इसका असर हजारों किसानों और मजदूरों पर पड़ेगा। दरअसल, पिछले सप्ताह से नेपाली चाय उत्पादकों ने अनिश्चितकाल के लिए उत्पादन रोक दिया है।

भारत नेपाली चाय का सबसे बड़ा खरीदार

स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि इलाम जिले के करीब 100 चाय उद्योग 15 जून से बंद पड़े हैं। चाय उत्पादकों के मुताबिक हर दिन लाखों किलो हरी चाय की पत्तियां खेतों और फैक्ट्रियों में बर्बाद हो रही हैं, जिससे करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है।

विरोध के स्वर — मानवाधिकार संगठनों में भी तीखी प्रतिक्रिया

महरंग बलोच को सजा के ऐलान से भड़के बलूच

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत प्रांत यानी कि बलूचिस्तान से एक बड़ी और विवादास्पद खबर सामने आई है। बलोच अधिकारियों की मुखर आवाज और बलूचिस्तान की शेरनी के नाम से चर्चित एक्टिविस्ट मेहरंग बलोच को एंटी टेररिज्म कोर्ट ने उम्र कैद की सजा सुना दी है। यह फैसला जुलाई 2024 में ग्वादर में आयोजित बलोच सभा और उसके बाद हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान एक सुरक्षा अधिकारियों की मौत से जुड़े मामले सामने आए। अदालत ने बलूच कमेटी बीवाईसी के नेता सिगुतुल्लाह शाह को भी दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। हालांकि इस फैसले ने पाकिस्तान ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और बलूच समुदाय के बीच भी तीखी प्रतिक्रिया पैदा कर दी है। अब बीवाईसी और मेहरंग के समर्थकों का यह आरोप है कि यह मुकदमा राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित था और इसका मकसद बलूच आंदोलन को कुचलना है। संगठन का यह कहना है कि अदालत ने कमजोर और संदिग्ध सबूतों के आधार पर यह फैसला दिया है और दूसरी तरफ पाकिस्तान सरकार और सुरक्षा एजेंसियां इसे कानून के शासन और आतंकवाद विरोधी कार्रवाई का हिस्सा बता रही है। महरंग बलोच पिछले कुछ वर्षों से बलस्तान में कथित जबरन गायब किए गए लोगों को लेकर मानवाधिकार उल्लंघनों और संसाधनों पर स्थानीय लोगों के अधिकार की मांग को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी हैं और यह कारण है कि उनकी गिरफ्तारी और अब उम्र कैद की सजा को बलोच राजनीति में एक बड़े मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञ यह मानते हैं कि यह मामला सिर्फ एक एक्टिविस्ट की सजा का नहीं है बल्कि उस बलूचिस्तान का है जिस पर दुनिया की बड़ी शक्तियों की नजर इस वक्त टिकी हुई है। प्राकृतिक गैस, तांबा, सोना, रेयर अर्थ, मिनरल्स और अरब सागर से जुड़ी रणनीतिक स्थिति के कारण बलूचिस्तान पाक की अर्थव्यवस्था और भू राजनीति का एक केंद्र बन चुका है।

बाजार दर्पण

विश्वास नेत्र एवं लेज़र सेन्टर

डॉ. विश्वास वर्मा
नेत्र सर्जन

मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध

विराम खण्ड, राम भवन के सामने
गोमती नगर लखनऊ
मोबाइल: 9415016089